प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

जिस मनुष्य के पास सब्र की ताकत है
उस मनुष्य की ताकत का कोई
मुकाबला नहीं कर सकता!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➢दिल्ली➢देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 17 | अंक 255 | दैनिक | रांची | सोमवार 29 अप्रैल 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

ओडिशा में नहीं है एकतरफा चुनाव अबकी फंसी बीजेडी

- पांडियन को घेर सीएम पटनायक को चुनौती दे रही भाजपा

सम्बलपुर (एजेंसी)। ओडिशा में पिछले लगभग ढाई दशक से निर्बाध राज कर रहे बीजद नेता मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को इस चुनाव में पहली बार कड़ी चुनौती मिल रही है। भाजपा द्वारा उठाए गए ओडिशा अस्मिता के मुद्दे की यहां पर खासी चर्चा है और लोग नवीन पटनायक के आसपास के लोगों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा को राज्य में अपनी जड़ें जमाने का मौका मिल गया है और पहले ही दूसरे नंबर की पार्टी बन चुकी भाजपा अब सत्ता के लिए भी दम ठोक रही है। यही कारण है कि राज्य में एक साथ हो रहे लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बीजद के चुनाव चिह्न शंख और पद्म (कमल को उड़िया में पद्म कहा जाता है) में जोरदार जोर आजमाइश है।

सेक्स स्कैंडल में फंसे पूर्व पीएम देवगौड़ा के पोते प्रज्वल

- कई अश्लील वीडियोज एक साथ हुए वायरल, भाग गए विदेश

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच कर्नाटक की राजनीति में भूचाल आ गया है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और हसन लोकसभा सीट से जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना कथित सेक्स स्कैंडल में फंस गए हैं। कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। इस बीच, प्रज्वल ने देश छोड़ दिया है और वह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट चले गए हैं। 26 अप्रैल को हुए कर्नाटक के पहले फेज के मतदान से दो दिन पहले ही सोशल मीडिया पर कई वीडियोज वायरल हुए। वहीं, हासन सांसद ने भी एफआईआर दर्ज करवाते हुए कहा है कि वीडियोज में छेड़छाड़ की गई है और उनकी छवि खराब करने और वोटर्स के दिमाग में जहर भरने के लिए उसे प्रसारित किया जा रहा है।

राजस्थान-गुजरात में पकड़ाई अत्याधुनिक ड्रग्स लैब

- करीब 300 करोड़ रुपए की मेफेड्रोन ड्रग हुई बरामद

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ते) और एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने गांधीनगर और पड़ोसी राज्य राजस्थान में एक साथ चार जगहों पर संयुक्त रूप से छापा मारा और

करीब 300 करोड़ रुपए के मेफेड्रोन (एक तरह का मादक पदार्थ) के साथ 13 लोगों को पकड़ा है। यह छापे शुक्रवार को मारे गए थे, जिनकी जानकारी शनिवार को दी गई। इस दौरान दोनों राज्यों में 3 अति आधुनिक मेफेड्रोन मैन्युफैक्चरिंग लैब्स भी मिलीं। इन छापों को लेकर एक विज्ञप्ति जारी करते हुए एटीएस ने बताया कि, एनानी और राजपुरोहित के साथ-साथ उनके सहयोगियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई।

राहुल को शहजादा बता पीएम बोले-राजाओं को गालियां देते हो और सुल्तानों पर बोलती बंद

हुबली में जो हुआ उसने देश में 'भूचाल' ला दिया है

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'राजा-महाराजा' वाले बयान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शहजादे का कहना है कि भारत के राजा, भारत के महाराजा अत्याचारी थे। ये गरीबों की

- **पीएम बोले-उस बेटी का परिवार ऐक्शन की मांग करता रहा कांग्रेस तुष्टिकरण में व्यस्त रही**

जमीन छीन लेते थे। जब मर्जी तब उसे हड़प लेते थे। कांग्रेस के शहजादे ने छत्रपति जी महाराज और रानी चिनम्मा जैसे महान व्यक्तित्व का अपमान किया है। इनका सुशासन, इनकी देशभक्ति आज भी हम सबको प्रेरित करती है। क्या शहजादे को यह पता है। पीएम मोदी ने सवाल किया कि क्या शहजादे को मैसूर राजघराने का योगदान पता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे का बयान सोच-समझकर वोट बैंक की राजनीति करने के लिए दिया गया। उन्होंने कहा, शहजादे ने तो राजा-महाराजा को बुरा-भला कह दिया। लेकिन भारत के इतिहास में जो अत्याचार नवाबों ने किए, निजामों ने किए, सुल्तानों ने किए... उनकी बात पर तो शहजादे के मुंह पर

ताला लग जाता है। बता दें कि राहुल गांधी ने कहा था, राजाओं-महाराजाओं का राज रहा। जो भी वो चाहते, कर देते थे। किसी की जमीन चाहिए तो उसे हड़प लेते थे।

कांग्रेस पार्टी और हमारे कार्यकर्ताओं ने देश की जनता के साथ मिलकर आजादी प्राप्त की, लोकतंत्र लेकर आए और संविधान दिलवाया। नरेंद्र मोदी ने गुस्से भरे लहजे में कहा कि राजा-महाराजाओं को गालियां दे रहे हो, उनको अपमानित करते हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की मानसिकता अब खुलकर देश के सामने आ रही है।

उन्होंने कहा, हुबली में कॉलेज कैंपस में जो हुआ उसने देश में भूचाल ला दिया है, उस बेटी का परिवार ऐक्शन की मांग करता रहा लेकिन कांग्रेस की सरकार तुष्टीकरण के दबाव को ही प्राथमिकता देती है। उनके लिए नेहा जैसी बेटियों की जिंदगी की कीमत नहीं है, उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है। बेंगलुरु के कैफे में बम धमाका हुआ तो भी गंभीरता नहीं आई, उन्होंने यहां तक कह दिया कि गैस का सिलेंडर फटा होगा।

अबकी बार 400 पार के नारे को प्रियंका गांधी ने दिया नया ट्विस्ट

महाराष्ट्र के लातूर की रैली में बीजेपी पर हमलावर रहीं कांग्रेस नेता

लातूर (एजेंसी)। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अबकी बार 400 पार' के नारे को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्विस्ट दे दिया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मौजूदा सरकार की नाटकीयता को देखा है और उन्हें अपना नया मंत्र दिया है- अबकी बार आप की सरकार, अबकी बार जनता की सरकार। महाराष्ट्र में लातूर जिले के उदगीर में कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में उन्होंने चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान प्रियंका ने दावा किया कि 45 वर्षों में बेरोजगारी अपने चरम पर है और 70 करोड़ लोगों के पास नौकरियां नहीं हैं, जबकि केंद्र में

30 लाख पद खाली पड़े हैं, जो पिछले 10 साल में नहीं भरे गए। उन्होंने कहा, 'अगर भाजपा दावा करती है कि पिछले 70 वर्षों में कुछ नहीं हुआ तो हम मान लेते हैं आईआईटी, एम्स, बड़े उद्योग आदि अब स्थापित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री पद की गरिमा निम्न स्तर पर लाए

पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस लोगों के गहने और छोटी-छोटी बचत को उनकी संपत्ति की जांच कर जब्त करना चाहती है। प्रियंका ने रैली में कहा कि देश ने कांग्रेस से महान प्रधानमंत्रियों को देखा है, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे अन्य दलों के प्रधानमंत्री को भी देखा है लेकिन उन्होंने (मोदी ने) प्रधानमंत्री पद की गरिमा को इस निम्न स्तर पर ला दिया। उन्होंने दावा किया, 'पिछले 10 वर्षों में किए गए काम को लेकर वह वोट नहीं मांग रहे हैं।

आरक्षण का समर्थक है आरएसएस, झूठे वीडियो फैलाते हैं लोग

- लोकसभा चुनाव के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोकसभा चुनावों के बीच आरक्षण पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि संघ परिवार ने कुछ समूहों को आरक्षण देने का कभी विरोध नहीं किया है। हैदराबाद में एक शैक्षणिक संस्थान में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। भागवत ने कहा कि संघ का मानना है कि आरक्षण तब तक दिया जाना चाहिए जब तक कि इसकी जरूरत है।

आरक्षण को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच छिड़े वाकयुद्ध के बाद भागवत ने यह टिप्पणी की है। मोहन भागवत ने कहा कि आरक्षण और संघ को लेकर फेक वीडियो फैलाया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इस बारे में हम बाहर नहीं बोल सकते हैं। यह सब पूरी तरह से झूठ है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने पिछले साल नागपुर में कहा था कि जब तक समाज में भेदभाव है तब तक आरक्षण दिया जाना चाहिए।

चुनाव के बीच दिल्ली में अरविंदर लवली ने फोड़ा 'इस्तीफा' बम

एएपी-कांग्रेस दोनों की बढ़ी टेंशन, बीजेपी की होगी बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली कांग्रेस के कैप्टन ने रिजाइन कर दिया है। लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मैच से पहले कैप्टन के रिजाइन से पार्टी सकते में हैं। खबर है कैप्टन साहब टीम में अपनी अनदेखी से नाराज से थे। इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी से गठबंधन के आलाकमान के निर्णय पर भी सवाल उठाए हैं। खास बात है कि इस इस्तीफे से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन में टेंशन बढ़ गई है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच हुए गठबंधन को लेकर गतिरोध भी सामने आ गया है। अब सवाल है कि चुनाव से ठीक कुछ दिन पहले यह कलेश पार्टी को कितना नुकसान पहुंचाएगा। बीजेपी से मुकाबला करने के लिए काफी लंबी जद्दोजहद के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच तालमेल हुआ था। इस तालमेल से पहले कांग्रेस में लंबी चर्चा चली थी। कांग्रेस का एक धड़ा शुरू से ही आम आदमी पार्टी से गठबंधन किए जाने के विरोध में था। गठबंधन का विरोध करने वालों में अरविंद सिंह लवली के साथ ही दिल्ली के पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित जैसे नेता भी थे। पार्टी में एक धड़े का मानना था कि आम आदमी पार्टी से गठबंधन करके कांग्रेस अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रही है। पार्टी के नेताओं का कहना था कि एएपी ने ही दिल्ली में कांग्रेस के जनाधार को कम किया है। ऐसे में पार्टी उसी दल के साथ समझौता कर अपने वोटरों की नाराजगी मोल ले रही है। हालांकि, पार्टी आलाकमान ने स्थानीय स्तर के नेताओं की राय को दरकिनार करते हुए राष्ट्रीय स्तर का हवाला देते हुए तालमेल किया था। समझौते के तहत पार्टी ने दिल्ली की 7 में 3 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान ने भले ही आम आदमी पार्टी के साथ हाथ मिला लिया है लेकिन जमीनी स्तर के कार्यकर्ता इस फैसले को पचा नहीं पा रहे हैं। अब चूंकि प्रदेश अध्यक्ष ने खुद ही इस गठबंधन पर सवाल उठाते हुए इस्तीफा दे दिया है।

- **आप के साथ गठबंधन को लेकर घेरा, आलाकमान से भी जताई नाराजगी**

जीत का 'छक्का' लगाने चुनावी पिच पर उतरे अधीर!

- बंगाल में 'दादा' का है बड़ा क्रेज, लोग बुलाते हैं-रॉबिनहुड

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में बंगाल की बहरामपुर सीट पर इस बार काफी रोचक मुकाबला है। यहां विपक्षी गठबंधन में ही कांटे का मुकाबला है। एक तरह 'दादा' निकनेम से प्रसिद्ध कांग्रेस नेता और बहरामपुर के सिटिंग

सांसद अधीर रंजन चौधरी हैं, जो कई बार सदन में बोलते हुए अपना धीरज खोते नजर आए, लेकिन बंगाल की बेहद कठिन राजनीतिक लड़ाई में उन्होंने कभी अपना धैर्य नहीं खोया। वो यहां से पांच बार सांसद रह चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ टीएमसी प्रत्याशी यूसुफ पठान मैदान में हैं। बहरामपुर क्षेत्र में बेताज बादशाह कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ही हैं। यहां से वह पांच चुनाव जीत चुके हैं। गरीबों के मसीहा और रॉबिनहुड के नाम से जाने जाते हैं।

होंगे कामयाब

एनएसजी से लेकर नेवी कमांडो तक अब होंगे और ताकतवर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी ने भारत के लिए हथियारों की बिक्री से प्रतिबंध हटा लिया है। जर्मनी ने कहा है कि वह भारत को अपवाद के तौर पर मानते हुए छोटे हथियारों की बिक्री पर से प्रतिबंध हटा रहा है। यूरोपीय देश का ये कदम भारत के साथ उसके बढ़ते रणनीतिक और सैन्य संबंधों को दर्शाता है। इससे पहले जर्मनी का अपना एक नियम था। उसने गैर-नाटो देशों को छोटे हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के हवाले से लिखा है कि जर्मनी से छूट मिलने के बाद भारत अब अपनी सेना और राज्य पुलिस बलों के लिए छोटे हथियारों को खरीद सकता है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, जर्मनी ने इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) को उसकी एमपी 5 सबमशीन गन के लिए स्पेयर पार्ट्स और अन्य उपकरण खरीदने की अनुमति दी है। बता दें कि हेकलर एंड कोच एमपी5 एक सबमशीन गन है जिसे 1960 के दशक में जर्मन हथियार निर्माता हेकलर एंड कोच द्वारा बनाया गया था। खास बात ये है कि यही सबमशीन गन है जो समुद्री कमांडो द्वारा इस्तेमाल की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी ने अपने निर्यात लाइसेंसिंग नियमों में भी काफी ढील दी है। इसके चलते पिछले महीने कई भारतीय ऑर्डर को मंजूरी दी गई है। इससे पहले भी, छोटे हथियारों को छोड़कर, 95 प्रतिशत भारतीय खरीद सौदों को मंजूरी दे दी जाती थी, लेकिन प्रक्रिया में समय लगता था, जिससे जर्मनी को इस प्रक्रिया को आसान बनाना पड़ा। भारत और जर्मनी के बीच रक्षा सहयोग बढ़ रहा है।

- **जर्मनी ने हटाया प्रतिबंध, अब आसानी से हथियार मंगा सकेगा भारत**

एएपी के 'जेल का जवाब वोट से' गाने पर लगा ब्रेक

ईसी का आदेश-कैंपेन सॉन्ग बदलें, इससे न्यायपालिका की छवि खराब हो रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने अपने पत्र के माध्यम से आम आदमी पार्टी (आप) के कैंपेन सॉन्ग जेल का जवाब वोट से देंगे पर रोक लगा दी है। रविवार को केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि यह पहली बार हुआ होगा कि किसी राजनीतिक पार्टी के कैंपेन सॉन्ग पर चुनाव आयोग ने रोक लगाई है। हमारे कैंपेन सॉन्ग में कहीं पर भी आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है। चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 और ईसीआई दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित विज्ञापन कोड के अनुसार अपने चुनाव कैंपेन गीत की सामग्री को संशोधित करने और संशोधन के बाद फिर से सर्टिफिकेशन के लिए सबमिट करने के लिए कहा है। इस पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि बीजेपी की तरफ से चुनावी आचार संहिता की रोज धज्जियां उड़ाई जा रही है लेकिन, चुनाव आयोग उस पर कुछ नहीं करता। ईडी सीबीआई का उपयोग करके विपक्ष के नेताओं को जेल में डाला जाता है तो उस पर चुनाव आयोग को कोई आपत्ति नहीं होती है लेकिन, जब आम आदमी पार्टी इस तथ्य को गाने में लिख देती है तो उससे दिक्कत होती है।

कश्मीर में मिठाई की दुकान पर अंधाधुंध गोलीबारी

पोस्ट कर कहा-अगली गोली सिर्फ हवा में नहीं चलेगी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मीरान साहिब इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने मिठाई की दुकान पर अचानक गोलीबारी कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना शनिवार शाम को हुई। कुछ अज्ञात लोग इलाके में पहुंचे और दुकान पर गोलियां चलाने लगे। इसके बाद अब्बू जट नाम के सोशल मीडिया हैंडल से इस हमले की जिम्मेदारी ली गई। पोस्ट में कहा गया, आज जो कुछ भी हुआ, हम उसकी जिम्मेदारी लेते हैं। मीरासाहिब खजुरिया में मिठाई की दुकान के बाहर गोलियां चलाईं। अगर हमारी बातों पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह और भी बदतर हो सकता है। हम यहां पर हैं मगर हमारे भाई अभी भी वहां हैं। इसलिए गलती मत कीजिए और मान लीजिए। हमने नया मोड़ ले लिया है और शांति के प्रयास में हैं। अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो अगली गोली हवा में नहीं चलेगी। इससे पहले, बिहार के बांका जिले के रहने वाले राजा शाह की अनंतनाग जिले के जबलीपोरा में आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने कहा, शेष खतरों को खत्म करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियानों को बढ़ाएं और आतंकवादियों के सहयोगियों और राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें। बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया था।

अप्रैल माह गुजरने को लेकिन बड़कागांव प्रखंड में अभी तक खाद्यान्न पूर्ण वितरण नहीं

तपती गर्मी में गरीब कार्डधारी पस्त, दर्जनों से ज्यादा डीलरों मस्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। तपती गर्मी में आम गरीब-गुरबा अपनी जान बचाने के लिए व लू से बचने के लिए काम-धंधा छोड़कर जान बचा रहें हैं। वहीं बड़कागांव के दर्जनों से ज्यादा डीलरों का कारनामा के कारण से कुछ गरीबों के थाली से अनाज गायब हो रही है। जिससे गरीब गुरबा लू से बच भी जाए तो ये डीलरों के कारनामे कहीं गरीब का जान न लें। वहीं बड़कागांव खाद्य आपूर्ति विभाग का इसका कोई फिक्र नहीं है। जबकि अप्रैल माह का अनाज खाद्य आपूर्ति विभाग के द्वारा बड़कागांव 124 में से 121 डीलरों के बीच मई माह का लगभग 679955 किलोग्राम अनाज

उपलब्ध कराया गया है। जिसमें 544356 किलोग्राम चावल तथा 135599 गेंहू शामिल है। जबकि बड़कागांव 124 डीलरों में से 121 के द्वारा अप्रैल माह का खाद्यान्न 595942 किया गया है जिसमें चावल 477110 तथा गेहूं 118831 किलोग्राम अनाज वितरण किया गया। वहीं मई माह का अनाज बड़कागांव खाद्य आपूर्ति विभाग के द्वारा खाद्यान्न अप्रैल माह में दिया जा रहा है। जिसमें ज्यादातर डीलर खाद्यान्न उठा लिया है।बता दें बड़कागांव प्रखंड में कुल 124 डीलर है जिसमें किसी कारण वश 3 डीलर के दुकान बंद है। बड़कागांव प्रखंड में कुल प्रावृता परिवार कार्डधारी तथा अत्यादोंय कार्डधारी लगभग 28858 शामिल है। बता दें कि 80त्न से कम खाद्यान्न वितरण करने वाले डीलर सिकरी के 2, बड़कागांव मिडिल 2,सिंदवारी के 2,चेपाकलां के 2, तलसवार के 2,सिरमा के 2,चेपाकलां के 2 तथा महुंगाईकलां,सांढ, हरली, चोपदार बलिया,कांडतरी, बड़कागांव पूर्वी तथा बड़कागांव पश्चिमी के एक-एक डीलर शामिल है। तथा सबसे कम अनाज वितरण सिकरी डीलर सत्येंद्र कुमार गुप्ता 33त्न तथा सबसे अधिक अनाज वितरण बड़कागांव मिडिल रवि कुमार के द्वारा 159त्न किया गया है।वहीं इस मामले को लेकर बड़कागांव सहायक गोदाम प्रबंधक भास्कर राज से पूछे जाने पर कहा कि पिछले एक सप्ताह से सर्वर बहुत खराब चल रहा तथा अप्रैल माह का खाद्यान्न वितरण लक्ष्य प्राप्ति को देखते हुए 15 मई तक खाद्यान्न वितरण का समय बढ़ाया जा सकता है। अगर ये समय में डीलर खाद्यान्न वितरण नहीं करती है तो जांचों प्रांत नियमानुसार कार्रवाई किया जा सकता है।ये सभी डाटा ऑनलाइन में दर्ज डाटा के अनुसार प्रस्तुत की गई है।

महिला बधिर समाज ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित, प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

प्रतिनिधि,रांची। रांची जिला बधिर संघ के तत्वावधान में महिला बधिर समाज के सौजन्य से रविवार को राजीव गांधी वरिष्ठ नागरिक उद्यान (एचईसी परिसर, सेक्टर 2) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रकार की मनोरंजक व ज्ञानवर्धक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

मेंहदी सहित अन्य प्रतियोगिताओं में दर्जनाधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें

मौके पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। प्रतिभागी नीलम देवी को ब्लाइंड फोल्ड में प्रथम,बॉल एंड बासकेट प्रतियोगिता में अंजू देवी को प्रथम पुरस्कार, बबलो गेम में नीलम देवी को प्रथम पुरस्कार व मेहंदी प्रतियोगिता में प्रीति कुमारी को उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व उपहार भेंट किए।

इस अवसर पर संरक्षक गोपाल कृष्ण झा, उप चेयरमैन सनत कुमार बोस, मनोज कुमार वाघेला,अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, महासचिव ज्योत्सना एम बघेला, राहुल राम, बी ठाकुर, लाडली परवीन, नेहा निधि, नजमा खातून, श्रुति कुमारी, मोहम्मद यूसुफ, प्रीति शर्मा, राकेश कुमार, संगीता टोप्पो, सुंदरलाल महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

सलोन मिनिस्ट्री चर्च ने कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय का किया अभिनंदन

महिला हितों के संरक्षण के लिए और मजबूती से काम करुंगी- यशस्विनी

प्रतिनिधि, रांची। शहर के कोकर स्थित सलोन मिनिस्ट्री चर्च (सैम्फर्ड हास्पिटल के निकट) की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय एवं आईएनडीआईए गठबंधन की रांची संसदीय सीट से प्रत्याशी यशस्विनी सहाय का अभिनंदन किया गया। रविवार को चर्च परिसर में आयोजित अभिनंदन समारोह में सलोन मिनिस्ट्री चर्च के संस्थापक बिशप डॉ.सुरेश सांगा एवं उनकी धर्मपत्नी सुनीता सांगा ने सुश्री सहाय को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। रविवारीय प्रार्थना सभा के बाद अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

इस मौके पर सुश्री सहाय ने अपने संबोधन में कहा कि वह महिला सशक्तिकरण, बाल श्रम उन्मूलन, महिला उत्पीड़न की रोकथाम की दिशा में कार्यरत हैं। जनप्रतिनिधि बनने के बाद इसे और गतिमान करूंगी।

वहीं, सलोन मिनिस्ट्री चर्च के बिशप, पास्टर व सेवकों ने कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री सहाय को व्यापक जन समर्थन देकर चुनाव में विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर जीवन रुंडा, फ्लोरा कॉपी, सोमा गाड़ी, बसंत टोप्पो, लुकस टोप्पो, राज किस्को, आशीष कुजूर, शशि बड़ाइक सहित काफी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग उपस्थित थे।

यामाहा ने मेगा माइलेज चैलेंज एक्टिविटी का किया आयोजन

प्रतिनिधि,रांची। इंडिया यामाहा मोटर ने रविवार को रांची में अपने चार अधिकृत डीलरशिप्स फ्रैंड मोटर्स, शैल ऑटो व्हील्स एजेंसी प्रा. लि., एसएस पावर बाइक और ऑटो विंग्स के साथ मेगा माइलेज चैलेंज एक्टिविटी का आयोजन किया। मेगा माइलेज चैलेंज एक्टिविटी की चुनौती में यामाहा के 40 से ज्यादा ग्राहकों ने भाग लिया। जबकि लगभग 70 यार्कों ने उस दिन ब्राण्ड के द्वारा आयोजित, जुड़ाव बनाने वाली कई गतिविधियों में भाग लिया। माइलेज चैलेंज के पहले विजेता ताकिर अमल, दूसरे विजेता विकास कुमार, तीसरे विजेता मनीष कुमार, चौथे विजेता धंनजय कुमार और पांचवे विजेता गौतम कुमार बने।

मेगा माइलेज चैलेंज एक्टिविटी के आयोजन का लक्ष्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच यामाहा हाइब्रिड स्कूटर्स, खासकर फैसिनो 125 फाई हाइब्रिड, की बेजोड़ इंधन क्षमता के बारे में जागरूकता फैलाना।

मेगा माइलेज चैलेंज इवेंट की शुरुआत एक ब्रीफिंग सेशन से हुई। उसमें विशेषज्ञों ने राइडिंग की असरदार तकनीकों पर जानकारी दी और यात्रा का निर्धारित मार्ग बताया। ब्रीफिंग के बाद 30 किलोमीटर की राइड शुरू होने से पहले, भाग लेने वालों के स्कूटरों में ईंधन भरा गया। वे ड्राइविंग की विभिन्न स्थितियों से गुजरे, जैसे कि शहर का ट्रैफिक, कठिन क्षेत्र और खुली सड़कें। इस प्रकार उन्हें स्कूटरों के सस्पेंशन, मैनोवरेबिलिटी, ब्रेकिंग, एक्सीलरेशन और शुरुआती पिक-अप का हाथों-हाथ अनुभव मिला। राइड पूरी करने और वेन्यू पर लौटने के बाद स्कूटरों में दोबारा उतना ही ईंधन भरा गया। माइलेज की गणना के लिये ईंधन की खपत को रिकॉर्ड किया गया।भाग लेने वाले हर व्यक्ति को विशेष स्मृति-चिन्ह दिये गये।

संतोष कुमार सोनी बने खरकई डैम बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष

प्रतिनिधि, रांची। मोटिया - मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने शनिवार को अशोक नगर, रांची में एक बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने ÷खरखाई डैम बचाओ समिति÷ के गठन की घोषणा की। श्री सोनी ने बताया कि सरकार के निर्णय से स्वर्णरेखा बहुद्देशीय परियोजना को पूर्ण न करके एवं खरकाई डैम न बनवाकर उसकी होने वाले फायदे से जनता को वंचित रख रही है। इस जन आंदोलन के माध्यम से सभी ने ÷खरखाई डैम बचाओ आंदोलन÷ की शुरुआत की है। यह आंदोलन चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस जन आंदोलन में पहले चरण में सरायकेला उपयुक्त कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा और ज्ञापन उपायुक्त और उसकी एक प्रति राज्यपाल को सौंपा जाएगा। दूसरे चरण में राज्यपाल के निवास के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा और ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा जाएगा। तीसरे चरण में खरखाई डैम निर्माण क्षेत्र पर जाकर जल संसाधन विभाग और उनके अधिकारियों के समक्ष जन आंदोलन और धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसी के साथ यह सूचित करना है कि वर्तमान में जन आंदोलन क्रियान्वित नहीं कर रहे हैं क्योंकि चुनाव के लिए आचार संहिता लागू है।

श्री सोनी ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय में स्वर्णरेखा बहुद्देशीय परियोजना को बंद करने के खिलाफ श्री सोनी द्वारा हाईकोर्ट में जनहित याचिका 4 अगस्त 2023 को दायर की गई थी। उस याचिका पर पिछले छह महीने से सुनवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में दायर याचिका में राज्य सरकार ने खुद अक्टूबर 2019 में अपने शपथ पत्र द्वारा यह कहा था कि इस परियोजना को चालू करने में उन्हें कोई भी समस्या नहीं है और बांध का निर्माण राज्य के भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन उसके कुछ महीने बाद ही उन्होंने अपना एक पत्र देकर इसी परियोजना के काम को 13 मार्च 2020 में अगले आदेश तक स्थगित कर दिया जो कि स्थगित है। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील द्वारा इस मामले को संज्ञान लेते हुए कहा गया कि सरकार को शपथ पत्र में इस परियोजना की क्रियान्वयन की अपनी सारी बातें स्पष्ट करनी पड़ेगी, क्योंकि पिछली तारीख में सरकार ने यह स्पष्ट किया था कि उसे इस परियोजना को चालू करने में कोई भी समस्या नहीं है। इसलिए अगली तारीख तक सरकार को शपथ पत्र दायर करके संपूर्ण परियोजना के चालू होने पर क्या अड़चन है और वह कब तक चालू हो पाएगी। इसे शपथ पत्र द्वारा लिखित रूप में स्पष्ट करना अत्यंत आवश्यक है। इस जनहित याचिका की अगली सुनवाई की तारीख 29 अप्रैल 2024 को दी गई हैं।संतोष कुमार सोनी ने कहा कि समिति ने जनता की भलाई के लिए इस याचिका को आगे बढ़ाने का फैसला किया है, और आत्मविश्वास से कहा कि जनता इस लड़ाई में अंततः विजयी होगी।

अल्लाह एक और हम टुकड़ों में बंटे हुए हैं- मौलाना तहजीबुल हसन

मजलिस जिक्र इमाम हुसैन का आयोजन

प्रतिनिधि,रांची। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं प्रदेश अध्यक्ष, (समाजवादी शिक्षक संघ) सैयद शारूख हसन रिजवी के आवास पर मजलिस जिक्र इमाम हुसैन बयाद सैयद हसन अली रिजवी की इसाले सवाब का आयोजन किया गया। सोज खानी सैयद अत्ता इमाम रिजवी ने की। सैयद निहाल हुसैन सरियावी, अमूद अब्बास, कासिम अली, हाशिम अली ने कलाम पेश किया। मजलिस को ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन हजरत मौलाना अल्हाज सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने मजलिस को संबोधित करते हुए कहा कि अल्लाह की रस्सी को मजबूती से पकड़ो। अत्याचारी चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, वह सफल नहीं हो सकता। जो अत्याचारी का साथ देता है, वह अत्याचारी है। फ़िलिस्तीन के उत्पीड़ितों के साथ कौन खड़ा है? ईरान अकेला उसके साथ खड़ा है। मुसलमानों को एकता बनाने की जरूरत है। अल्लाह एक है, कुरान एक है, धर्म एक है, लेकिन हम संप्रदाय और मजहब में बंटे हुए हैं। जिन लोगों की न तो एक किताब है, न ही एक ईश्वर, न ही एक धर्म, वे आज एक हैं। अमीर गोपालपुरी ने नौहा खानी की। सैयद शारख हसन रिज़वी ने आये हुए सभी लोगों का स्वागत किया। इस मौके पर मौलाना नूरुल्लाह कासमी, हाफिज नासिर, कारी जैनुल आबिदीन, मौलाना कुर्बान, सैयद हसनैन जैदी, जावेद हैदर, नकी रिजवी समेत अन्य मौजूद थे।

मालती तेल मिल का उद्घाटन

जनसमस्याओं का त्वरित निदान होगी प्राथमिकता- यशस्विनी सहाय

प्रतिनिधि,रांची। शहर के अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड स्थित शिव मंदिर के निकट मालती तेल मिल का उद्घाटन रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय व रांची संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सहाय ने कहा कि लघु एवं मध्यम उद्यमियों द्वारा इस तरह के प्रतिष्ठानों के संचालन से काफी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होते हैं। मौके पर कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री सहाय का अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का त्वरित निष्पादन उनकी प्राथमिकता होगी।

इस अवसर पर तेल मिल के संचालक प्रदीप साहू, धर्मदयाल साहू, शंकर साहू, अभिलाष साहू, परवेज, रामस्वरूप, शिवचरण, कार्तिक, विशाल सहित अन्य मौजूद थे।

हाईवा वाहन में लगी आग, केविन जलकर हुआ खाक

प्रतिनिधि ,लातेहार। बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत गोलीटाड़ में रविवार को कोयला परिवहन कार्य में लगी एक चलती हाइवा वाहन में अचानक आग लगने से अफरा तफरी मच गई। चालक ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई।घटना के संबंध में ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त हाइवा मगध कोल परियोजना में परिवहन का कार्य में लगी थी। जो कोयला खाली कर कोलयरी जा रहा थी कि अचानक वाहन में आग लग गई। चालक ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए वाहन से उतरकर भाग कर अपनी जान बचाई। घटना के समय मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे जिसके बाद ग्रामीणों के प्रयास से आग में काबू पाया गया। तब तक हाइवा वाहन का आगे का हिस्सा पूरी तरह से जलकर

खाक हो गया। जिससे वाहन मालिक को हजारों रुपए का छती हुआ है। आग की घटना पर लोगों को कहना था कि शॉर्ट सर्किट के कारण वाहन में अचानक आग लग गई।

समाज के बीच जितना भी कार्य किया जाय कभी पूर्ण नहीं हो सकता -डॉ ब्रजेश

बच्चों के भविष्य गढ़ने में एन एस एस निरंतर सक्रिय- डॉ सुब्रतो

विशेष संवाददाता

रांची। गोस्सनर महाविद्यालय की एन एस एस इकाई के तत्वावधान में विगत दो वर्षों से रविवारीय विशेष शिविर (प्रत्येक रविवार) का आयोजन पहाड़ी टोला (पहाड़ी मंदिर के पीछे) किया जा रहा है एवं इस शिविर में महाविद्यालय के एन एस एस के 80 स्वयंसेवक यहाँ के 80 छोटे - छोटे बच्चों को गोद लेकर शिक्षा का अलख जला रहे हैं। रविवारीय विशेष शिविर में उक्त टोला के बच्चों के बीच किताब एवं कॉपी वितरण एवं उन बच्चों को गोद लिए हुए एन एस एस के स्वयंसेवकों का सम्मान कार्यक्रम कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सुब्रतो सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आर यू के एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि समाज हमें बहुत कुछ देता है एवं हम समाज के लिए जितना भी करें वो कम है।उन्होंने कहा कि इन छोटे - छोटे बच्चों के बीच शिक्षा के माध्यम से उनके अंदर संस्कार देकर उन्हें योग्य नागरिक बनाने का कार्य एन एस एस द्वारा किया जा रहा है जो सराहनीय है।उन्होंने कहा कि जिन नौनिहालों को एन एस एस द्वारा संस्कार युक्त शिक्षा दिया जा रहा है उनके चेहरे पे मुस्कान लाना ही इस इस शिविर का मुख्य उधेश्य है।

अपने संबोधन में कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सुब्रतो सिन्हा ने कहा कि बच्चों के भविष्य गढ़ने में एन एस एस निरंतर सक्रिय है। उन्होंने कहा कि एन एस एस के स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे इस अभिनव प्रयोग के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम को एन एस एस की राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित फलक फातिमा , डॉ राजेश कुमार सिंह ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में विशेष शिविर में शामिल छोटे - छोटे बच्चों के बीच किताब, कॉपी एवं पेंसिल वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में विगत2 वर्षों से रविवारीय शिविर में सक्रिय योगदान देने वाले एन एस एस के स्वयंसेवकों क्रमशः रिकेश कुमार, उज्ज्वल कुमार, सुप्रिया झा, प्रीति कुमारी, रोहित कुमार, दीपक महतो, अविनाश कुमार, आर्या एस एन मिंज, शहंशाह आलम सहित 25 स्वयंसेवकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस के आर यू के टीम लीडर्स क्रमशः सुरभि, अंकित, नवीन, प्रिंस, स्वरा, अनिल आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राजद महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ने यशस्विनी सहाय का किया अभिनंदन

विशेष संवाददाता ,रांची। राष्ट्रीय जनता दल (महिला प्रकोष्ठ) की अध्यक्ष रानी कुमारी ने आईएनडीआईए गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय का अभिनंदन किया। रानी कुमारी ने शनिवार को एचईसी आवासीय परिसर स्थित सुश्री सहाय के आवासीय कार्यालय में शनिवार को उनसे मुलाकात की और उन्हें जीत के प्रति आश्वस्त किया। मौके पर रानी कुमारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन की रांची संसदीय सीट से प्रत्याशी यशस्विनी सहाय पहले से ही झारखंड में महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर मुखर रहीं हैं। महिला सशक्तीकरण, महिला उत्पीड़न, बाल श्रम की रोकथाम के लिए वह काम करती रही हैं। रांची संसदीय क्षेत्र की जनता उन्हें व्यापक जन समर्थन देकर अपना जनप्रतिनिधि चुनेगी। उन्होंने कहा कि सुश्री सहाय के पास विकास का विजन है। वह परिपक्व युवा सामाजिक कार्यकर्ता हैं। जनप्रतिनिधि चुने जाने पर जन समस्याओं के प्रति वह सक्रिय रूप से कार्य करेंगी।रानी कुमारी ने गठबंधन में शामिल सभी दलों के कार्यकर्ताओं को सुश्री सहाय की जीत सुनिश्चित कराने के प्रति तन-मन से जुड़ जाने की अपील की।

दिव्यांगजनों ने किया यशस्विनी सहाय का अभिनंदन

दिव्यांगों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म -सुबोधकांत सहाय

विशेष संवाददाता

रांची। दिव्यांगजनों का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय से एचईसी आवासीय परिसर स्थित उनके आवास पर मिला और उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय उपस्थित थे। दिव्यांग जनों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए संजय झा ने सुश्री सहाय का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया। तत्पश्चात सुश्री सहाय ने सभी लोगों से एक एक कर परिचय प्राप्त किया।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सहाय ने कहा कि दिव्यांग जनों और पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है। उन्होंने कहा कि आप लोगों की सेवा पूर्व से ही करते आ रहा हूं और आगे भी आपकी सेवा में सदैव तत्पर रहूंगा। आप सब अपने प्रत्याशी की मदद कीजिए। इस अवसर पर सुश्री यशस्विनी ने कहा कि जिस तरह आप पहले भी मेरे पापा को समर्थन देते रहे हैं, उसी तरह मेरी भी मदद करें। मैं आपकी बहन की तरह हूं और जन सेवा में सदैव लगी रहूंगी। इस मौके पर विकलांग राहत संस्था कांके, दिव्यांग रोजगार अधिकार मंच, अनगड़ा, गुलाब दिव्यांग समूह मालसरिंग, रूही सखी मंडल, गंगा सखी मंडल, नई किरण नामकुम, ज्ञान ज्योति दिव्यांग संघ, अनगड़ा के मनोज राम, सेरोफिना मिंज, शबनम लकड़ा, देवंती कुमारी, झालो कुमारी, मानीमाल महतो, भोला लकड़ा, शकुंतला लकड़ा, तबरेज अंसारी, लीला कुमारी, मुन्ना बड़ाईक, संतोष कुमार, उमेश राम, मंटू पासवान, वीणा कुमारी, ज्योति सहित अन्य उपस्थित थे।

एसडीओ एवं एसडीपीओ ने किया पाकुड़ मंडलकारा का रूटीन निरीक्षण

प्रतिनिधि, पाकुड़। शनिवार को लगभग रात दस बजे अनुमंडल पदाधिकारी प्रवीण केरकेट्टा और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद के संयुक्त रूप से छह थाना की पुलिस पाकुड़ मंडलकारा पहुंची। मासिक रूटीन निरीक्षण के तहत् जेल में बंद सभी कैदी सहित जेल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण कार्य में महिला थाना की प्रभारी सहित महिला बल भी तैनात थी। करीब एक घंटा पंद्रह मिनट निरीक्षण करने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि यह रूटीन चेकअप था, और सभी सही पाया गया। इस कार्यकम में प्रशिक्षु डीएसपी सह नगर थाना प्रभारी अजय आर्यन, मुफ्फसिल थाना प्रभारी संजीव कुमार झा, मालपहाड़ी थाना प्रभारी सुखदेव साहा, हिरणपुर थाना प्रभारी नवीन कुमार, लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी सहित कई एसआई, एएसआई एवं दर्जनों पुलिस बल शामिल थे।

लंबित मामलों को लेकर एसडीपीओ ने किया नगर थाना का निरीक्षण

प्रतिनिधि, पाकुड। शनिवार शाम को नगर थाना के निरीक्षण में पहुंचे एसडीपीओ डीएन आजाद, कई पुराने केस , लंबित मामलों को लेकर समीक्षा बैठक की । एसडीपीओ डीएन आजाद व प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना प्रभारी अजय आर्यन केस के निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक किया।एसडीपीओ ने कहा कि कई ऐसे केस है जिनके मामले कोर्ट में चले गए है, उनको छोड़ मामले के निष्पादन को लेकर गहन मंथन की गई। थाना क्षेत्र में शांति बहाल रहे, अपराध पर लगाम रहे, इन सब मुद्दों पर फोकस किया गया। एसडीपीओ डीएन आजाद ने बताया कि लंबित मामलों को लेकर बैठक की गई और भी कई मामले है जिनको लेकर चर्चा की जा रही है। मौके पर प्रशिक्षु डीएसपी अजय आर्यन,पुलिस निरीक्षक, एस आई अभिषेक कुमार, एस आई गौरी शंकर प्रसाद,एएसआई सनातन मांझी के अलावा कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

कल्पना सोरेन सोमवार को करेंगी गांडेय विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सहित कई मंत्री व इंडी गठबंधन के कई नेता रहेंगे उपस्थित

नामांकन के बाद होगा जनसभा का आयोजन

प्रतिनिधि, गिरिडीह। इंडी गठबंधन से गांडेय विधानसभा उपचुनाव की प्रत्याशी कल्पना सोरेन सोमवार को नामांकन का पर्चा दाखिल करेगी। रविवार की शाम को कल्पना सोरेन हेलीकॉप्टर से गिरिडीह पहुंचेगी और उत्सव उपवन रिसोर्ट में ठहरेंगी। उक्त जानकारी झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह और सचिव महालाल सोरेन ने रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस दौरान प्रेसवार्ता में जेएमएम नेता अजीत कुमार पप्पू, अभय सिंह, टुन्ना सिंह, दिलीप मंडल समेत कई नेता मौजूद थे। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया की सोमवार को नामांकन से पहले कल्पना सोरेन शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल में पूजन और दर्शन के लिए जाने वाली थी, लेकिन उनके चाचा ससुर के निधन और सनातन धर्म के छुतका लगने के कारण अब कल्पना सोरेन उत्सव उपवन से निकलकर पपराटांड स्थित समाहरणालय पहुंचेगी। जहां गांडेय उपचुनाव के लिए उप निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति अधिकारी गुलाम समदानी के समीप नामांकन का पर्चा दाखिल करेगी। इस दौरान सुबे के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन और मंत्री बसंत सोरेन समेत कई उनके साथ मौजूद होंगे। बताया कि नामांकन के बाद पपराटांड़ में इंडी गठबंधन के द्वारा जनसभा का आयोजन किया गया है जिसमें मुख्यमंत्री सहित चंपाई सरकार के कई मंत्री और इंडी गठबंधन के तमाम नेताओं द्वारा संबोधित किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभा के माध्यम से मतदान की अपील के साथ ही मोदी सरकार की नाकामी और उनके द्वारा सांप्रदायिक माहौल खराब करने की भूमिका से जनता को अवगत करायेंगे। जिला अध्यक्ष ने बताया कि जनसभा के माध्यम से खुद कल्पना सोरेन और सीएम द्वारा जनता को आगाह किया जाएगा की मोदी सरकार ने झारखंड में कैसे पीएम आवास योजना के फंड को रोका है। जिसके कारण राज्य के 22 लाख लाभुको को पक्का मकान तक नहीं मिला है।

संजय सिंह, जिलाध्यक्ष झामुमो गिरिडीह।

प्रसिद्ध शिव नगरी बासुकीनाथ में जल संकट गहराया

प्रतिनिधि, बासुकीनाथ। विश्व प्रसिद्ध शिवनगरी बासुकीनाथ में गर्मी के दस्तक के साथ ही जल संकट गहरा गया है । पानी के अभाव में आगंतुक श्रद्धालु एवं नगर निवासी पानी पानी हो रहे हैं. बासुकीनाथ मंदिर का पवित्र शिवगंगा सरोवर छोड़ के नगर पंचायत क्षेत्र के सभी तालाब,पोखर, जोरिया ,कुंआ पानी के अभाव में सुख चुके हैं । नगर पंचायत क्षेत्र के नगर निवासियों को शुद्ध पानी पूर्ति के लिए जिम्मेवार पी एच ई डी विभाग भी नगर निवासियों के जरुरत के अनुसार पानी सप्लाई नहीं कर पा रहा है । विभाग मुश्किल से लगभग बीस मिनट तक नगर निवासियों को शुद्ध पेयजल का पूर्ति कर रहा है । बासुकीनाथ नगर पंचायत में चंद्रहार की तरह बहने वाली सदानीरा जोरिया लठिया जोर का पानी भी लगभग सुख चुका है । लठियाजोर जो बासुकीनाथ नगर निवासियों का कभी गौरव कहलाता था , उसमें नगर पंचायत क्षेत्र से निकले कई गंदे नालों का गंदा पानी गिरता है । जो यहां के निवासियों के लिए एक अभिशाप है । लठियाजोर के पश्चिम भाग में मानसिंह बाद से लेकर ऊपर घाट, मोचार, सोजा घाट,कुडलो घाट,धड़ धडिया घाट,झरना घाट,फुलधरिया घाट एवम धोबिया घाट तक साफ एवम शुद्ध जल बहता था । जिसमें पशुधन अपनी प्यास बुझाते थे ।

बासुकीनाथ की आधी जनसंख्या नहाने एवम कपड़ा धोने के लिए लठिया जोर के पानी पर ही निर्भर करता था ।

लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र चतरा से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रत्याशी दीपक कुमार गुप्ता करेंगे नामांकन आज

- जे एल के एम के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो पहुंचेंगे चतरा भरेंगे हुंकार
- नामांकन से पहले झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के द्वारा किया जाएगा रोड शो शामिल होंगे जे एल के एम के कई दिग्गज नेता

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। जिले में चुनावी तापमान का पारा धीरे-धीरे चढ़ने लगा है, 26 अप्रैल से नामांकन का सिलसिला शुरू हो चुका है। इस क्रम में सोमवार 29 अप्रैल को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के लोकप्रिय जन नेता युवाओं के प्रेरणा पुंज प्रत्याशी दीपक कुमार गुप्ता करेंगे 11.00 बजे अपना नामांकन। नामांकन से पूर्व दीपक कुमार गुप्ता ने चतरा लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से निवेदन किया है की विशाल जनसंख्या में छात्र पहुंचकर अपना सहयोग और आशीर्वाद प्रदान कर हमें अनुगृहित करें।

दीपक कुमार गुप्ता नामांकन से पूर्व चतरा कॉलेज चतरा के समीप से अपने समर्थकों के साथ पैदल मार्च निकालकर अपना रोड शो करेंगे। रोड शो के बाद अपने समर्थकों के साथ उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर अपना नामांकन करेंगे। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रत्याशी दीपक कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर जे एल के एम पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो, केंद्रीय प्रधान महासचिव फैजान खान, केंद्रीय नेता दीपक रवानी, सानिया प्रवीण, जे एल के एम के सदस्य सुनील कुमार, कुलदीप कुमार रजक,

मोहम्मद हसन, सफीक अंसारी, श्रवण कुमार, सुरेंद्र साहू, सूरज कुमार सिंह, संजय भोक्ता, सुरेश खरवार, उपेंद्र यादव, सागर सोनी, महिला नेत्री प्रीति पासवान, सुधीर राज, राहुल कुमार, रिंकू कुमार समेत सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रत्याशी ने बताया कि वर्तमान में युवाओं के सामने जो नियोजन नीति को लेकर समस्या है, राज्य सरकार में भ्रष्टाचार का जो बोलबाला है जिसके कारण चतरा में विकास की गाड़ी धीमी गति से चल रही है इन्हीं मुद्दों को लेकर मैं जनता के बीच हूं। जनता के आशीर्वाद का आकांक्षी हूं, आशा है कि जनता का आशीर्वाद मुझे मिलेगा। चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की जनता से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में मेरे नामांकन कार्यक्रम में पहुंचकर इस कार्यक्रम के साक्षी बने।

मध्याह्न भोजन में गड़बड़ी सरकार की विफलता का परिचायक - भाजपा

प्रतिनिधि, जैंत गढ़। उमवि नीम डीह में केंद्रीय किचेन द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले मध्याह्न भोजन योजना में कीचड़ युक्त खिचड़ी परोसे जाने की घटना को भाजपा ने आड़े हाथों लिया है।भाजपा जगन्नाथपुर प्रखंड अध्यक्ष राई भूमिज ने इसे महा गठबंधन सरकार की विफलता बताया है।श्री भूमिज ने कहा जब से झारखंड में महा गठबंधन की सरकार बनी है।सारा सिस्टम बे पटरी हो गया है।हर योजना में भारी लूट मची है।अफसर शाही आम हो गया है।बच्चो के निवाला तक में डाका डाला जा रहा है।मध्याह्न भोजन योजना और आंगन बाड़ी योजना सफेद हाथी साबित हो रहा है।धरातल में केंद्रीय किचेन द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला मध्यहान भोजन हो या स्कूलों में माता समिति द्वारा संचालित मध्याहन भोजन हो हर जगह गुणवत्ता की धज्जियां उड़ाई जा रही है।सरकारी नियम के अनुसार मध्याह्न भोजन योजना का संचालन हर हाल मे माता समिति को करनी है। मध्याह्न भोजन में माता समिति का खाता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और संयोजिका के नाम से है।पर क्षेत्र के 90त्नविद्यालयों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मध्याह्न भोजन का संचालन प्रधान शिक्षको द्वारा हो रहा है। माता समिति की भूमिका मात्र चेक में साइन करने तक रह गई है।आखिर ऐसा क्यों ? विभाग और सरकार इस पर मौन क्यों है। यहीं से घोटाला की बू आती है।80, से 90हजार रु महीने पाने वाले कुछ गुरुजी भी शिक्षा के मंदिर में बच्चो के निवाला पर डाका डालने से बाज नहीं आ रहे है।सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में अंडा को पूरी तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

दर्जनों भाजपा नेता झामुमो में हुए शामिल

प्रतिनिधि, मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू में लोकसभा चुनाव की सरगर्मी तेज होते ही दर्जनों भाजपा के नेता झामुमो में शामिल हुए। झामुमो पलामू के कार्यालय में हुए मिलन समारोह में झामुमो अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में सुनील कुमार और लव कुश कुमार के नेतृत्व में सबों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। इस कार्यक्रम का संचालन झामुमो सचिव सन्नू सिद्धिकी ने किया। झामुमो की लोकप्रियता पलामू में लगातार बढ़ ही रही है साथ ही इससे इंडिया गठबंधन को भी इस चुनाव में मजबूती मिलेगी। साथ ही ये भाजपा के प्रत्याशी के लिए सुखद संकेत नहीं है। झामुमो अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा ÷सुनील कुमार एवं लव कुश कुमार और उनके साथ आए सभी नेताओं का झामुमो परिवार में हार्दिक स्वागत है। आज भाजपा से सभी वर्ग निराश और हताश है, भाजपा की नकारात्मक राजनीति से आम आवाम परेशान है। भाजपा के राज में महंगाई आसमान में पहुंच चुकी है, दवाई, पढ़ाई से लेकर राशन तक सबके बढ़ते दाम से आम जनता त्रस्त है। आज हम सब लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं, पलामू में भी भाजपा के सांसद दस सालों से सत्ता में हैं। उन्होंने वादा कर चुनाव तो जीत लिया था, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया। एक भी विकास का ऐसा कार्य नहीं किया है जिसे वो जनता के बीच बता पाएं। मंडल डैम एवं राजहरा कोलियरी का शिलान्यास भी हो गया लेकिन आज तक एक ईंट भी नहीं जुड़ पाया और न कोलियरी खोला गया ।पलामू में इंडिया गठबंधन की राजद प्रत्याशी श्रीमती ममता भुइयां जी चुनाव लड़ रही है, और इंडिया गठबंधन भारी बहुमत से चुनाव जीत रहा है।÷ झामुमो में शामिल होने पर सुनील कुमार और लव कुश कुमार ने खुशी जताते हुए कहा ÷झारखंड के माटी की पार्टी झामुमो में शामिल होने पर हमें काफी खुशी मिली है, भाजपा में हम सब ठगा हुआ महसूस कर रहे थे। भाजपा के सांसद विधायक दस साल से सत्ता में हैं लेकिन जनता का कार्य करने में विफल हैं। झारखंड की सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है। भाजपा ने झारखंड के नायक श्री हेमंत सोरेन जी के खिलाफ जिस तरह से षड्यंत्र रच कर उन्हें जेल भेजा उससे हम सबों में बहुत निराशा हुई है।÷ साथ में राजकुमार, सोहन कुमार, अरुण कुमार, अभिषेक कुमार, रामप्रवेश,छोटू सुनील कुमार, संजय राम, शुभम कुमार। राहुल कुमार, बलराम राम, सन्नी कुमार ,कुमार शुभम ,सुधाकर राज भी झामुमो में शामिल हुए।

भाजपा के पूर्व विधायक जयप्रकाश भोक्ता ने किया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान अपनाया बगावती तेवर

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने दे दी आजमाइश की खुली चुनौती

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक जयप्रकाश सिंह भोक्ता ने बगावती तेवर अपनाते हुए चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की। श्री भोक्ता ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और परिस्थितियों को देखते हुए लिया निर्णय, लोगों की मांग पर दो मई को करूंगा नामांकन। जयप्रकाश भोक्ता झारखंड विकास मोर्चा के टिकट पर सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चतरा विधानसभा का कर चुके हैं प्रतिनिधित्व। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी

के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के जयप्रकाश सिंह भोक्ता करीबी माने जाते हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता के हैं भाई। कहा बतौर विधायक किये गए कार्यों के आधार पर लोगों से मांगूंगा आशीर्वाद। जयप्रकाश को कांग्रेस जिला महासचिव राजवीर का भी मिला समर्थन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस मामले में दिया बड़ा बयान। कहा बागी जयप्रकाश को करूंगा समझाने का प्रयास। नहीं माने तो कर सकते हैं जोर आजमाइश, जनता सीखा देगी सबक।

विदित हो कि पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार कालीचरण सिंह के नामांकन कार्यक्रम में जयप्रकाश सिंह भोक्ता दूर-दूर दिखे। उसी समय से यह कयास लगाया जा रहा था कि संभवत निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में इस लोकसभा चुनाव में चतरा सीट से जयप्रकाश सिंह भोक्ता नामांकन कर सकते हैं। श्री भोक्ता ने घोषणा की कि 2 मई को अपने समर्थकों के साथ नामांकन करेंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र व गाण्डेय विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

पूसू प्रतिनिधि, गिरिडीह। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने रविवार को गिरिडीह लोकसभा और गाण्डेय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मध्य विद्यालय अहिल्यापुर स्थित मतदान केन्द्र संख्या 292, उत्क्रमित मध्य विघालय पुतरिया, गांडेय स्थित मतदान केन्द्र संख्या 298, उत्क्रमित मध्य विद्यालय जौरासीमर, गाण्डेय स्थित मतदान केन्द्र संख्या 300 एवं पंचायत सचिवालय, जामजोरी स्थित मतदान केन्द्र संख्या 305 का निरीक्षण किया। मतदान केन्द्रों पर कार्यरत बीएलओ से बातचीत कर बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप (बीएजी), अबसेंट, शिफ्टेड एवं मृत (एएसडी) सूची के अद्यतन किए जाने और वालेंटियर के चयन की जानकारी ली। साथ ही मतदान केन्द्र पर उपस्थित मतदान केन्द्र जागरूकता समूह के सदस्यों, वॉलेंटियर, रसोईया से बात कर मतदान के दिन उनके दायित्वों के संबंध में पूछताछ की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने उपस्थित सभी लोगों से कहा कि वे मतदाताओं को नैतिक मतदान के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाताओं की सहायता के लिए वॉलेंटियर सेवाकार्य में लगाये गये हैं। नैतिक मतदान को बढ़ावा देने के लिए मतदान केन्द्र जागरूकता समूह बनाया गया है। उन्होंने सभी को पूरी संवेदनशीलता के साथ सजग रहते हुए अपनी जिम्मेदारी के निर्वहन का निर्देश दिया।उन्होंने मतदान केन्द्र पर मतदान के दिन आकर मतदान करने में अक्षम मतदाताओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी जानकारी ली और घर से मतदान की प्रक्रिया के संबंध में पूछताछ की। इसके अलावा मतदान केन्द्र पर शौचालय, रैंप आदि न्यूनतम सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान गिरीडीह के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रीकांत विसपुते, निर्वाची पदाधिकारी 31 गांडेय गुलाम समदानी, उप निर्वाचन पदाधिकारी रंथू महतो सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बसरिया पंचायत के बगेसरी गांव में सरकारी चापानल में जड़ा ताला

- एक परिवार को पानी पीने से किया जा रहा वंचित
- अमृत काल में तुगलकी फरमान, पीड़िता ने दिया थाना में आवेदन

प्रतिनिधि, चौपारण। चौपारण (हजारीबाग) प्रखंड के बसरिया पंचायत के ग्राम बगेसरी में सरकारी चापानल में गांव के ही कुछ लोगों द्वारा ताला लगा दिया गया है। ताला लगाने मुख्य कारण यह है कि पीड़ित महिला ने दूसरी शादी कर ली है जिसके कारण महिला के घर का कोई भी सदस्य चापानल से पानी नहीं पी सकेंगे।गांव के ही कुछ लोगों ने चापानल में सीकड़ लगाकर ताला मार दिया है। इस मामले को लेकर पीड़िता सविता देवी ने

चौपारण थाने में आवेदन भी दिया है। चौपारण थाना में दिए गए आवेदन में लिखा है कि मोहन भुइयाँ पिता देवकी भुइयाँ,रेशमी देवी पति प्रदीप भुइयाँ,शांति मसोमाईत पति स्व. छोटन भुइयाँ,ललिता देवी पति राजन भुइयाँ,रोहित भुइयाँ पिता लालो भुइयाँ,आदित्य भुइयाँ समेत अन्य लोगों द्वारा मारपीट गाली गलौज किया गया। सविता देवी का आरोप है कि जब तक पीड़िता उपरोक्त लोगों को 25 हजार नहीं देगी तब तक पीड़िता को गांव के किसी भी चापानल से पानी नहीं पिने दिया जाएगा। गंभीर बात यह है कि घर में एक शादी भी हुई जिसको लेकर पीड़ित महिला के परिजन गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन फिर भी उक्त लोग सरकारी चापानल से पानी पीने नहीं दिए। इस भयानक गर्मी में उसके परिवार को पानी पीने नही दिया जा रहा है ।उन लोगों को कोसों दूर से पानी ला कर पीना पड़ रहा है। एक तरफ तो लोग जन सेवा की भावना से पानी पीने के लिए स्टॉल लगा कर कर पानी पिला रहे हैं और पुण्य का काम कर रहे हैं। वहीं इस गांव में पानी पीना तो दूर चापानल में सिकड़ लगा कर पीने के पानी से महरूम कर दिया जा रहा है। उन लोगों को इस संकट की घड़ी में कोई भी मदद को आगे नहीं आ रहा है । ताज्जुब की बात है कि जिस परिवार को पानी लेने से रोका जा रहा है वह चापानल पीड़िता के जमीन में ही है और सरकारी चापानल है। प्रशासन से पीड़िता ने मदद की गुहार लगाई है और लिखित आवेदन भी दिया है। थाना प्रभारी दीपक सिंह ने आवेदन के आलोक में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है वहीं चौपारण

सीओ संजय यादव से जब फोन करके पूछा गया तो बोले कि हमें इसकी कोई जानकारी नही है ,अगर ऐसा है तो उचित कार्रवाई होगी।

पोषण ट्रेकर एप्प से गर्भवती महिलाओं को मातृत्व राशि मामले में 4 साइबर अपराधी गिरफ्तार

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। साइबर अपराधियों के खिलाफ गिरिडीह पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने एक बार फिर चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। बता दें कि गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा को प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से मिली सूचना के आधार पर मुफ्फसिल व अहिल्यापुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगी करने वाले चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में गठित छापेमारी टीम के द्वारा गिरफ्तार किए गए अपराधियों में बेंगाबाद का 32 वर्षीय मुकेश कुमार मंडल, देवघर सारठ के बाराटांड का 25 वर्षीय विष्णु कोल, अहिल्यापुर चामलिटी का 23 वर्षीय विकास कुमार मंडल, देवघर बुढई दारवे का बिरेन्द्र मंडल शामिल है। अपराधियों के पास से 19 मोबाइल, 18 सीम, 01 एटीएम और 01 बाइक जप्त किए गए। मिली जानकारी के अनुसार साइबर अपराधी पोषण ट्रेकर एप्प के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को मातृत्व राशि का लाभ दिलाने के नाम पर फर्जी बैंक अधिकारी बनकर लोगो को फर्जी सीम से लिंक भेजकर पैसे की ठगी करते थे। छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक पुनित कुमार गौतम, सहायक अवर निरीक्षक गजेन्द्र कुमार, आरक्षी दामोदर प्रसाद मेहता, जितेन्द्र नाथ महतो शामिल थे।

लोकसभा आम निर्वाचन व 31गांडेय विधानसभा उपचुनाव के निमित्त तैयारियों की समीक्षा को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, के. रवि कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। लोकसभा आम निर्वाचन व 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव 2024 के निमित्त निर्वाचन को लेकर की गई तैयारियों की समीक्षा को लेकर रविवार को समाहरणालय सभागार कक्ष में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, निर्वाची पदाधिकारी 31गांडेय, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला,सभी कोषांग के वरीय पदाधिकारी/नोडल पदाधिकारी/प्रभारी पदाधिकारी/सहयोगी पदाधिकारी समेत निर्वाचन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, श्री के. रवि कुमार ने लोकसभा आम निर्वाचन व 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव अंतर्गत औचक रूप से भौतिक निरीक्षण किए गए 07 मतदान केंद्रों के अवलोकन के आधार पर मतदान केंद्रों में चुनाव को लेकर की जा रही तैयारियों, मतदाता सूची के अद्यतनीकरण, पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की स्थिति आदि का जायजा लिया गया। इसके अलावा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सभी बूथों का भौतिक निरीक्षण कर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटीज की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी मतदान केंद्रों पर रैंप, पर्याप्त रोशनी, बिजली, साइनेज, प्रवेश व निकास द्वार, पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, हेल्प डेस्क आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही मतदान को लेकर सभी मतदान केंद्र भवनों में आवश्यकता का आकलन कर मरम्मती, खिड़की, दरवाजे को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी बूथों पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतनीकरण हेतु सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर के साथ बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप देने एवं नियमित तौर पर प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। सभी बूथों पर एब्सेंट,शिफ्टेड या डेड वोटरों की बूथवार सूची को अंतिम रूप देने का व्यापक निर्देश दिया गया। इसके तहत सभी बीएलओ घर घर जाकर मतदाताओं के बीच पर्ची का वितरण सुनिश्चित कराएंगे। समीक्षा के क्रम में सभी संबंधित पदाधिकारियों को वोटर अवेयरनेस फोरम, इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब, रेसीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, बूथ स्तरीय अवेयरनेस ग्रुप आदि की नियमित बैठक कराते हुए मतदाता जागरूकता एवं इलेक्टोरल एजुकेशन का व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया गया। साथ ही शहरी क्षेत्रों उदासीनता को लेकर स्वीप एक्टिविटी के तहत व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता का उचित अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। सोशल मीडिया साइट्स पर जिला प्रशासन हमेशा नजर बनाकर रखेंगे। किसी भी प्रकार का कोई भड़काऊ पोस्ट या अनावश्यक टिप्पणी न हो। सभी मतदान केंद्रों को बीएलओ से टैग करने का निर्देश दिया गया। सभी सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को ईवीएम कमीशनिंग संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएं।

सास को हुआ दामाद से प्यार, ससुर ने करवाई शादी, बांका में बेटी की मौत के बाद से था अफेयर

बांका, एजेंसी। बांका में एक सास को अपने ही दामाद से प्यार हो गया। ससुर को जब इस अफेयर का पता चला तो उन्होंने दोनों की शादी करवाने का फैसला किया। सास और दामाद में करीब एक साल से अफेयर चल रहा था। एक साल पहले ही उसकी बेटी की मौत हुई थी। मामला सदर थाना क्षेत्र के छत्रपाल पंचायत का है। जहां हीर मोती गांव निवासी दिलेश्वर दर्वे (ससुर) ने अपनी पत्नी गीता देवी (55) की शादी अपने दामाद सिकंदर यादव (40) से करवाई। इसके बाद दोनों ने कोर्ट में शादी को लेकर शपथ पत्र भी दिया है। दिलेश्वर दर्वे ने बताया कि शुक्रवार को दामाद सिकंदर यादव मेरी पत्नी गीता से मिलने ससुराल आया। इस दौरान दोनों के अफेयर को लेकर मुझे संदेह हुआ, इसलिए मैंने दोनों की शादी करवा दी। बता दें कि गीता देवी की बेटी की शादी सिकंदर यादव से 20 साल पहले हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। सास-दामाद के अफेयर का लोगों को भी पचा चला तो भीड़ जुट गई। इसके बाद जब लोगों ने दामाद से पूछा तो उसने अपनी सास से अफेयर होने की बात बताई। इस पर लोगों ने कहा कि दोनों की शादी करा देनी चाहिए तो शनिवार को पहले गांव में शादी कराई गई। फिर बांका कोर्ट में जाकर दोनों ने कोर्ट मैरिज भी कर ली। दामाद कटोरिया थाना क्षेत्र के धोवनी गांव का निवासी है। वहीं पहला पत्नी से उसको एक लड़का और एक लड़की भी है। कोर्ट में दोनों की शादी कराने वाले वकील संजीव कुमार तिवारी ने बताया कि शनिवार को दोनों सास और दामाद शादी करने के लिए आए थे। शपथ पत्र देकर दोनों ने आपस में शादी को मंजूर किया है। उम्मीद है दोनों लोग अपने आगे के जीवन में खुशी से रहेंगे।

समस्तीपुर में सिपाही के गर्दन पर ब्लेड से हमला, हमलावर गिरफ्तार

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक बदमाश ने सिपाही के गर्दन पर ब्लेड से हमला कर दिया। इस हमले में ऑन ड्यूटी सिपाही अरुण कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। गंभीर हालत में उनको सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, हमले के बाद भाग रहे नाबालिग को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी। जख्मी सिपाही अरुण कुमार ने बताया कि वह प्लेटफार्म नंबर एक पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस आकर रुकी थी। वह सीढी से नीचे की ओर आ रहे थे। तभी पीछे से नाबालिग ने ब्लेड से हमला कर दिया। जख्मी होने के बावजूद सिपाही ने मौके पर मौजूद लोगों की मदद से आरोपी को बंगाली टोला रोड से पकड़ लिया। वहीं, जख्मी सिपाही को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी राजेश कुमार ने बताया कि अरुण कुमार ने डंडे से मारकर मेरा हाथ तोड़ दिया। इसके बाद मैंने उन पर ब्लेड से हमला कर दिया। हमला कंधे पर किया था, लेकिन वो झुक गए और इस कारण ब्लेड उनके गर्दन पर जा लगी। समस्तीपुर रेल थाना अध्यक्ष बीपी आलोक ने बताया कि सिपाही अरुण कुमार पर हमला करने के बाद भाग रहे युवक को पकड़ लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

मिठाई दुकान पर फायरिंग मामले में प्राथमिकी दर्ज, सीसीटीवी से बदमाश चिह्नित

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत आरा-सासाराम मुख्यमार्ग स्थित गड़हनी बाजार स्थित गोकुल मिष्ठान में बदमाशों ने फायरिंग की थी। बदमाश मिठाई खाने आए थे। दुकानदार ने पैसे मांगे तो विवाद बढ़ गया। पीड़ित दुकानदार अनीश कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। जिसमें विकास यादव नामजद है। इसके अलावा एक अज्ञात को थानाध्यक्ष रणवीर कुमार ने बताया कि गड़हनी के बड़ौरा निवासी विकास यादव का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। रंगदारी और आर्म्स एक्ट में दागी रहा है। उसके दूसरे साथी को भी चिह्नित कर लिया गया है। वहचरपोखरी क्षेत्र का है। गिरफ्तारी को छापेमारी चल रही है। अपराधी का चेहरा सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हुआ है। मालूम हो कि शुक्रवार की शाम 6 बजे दो की संख्या में बदमाश आए। दुकानदार से पहले मिठाई व समौसा की मांग की थी। जब दुकानदार अनीश कुमार ने टोकन व पैसा की मांग की तो अपराधी आग बबूला हो गए थे और फायरिंग कर दी थी। दुकानदार ने भागकर जान बचाई थी। थाना प्रभारी रणवीर कुमार ने बताया कि अपराधियों को सीसीटीवी फुटेज से चिह्नित कर लिया गया है।

यात्रियों से भरी सिटी राईड बस पलटी, एक महिला यात्री और खलासी की मौत

- संघरी घाटी में हुआ दर्दनाक हादसा, परीक्षा देकर लौट रही दस छात्राएं घायल
- ब्रेक फेल होने से हुई अनियंत्रित बस, चतरा-डोभी मुख्यमार्ग पर हुआ हादसा, एक रेफर

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। जिले में आज एक दर्दनाक हादसा हुआ। इस हादसे में एक सिटी राइड बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवती समेत दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा यात्रियों को लेकर चतरा से कुंदा जा रही सुमन रथ नामक सिटी राइड बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से घटी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस का ब्रेक फेल हों जाने के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और देखते ही देखते बस सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना में हुए घायलों में चतरा कॉलेज की दस छात्राएं भी शामिल हैं। जो शहर के पुलिस लाईन ईलाके में संचालित आरडीएस इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र से ग्रेजुएशन सेमेस्टर वन की परीक्षा देकर वापस घर लौट रही थी। घायलों को सदर थाना प्रभारी विपिन यादव और झामुमो जिला अध्यक्ष पंकज कुमार प्रजापति ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर एंबुलेंस और पुलिस वाहन से ईलाज के लिए रेस्क्यू कर सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल दस छात्राओं का ईलाज किया जा रहा है। वहीं गंभीर रूप से जख्मी एक महिला यात्री ललिता देवी को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए चिकित्सकों ने रिम्स रांची रेफर कर दिया है। मृतकों की पहचान कुंदा थाना क्षेत्र के खुशयाली गांव निवासी रेखा कुमारी और हंटरगंज थाना क्षेत्र के नागर गांव निवासी बस के उपचालक परशुराम सिंह के रूप में हुई है। इधर घटना की सूचना पाकर डीसी रमेश घोलप और भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी कालीचरण सिंह सदर अस्पताल पहुंचे। और घटना की पूरी जानकारी चिकित्सकों से लिया। साथ ही साथ घायलों से उनका हाल-चाल भी जाना। मौके पर डीसी ने सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद, उपाधीक्षक डॉ मनीष लाल और ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉ. अजहर को घायलों का समुचित उपचार करने का निर्देश दिया। साथ ही मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कर अविलंब परिजनों को सौपने का निर्देश दिया है। मौके पर एसडीपीओ संदीप सुमन समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। सदर अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार यात्री बस के दुर्घटना होने में घायल यात्रियों में सिमरन कुमारी, बेबी कुमारी, श्रुति कुमारी, अनिशा कुमारी, पूनम कुमारी, प्रियंका कुमारी, सुषमा कुमारी, निशु कुमारी, और सोनी कुमारी के अलावा ललिता देवी समेत 16 लोग शामिल है। घायल यह सभी चतरा कॉलेज की छात्राएं हैं। जो आरडीएस इंटर कॉलेज में आयोजित बीए सेमेस्टर वन की परीक्षा में शामिल होकर परिजनों संग वापस अपने घर लौट रही थी। सभी का इलाज सदर अस्पताल में वरीय चिकित्सकों के विशेष निगरानी में की जा रही है। वही जिला प्रशासन की ओर से उनके परिजनों को भी घटना की जानकारी दी जा रही है। सदर अस्पताल में घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है।

घर में मिले नोट गिनने की 4 मशीनें, गृह स्वामी फरार

File foto

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। झारखंड एटीएस टीम द्वारा फेक करेंसी मामले को लेकर गिरिडीह के बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत छापेमारी की गई। एटीएस की टीम ने बेंगाबाद थाना क्षेत्र में चपुआडीह पंचायत के मुंडहरी गांव निवासी मो जफरुल अंसारी के घर में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने जफरुल अंसारी के घर से नोट गिनने की चार मशीनें जब्त की। हालांकि टीम के पहुंचने के पूर्व ही जफरुल घर से भागने में सफल रहा।

बताया जाता है कि झारखंड एटीएस को यह सूचना मिली थी कि गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मुंडहरी गांव से नकली नोट का धंधा जोर शोर से चल रहा है। इस सूचना पर एटीएस की टीम रविवार को गिरिडीह पहुंची और गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा से बात की। एटीएस की टीम ने गिरिडीह पुलिस के सहयोग से जफरुल अंसारी के घर में बीती देर रात छापेमारी की। छापेमारी में जफरुल के घर से नोट गिनने की मशीन बरामद की गयी। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही अंधेरे का लाभ उठाकर जफरुल फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है।

छापेमारी के दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस दौरान कई अन्य संदिग्ध सामानों को भी जप्त कर टीम साथ ले गई है। बताया जा रहा है कि जफरुल का संबंध पश्चिम बंगाल से भी है। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में उसके साथी हैं। यहीं से यह नोट डबल करने के कारोबार से जुड़ा और लोगों को झांसे देकर नोट डबल करने लगा।

इधर मुंडहरी जैसे ग्रामीण इलाके में एक साधारण परिवार के घर से नोट गिनने वाली मशीन बरामद होने जहां एक ओर इलाके में चल रही अवैध गतिविधियों का पर्दाफाश हुआ है। वहीं दूसरी ओर स्थानीय ग्रामीण काफी अचंभित हैं।

चतरा संसदीय क्षेत्र से प्रसिद्ध चिकित्सक, समाजसेवी और मोटीवेटर डॉक्टर अभिषेक कुमार सिंह ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन कराया

चतरा संसदीय क्षेत्र का संपूर्ण एवं समग्र विकास है मेरा उद्देश्य- डॉ. अभिषेक कुमार सिंह

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। प्रख्यात चिकित्सक सह समाजसेवी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चतरा लोकसभा से नामांकन कराया। श्री सिंह शुक्रवार को निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। डॉ. अभिषेक कुमार सिंह अपने समर्थकों के साथ समाहरणालय पहुंचे और अपना नामांकन कराया। इसके पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने खुली जीप में सवार होकर चतरा शहर का परिभ्रमण किया और सभी दुकानदारों और आम मतदाताओं से चुनाव में सहयोग करने की अपील की। साथ ही उन्होंने नामांकन के समय उपस्थित लोगों के प्रति अपना आभार भी व्यक्त किया। नामांकन के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए अपनी बातें रखीं। निर्दलीय प्रत्याशी डॉक्टर अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि आप ऐसा नेता चुने जो संसद भवन में आपकी बात और समस्या को बेवाकी से रख सके और आपके लिए लड़े। किसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करना एक तपस्या है और वे पिछले तीन वर्षों से चतरा लोकसभा में घूम-घूम कर लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए और यहां के जनमानस की भावना का ख्याल रखते हुए इस क्षेत्र को अपना कर्मभूमि बनाया और चतरा लोकसभा संसदीय सीट के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन कराया। उन्होंने कहा कि मतदान और लीडरशिप की बात आती है तो लोग पीछे हट जाते हैं।

समाज और लोकतंत्र की मजबूती के लिए पढ़े-लिखे लोगों का राजनीति में आना जरूरी है। वे जन्म और कर्म से स्थानीय हैं। पिछले तीन वर्षों में उन्होंने 325 मेगा हेल्थ कैंप, कई सेमिनार, यूथ मोटिवेशन शिविर व कई दिनों की पदयात्रा कर इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि चतरा की आवाज को वे दिल्ली तक ले जाने के लिए चुनावी मैदान में उतरे हैं। उन्होंने कहा कि वे किसी भी राजनीतिक दल के कार्यालय या उनका दरवाजा नहीं खटखटाया। वे किसी से सीट की भीख नहीं मांगे। वे शुरू से निर्दलीय प्रत्याशी थे और निर्दलीय ही चुनाव लड़ने की बात अपने हर मोटिवेशन में करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि सब के साथ मिलकर एक सुंदर और सशक्त चतरा और झारखंड बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब झारखंडी और भारतीय हैं। हम सभी का दायित्व बनता है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाएं और इसमें सभी की समान भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि वे ऑल इंडिया मेडिकल में 25वां रैंक लाए थे और डॉक्टर होकर भी आम लोगों की सेवा में हुए जुटे हुए हैं। क्षेत्र के विकास की परिकल्पना और मजबूती के लिए जब तक समाज के प्रबुद्ध लोग आगे नहीं आएंगे तब तक क्षेत्र के विकास का सपना अधूरा रहेगा। यहां की जनता 1952 से आज तक सिर्फ ठगी गई है। लोगों को विकास के सपने दिखाए गए मगर यह सपना सपना बनकर ही रह गए और चतरा संसदीय क्षेत्र विकास के मामले में हासिये पर रहा। दलाल किस्म के लोग बराबर ठगने का काम करेंगे। इस मौके पर चतरा, लातेहार और पलामू के बड़ी संख्या में डॉ अभिषेक कुमार सिंह के समर्थक उपस्थित थे।

अग्रसेन भवन के श्री श्याम मंदिर में फागुन सतरंगी महोत्सव आयोजित

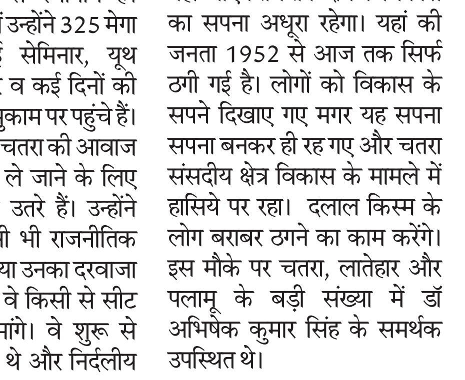

वरीय संवाददाता ,रांची। श्री श्याम मंडल, रांची द्वारा सम्पन्न हुए तीन दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन सतरंगी महोत्सव के उपलक्ष में रविवार (28 अप्रैल) को मन्दिर के सभागार में समीक्षा सभा आयोजित की गई। सर्व प्रथम मंडल के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बागला ने सभी सदस्यों का स्वागत किया , तथा मण्डल के कोषाध्यक्ष ने श्री श्याम फाल्गुन सतरंगी मोहत्सव का आय - व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया। मंडल के सदस्यों ने मंडल की भावी प्रगति के लिए अपने सुझाव रखे , तथा मंडल के मंत्री धीरज बंका ने मंडल द्वारा किए जा रहे धार्मिक व सामाजिक कार्यों का विवरण सभा को बताया। धन्यवाद ज्ञापन मंडल के उपाध्यक्ष मनोज सिंघानिया ने दिया। सभा में गोपी किशन ढांढनीयां, रमेश धरणीधरका , राज कुमार जालान , गौरव पसुरामपुरिया , अरुण धनुका , राजेश सारस्वत , अजय साबू , नितेश केजरीवाल , विकाश पाडिया, ज्ञान प्रकाश बागला , अमित जालान व अन्य उपस्थित थे।

नेतरहाट में झारखंड चैंबर के कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित

वरीय संवाददाता

रांची/नेतरहाट। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यकारिणी समिति की बैठक नेतरहाट में संपन्न हुई। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में रांची से 30 सदस्यों के अलावा गुमला, बंशीधर नगरउंटारी, गढ़वा, रामगढ़, गोड्डा जिले के चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी शामिल हुए।

संथाल परगना क्षेत्र में उद्योगों के लिए भूमि की कमी से हो रही समस्या तथा साहेबगंज में खासमहल की समस्या पर बैठक में वार्ता हुई। राज्य के विभिन्न जिलों में लगातार लोड शेडिंग की बनी हुई समस्या के साथ ही उद्योगों को बैंको से ऋण लेने में होनेवाली कठिनाईयों से भी सदस्यों ने अवगत कराया। राज्यस्तर पर चैंबर की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने सभी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष से अपने प्रमंडलों में नियमित रूप से गतिविधियों का आयोजन करने की बात कही। साथ ही सदस्यता संख्या में वृद्धि के लिए कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान यह भी संज्ञान में लाया गया कि चुनाव ड्यूटी के कार्यों में संलग्नता के कारण गुमला में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखाएं प्रायः दोपहर में बंद कर दी जाती हैं, जिस कारण व्यापारियों को कठिनाई हो रही है। यदि चुनाव ड्यूटी है तब बैंक द्वारा एक-दो जिम्मेवार कर्मचारियों की बैंक में उपलब्धता रखनी चाहिए ताकि व्यापारियों का लेन-देन कार्य प्रभावित न हो। यह भी बताया गया कि यह समस्या छोटे-छोटे जिलों में अधिक है। व्यापारियों की वास्तविक समस्या को देखते हुए चैंबर अध्यक्ष ने इस मामले में डीजीएम से वार्ता के लिए आश्वस्त किया। रामगढ के गोला में औद्योगिक क्षेत्र की मांग पर भी उन्होंने जियाडा से वार्ता की बात कही।

सह सचिव शैलेष अग्रवाल ने चैंबर की गतिविधियों से अवगत कराते हुए राज्य के प्रत्येक जिलों में सदस्यता संख्या के विस्तार के प्रयासों में गति लाने के लिए जरूरी प्रयास के लिए मेंबर्स एक्सटेंशन कमिटी और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष से करवाई का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने फेडरेशन की गतिविधियों में जिलों के व्यापारियों से सहभागी बनने की अपील की। गुमला शहर के होते विस्तार को देखते हुए व्यापारियों ने शहर में आगजनी जैसी अप्रिय घटना से निपटने के लिए शहर में अग्निशामक वाहनों की संख्या बढाने की आवश्यकता बताते हुए सिक्कों की कमी से हो रही परेशानी से भी अवगत कराया, जिसपर सह सचिव शैलेष अग्रवाल ने कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया।

न्यूनतम मजदूरी दर में की गई अव्यवहारिक बढोत्तरी के विभागीय निर्णय पर सकारात्मक कार्रवाई के लिए जिले के व्यापारियों ने झारखण्ड चैंबर के प्रयासों की सराहना की। चैंबर अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि विभाग द्वारा गठित कमिटी के माध्यम से झारखंड चैंबर द्वारा प्रदेश में न्यूनतम मजदूरी दर को व्यवहारिक बनाने का हरसंभव प्रयास सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने जिले के व्यापारियों से भी अपने सुझाव चैंबर को प्रेषित करने का आग्रह किया। नेतरहाट में चैंबर के कार्यकारिणी समिति की बैठक को आयोजित कराने में चैंबर के कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया और रोहित पोद्दार ने मुख्य भूमिका निभाई। इस बैठक में व्यापारियों की बडी संख्या में उपस्थिति के लिए उन्होंने संयुक्त रूप से सदस्यों का आभार जताया। यह भी आश्वस्त किया कि चैंबर द्वारा लगातार राज्य के अन्य जिलों में बैठकों का आयोजन किया जायेगा। बैठकों में प्राप्त होनेवाली समस्याओं पर चैंबर द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। रांची से बाहर के जिलों में चैंबर के कार्यसमिति की बैठक के आयोजन को उपयुक्त बताते हुए पूर्व अध्यक्ष मनोज नरेडी ने कहा कि चैंबर को ऐसे प्रयास निरंतर करते रहने चाहिए। इससे व्यापारियों का मनोबल बढ़ता है। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने सभी व्यापारियों व उद्यमियों से चुनावी महापर्व में बढ चढकर मतदान करने की अपील की। यह कहा कि व्यापारी लोकतंत्र के पर्व को त्यौहार की तरह मनायें।

बैठक में चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव शैलेष अग्रवाल, अमित शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित महेश्वरी, अमित साहू, प्रीतम गाडिया, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, सुनिल केडिया, प्रवीण लोहिया, नवीन गाडोदिया, संजय अखौरी, विमल फोगला, सुनिल सरावगी, साहित्य पवन, डॉ अभिषेक रामाधीन, पूर्व अध्यक्ष मनोज नरेडी, उप समिति चेयरमेन शशांक भारद्वाज, अनिश बुधिया, विकास झाझरिया, मनोज मिश्रा, संतोष अग्रवाल, राजीव चौधरी, मुकेश पांडेय, रमेश साहू, नवीन जैन, राजीव थेपडा, कुणाल विजयवर्गीय, सुनिल पोद्दार, अजय मंत्री, प्रदीप मंत्री, कन्हैयालाल गुप्ता, हृदयानन्द कमलापुरी, थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष विक्रम खेतावत, गुमला चैंबर के अध्यक्ष दामोदर कसेरा, बंशीधर चैंबर के अध्यक्ष शंभूनाथ सौदागर के अलावा अन्य कई व्यापारी उपस्थित थे। बैठक को सफल रूप से व्यवस्थित बनाने में चैम्बर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित माहेश्वरी और सदस्य अनीश बुधिया का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

युवक को लटकाकर कार दौड़ाने, बाइक फूंकने वाला यू-ट्यूबर गिरफ्तार, आईटी एक्ट के तहत दर्ज हुआ था केस

प्रयागराज , एजेंसी। हंडिया में रील बनाने के लिए जानलेवा स्टंट करना यू-ट्यूबर सुमित कुमार दुबे को महंगा पड़ा। बाइक में आग लगाने व युवक को दरवाजे से लटकाकर कार दौड़ाते हुए रील बनाने पर एक दिन पहले दर्ज मुकदमे में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, बाद में उसे मुचलके पर छोड़ दिया गया। वहीं, घटना में प्रयुक्त की गई उसकी महिंद्रा एसयूवी कार भी सीज कर दी गई।
इस मामले में तब हड़कंप मचा था, जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह रील वायरल हुई। पुलिस ने शुक्रवार को सुमित पुत्र दिनेश दुबे निवासी बढ़ौली दुमदुमा, सैदाबाद थाना हंडिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी और शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही उसकी महिंद्रा कार भी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सीज कर दी गई। एसीपी हंडिया पंकज लवानिया ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जमानती धाराएं होने के कारण उसका शांतिभंग में चालान किया गया है। मामले में पुलिस खुद वादी बनी है। हंडिया थाने के कांस्टेबल शिवम यादव की तहरीर पर रील बनाने वाले सुमित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। यू-ट्यूबर सुमित दुबे का नाम पिछले साल दुष्कर्म, मारपीट व धमकी देने के मामले में भी सामने आया था। उसके साथ रील बनाने वाली अल्लापुर निवासी बीएड की छात्रा ने ही आरोप लगाया था कि उसे वाराणसी में एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया गया। इससे पहले कार में पिस्टल सटाकर धमकाया गया। छात्रा की तहरीर पर जार्जटाउन थाने में केस दर्ज हुआ। हालांकि, बाद में पीड़िता बयान से मुकर गई, जिस पर मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई थी।

बरात से लौट रही कार में ट्रक ने मारी टक्कर, दो बच्चियों समेत दस घायल

अलीगढ़ , एजेंसी। 27 अप्रैल की रात करीब साढ़े आठ बजे अलीगढ़-गाज़ियाबाद एक्सप्रेस वे के पचपेड़ा कट पर बरात से लौट रही कार में पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे कार सवार दस लोग घायल हो गए। इनमें दो बालिकाओं की हालत गंभीर है, जिन्हें देर रात जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों को अलीगढ़ शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर टक्कर मारने वाले ट्रक को भगा देने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने रात नौ बजे एक्सप्रेस वे पर जाम लगा दिया था। रात 12 बजे तक मौके पर जाम लगा था। ग्रामीण टक्कर मारने वाले ट्रक को पकड़ने और ट्रक को भगाने वाले पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। भांकरी के पास एक फार्म हाउस में शादी समारोह में शामिल होने के बाद कार में कपिल, अजय,भरत सिंह, खुशी, आस्था, सोम, रित, तनु, रितु, शौर्य समेत दस लोग वापस अपने गांव खेड़िया हैवत खां लौट रहे थे। शादी समारोह से करीब दो किलोमीटर दूर ही एक्सप्रेस वे से गांव के रास्ते पर कार मुड़ी तभी पीछे से आए ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। इससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बराती गंभीर रूप से घायल होकर चीख-पुकार मचाने लगे। शोर सुनकर आसपास के लोग भागकर पहुंचे। वहीं खबर पाते ही शादी समारोह सहित गांव खेड़िया हैवत खां से भी ग्रामीण पहुंच गए थे। इन लोगों का आरोप है कि पास में पुलिस की एक गाड़ी खड़ी थी। पुलिस कर्मियों ने लेन-देन कर टक्कर मारने वाले ट्रक चालक को भगा दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल करीब 12 वर्षीय आस्था और खुशी को जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जबकि अन्य घायलों का अलीगढ़ शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। जाम की खबर मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए थे। देर रात तक वह ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाने की कोशिश में लगे रहे। रात 12 बजे कार्रवाई के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम खोला।

प्रदेश में इस सप्ताह लू का अलर्ट, पांच डिग्री तक बढ़ेगा रात का तापमान, लखनऊ से आया हीट वेव का पहला केस

लखनऊ , एजेंसी। देश का अधिकांश हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है। यूपी में लू चल रही है। लखनऊ में हीट वेव की चपेट में आने का पहला मामला सामने आया है। शनिवार को हीटवेव की शिकार बसंतकुंज निवासी वैष्णवी गौतम को बुखार व उल्टी-दस्त की शिकायत ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में दो से पांच दिन लू चलने की चेतावनी जारी की है। पश्चिम बंगाल व ओडिशा में लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया है। उधर, पंजाब में शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई।

मौसम विभाग ने गर्भवती महिलाओं व बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को मौसम का सबसे गर्म दिन (40 डिग्री सेल्सियस) रहा। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले दो दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों

में रात के अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की बढोतरी की संभावना है। इसे उष्ण रात्रि या वॉर्म नाइट कहते हैं।

देश का अधिकांश हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है और लोग बेहाल हैं। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया है, वहीं उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में अगले दो से पांच दिन लू चलने का अनुमान व्यक्त किया है। उधर पंजाब-हरियाणा समेत कुछ राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, गोंडा, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर और आस पास के क्षेत्रों में उष्ण रात्रि रहने की चेतावनी जारी की है। इन इलाकों में रात के अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की बढोतरी की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि यूपी और बिहार के अलावा, झारखंड, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, गोवा, केरल और आंतरिक कर्नाटक में 30 अप्रैल तक लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस दौरान खासकर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। उधर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को मौसम का सबसे गर्म दिन रहा। यहां तापमान पहली बार 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आसमान में हल्के बादलों की मौजूदगी से शनिवार को तापमान में हल्की गिरावट तो रही मगर अगले दो दिनों तक गर्म हवा और लू के थपेड़े चलेंगे और प्रदेश के कई इलाकों में रात के अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की बढोतरी की संभावना है। इसे उष्ण रात्रि या वॉर्म नाइट कहते हैं।

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, गोंडा, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर और आस पास के क्षेत्रों में उष्ण रात्रि रहने की चेतावनी जारी की है। इन इलाकों में रात के अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की बढोतरी की संभावना है।

अफसर की पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर 1.48 करोड़ की ठगी, खुद को बताया डीसीपी क्राइम

प्रयागराज , एजेंसी। जार्जटाउन में अफसर की पत्नी काकोली दासगुप्ता (68) को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगों ने 1.48 करोड़ की ठगी की। ड्रग्स तस्करी का आरोप लगाकर डराया-धमकाया और तीन दिनों तक डिजिटल अरेस्ट किए रखा। इसके बाद आरटीजीएस व अन्य माध्यमों से रकम ट्रांसफर करा ली। साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक खाते में भेजे गए 40 लाख रुपये होल्ड करा दिए हैं।

भुक्तभोगी महिला आरएन बनर्जी रोड, जार्जटाउन स्थित घर में अकेली ही रहती हैं। उनके पति केंद्र में अफसर रहे हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि साइबर अपराध के जरिए उनसे कुल 1.48 करोड़ रुपये वसूले गए हैं। बताया कि एक दिन एक व्यक्ति ने उनसे फोन पर संपर्क किया। खुद को फेडेक्स इंटरनेशनल कूरियर कंपनी का कर्मचारी अब्बी कुमार बताया। कहा कि आपके नाम से एक पार्सल ताइवान भेजा गया है। इसमें 200 ग्राम ड्रग्स, पांच लैपटॉप, तीन क्रेडिट कार्ड आदि सामान शामिल हैं। उन्होंने ऐसा कोई पार्सल को भेजने की बात से इन्कार किया तो कहा कि आपको शिकायत दर्ज करानी होगी। इसके बाद उनकी कॉल साइबर क्राइम, मुख्य शाखा मुंबई में ट्रांसफर कर दी। इसके बाद एक व्यक्ति से संपर्क हुआ जिसने कुछ ही देर बाद उन्हें वीडियो कॉल पर ले लिया। वह पुलिस यूनिफॉर्म में नजर आया जिसने खुद को डीसीपी क्राइम ब्रांच बताया। साथ ही कहा कि इस मामले की जांच के लिए उनके सारे बैंक खातों की जांच करनी होगी।

इसके बाद वह पहले बात करता रहा और फिर डरा-धमका कर अलग-अलग खातों में रकम भेजने के लिए बाध्य करने लगा। महिला का आरोप है कि इस बीच तीन दिन तक उसने घर पर नजरबंद रखा और डराता धमकाता रहा। पहली कॉल 22 अप्रैल को आई जिसमें उनसे दो बार में 23.30 लाख और 48 लाख रुपये जमा कराए गए। 23 को फिर कॉल आई जिसमें दो बार में क्रमशः 30 व 32 लाख रुपये खाते में भेजने को कहा गया। 24 अप्रैल को तीसरी कॉल आई जिसमें 15 लाख रुपये का ट्रांजक्शन कराया गया। रुपये एसबीआई व यस बैंक के दो खातों में ट्रांसफर कराए गए। शनिवार को विदेश में वैज्ञानिक के पद पर तैनात भतीजे के साथ भुक्तभोगी महिला कमिश्नरेट पुलिस के अफसरों के पास पहुंचीं और कार्रवाई की गुहार लगाई। फिलहाल इस मामले में साइबर थाने में कूरियर कंपनी कर्मचारी के खिलाफ रंगदारी मांगने, आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। साइबर थाना पुलिस ने एक खाते में ट्रांसफर कराए गए 40 लाख रुपये होल्ड भी कराए हैं। साथ ही टीम जांच पड़ताल में जुटी है।

क्या है डिजिटल अरेस्ट

यह साइबर अपराध का नया तरीका है। इसमें साइबर ठग लोगों को झूठे इल्जाम लगाकर ब्लैकमेल करते हैं। जब आप उनकी बातों में फंस जाते हैं तो वह पुलिस के बड़े अधिकारी से बात कराने का झांसा देकर अपने ही गिरोह के किसी अफसर से वीडियो कॉल पर बात कराते हैं। इसके बाद शिकार बनाए गए व्यक्ति को इतना डरा धमका दिया जाता है कि वह घबरा जाए। साथ ही फंसने का डर दिखाकर किसी से संपर्क करने, कॉल करने या घर से बाहर निकलने से भी मना कर दिया जाता है। वह बताता है कि आपका आधार, सिम कार्ड, बैंक अकाउंट किसी गैरकानूनी काम के लिए इस्तेमाल हुआ है। साथ ही अगर उसकी बात नहीं मानी तो आप कानूनी कार्रवाई की जद में आ सकते हैं। इसके बाद वह रुपयों की मांग करता है।

सरकारी नौकरी है भाई: निरीक्षण में 21 कर्मचारी मिले गैरहाजिर, इसमें अधिकांश शिक्षक, रामपुर में हकीकत हुई उजागर

रामपुर, एजेंसी। सीडीओ के निर्देश पर गठित टीम ने शनिवार को परिषदीय विद्यालय में परिवर्तित हुए समय के मद्देनजर 41 विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। जिसमें 21 शिक्षक-शिक्षिकाएं व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गैरहाजिर मिले। इसकी रिपोर्ट सीडीओ को भेज दी गई है।

शनिवार को खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार सुबह करीब सवा आठ बजे ग्राम सिसौना के कंपोजिट विद्यालय पहुंचे। बीडीओ के अनुसार यहां शिक्षिका शमीम खातून गैरहाजिर थीं। प्राथमिक विद्यालय बलखेड़ा में शिक्षक अंकित कुमार, प्राथमिक विद्यालय सिरसखेड़ा में शिक्षका प्राची, ममता गौतम गैरहाजिर मिलीं। सहायक विकास अधिकारी आईएसबी अमरीश कुमार ने ग्राम पैगंबरपुर आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कलावती, कंपोजिट विद्यालय मुबारकपुर में शिक्षक

रवींद्र कुमार, कंपोजिट विद्यालय देवीपुरा में शिक्षक जगन्नाथ कुमार गैरहाजिर मिले। सहायक विकास अधिकारी लघु सिंचाई जितेंद्र सैनी को बेरखेड़ा प्राथमिक विद्यालय में गीता गुप्ता, सतनाम कौर, कंपोजिट विद्यालय सिकरौरा में रीता गौतम, कंपोजिट विद्यालय बेरखेड़ी सिकरौरा में तेज सिंह, प्राथमिक विद्यालय पसियापुर मनुनगर में शालिनी, आंगनबाड़ी केंद्र चकफेरी मनुनगर में कार्यकर्ता गायब मिलीं। एडीओ पंचायत सलीम हुसैन ने प्राथमिक विद्यालय कुइया, आंगनबाड़ी केंद्र कुइया, कंपोजिट विद्यालय कोठा जागीर के विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया, जहां सभी शिक्षक व कार्यकर्ता उपस्थित पाए गए। सहायक विकास अधिकारी सहकारिता विकास कुमार को धावनी हसनपुर आंगनबाड़ी केंद्र में अंजुम बेबी, गुलशन जहां, कमला रानी गैरहाजिर मिलीं। बहांपुर गंगापुर में काजल सक्सेना, जुल्फिकार, उच्च प्राथमिक विद्यालय बहांपुर गंगापुर में सुरेश सक्सेना, बहापुर गंगापुर के आंगनबाड़ी केंद्र में सूरजमुखी गैरहाजिर मिलीं। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि सभी 41 विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों की निरीक्षण रिपोर्ट सीडीओ को भेज दी गई है।

वोट डालते हुए बनाया वीडियो, किया वायरल, पति-पत्नी पर मुकदमा दर्ज

अलीगढ़, एजेंसी। मतदान के समय ईवीएम सहित फोटो-वीडियो खींचने की निर्वाचन आयोग की मनाही के बावजूद लोग नहीं मान रहे। अलीगढ़ शहर में भी इस तरह के फोटो खींचने व वीडियो बनाने की घटनाएं हुई हैं। इसे लेकर महानगर के बन्नादेवी इलाके में वीडियो वायरल करने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं इस मामले में निर्दल प्रत्याशी भ्रष्टाचार विरोधी सेना के पंडित केशव देव ने चुनाव रद्द करने की मांग उठाई है। इस संबंध में एडीएम सिटी को ज्ञापन भी दिया है। इस संबंध में बन्नादेवी थाने के दरोगा की ओर से योगेश गौतम व उसकी पत्नी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मुकदमे के अनुसार उन्होंने सारसौल स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल के केंद्र में जाकर ईवीएम पर वोट डाला और उसकी वीडियो बनाई। इसके बाद उस वीडियो को अपनी फेसबुक आइडी पर डालकर वायरल कर दिया। राजवीर सिंह की ओर से योगेश गौतम व उनकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। इसमें आरोप है कि दोनों ने मतदान प्रक्रिया की गोपनीयता को भंग की है। यह मतदान पर सम्यक रूप से असर डालने के साथ मतदाताओं को प्रभावित कर रहा है और अपराध की श्रेणी में है। यह आचार संहिता के उल्लंघन भी है। इंस्पेक्टर पंकज कुमार मिश्रा ने मुकदमा दर्ज करने की पुष्टि की है। इधर, इस संबंध में निर्दल प्रत्याशी केशव देव ने एडीएम सिटी को ज्ञापन देकर चुनाव रद्द कराने की मांग की है। मतदान के समय का फोटो वीडियो वायरल करने की ये इकलौती घटना नहीं है। जिले में इस तरह की और भी घटनाएं हुई हैं।

वैशाख में आसमान से बरस रही आग, बीमार बना रही गर्म हवा; गर्मी में बच्चों की सेहत का रखें ध्यान

बरेली , एजेंसी। वैशाख में बढ़ता तापमान और गर्म हवा के थपेड़े बच्चों को बीमार बना रहे हैं। वयस्क भी डिहाइड्रेशन की चपेट में आ रहे हैं। अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की कतार लग रही है। बरेली में शनिवार को अधिकतम पारा 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने फिलहाल गर्म हवा का सितम जारी रहने का अनुमान जताया है।

सप्ताहभर में पारा तेजी से बढ़ा है। 41 डिग्री के आंकड़े को छूकर फिलहाल शनिवार को यह 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जिला अस्पताल की ओपीडी में इसका सीधा असर दिख रहा है। डायरिया व डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। शनिवार दोपहर 12 बजे तक पंजीकरण खिड़की से लेकर ओपीडी, दवा वितरण काउंटर

तक आपाधापी रही। तेज बुखार, उल्टी, दस्त के चपेट में आए 118 बच्चों को दिखाने के लिए अभिभावक पहुंचे थे। इनमें से छह बच्चे भर्ती किए गए। वार्ड में पहले से ही 12 बच्चों का उपचार चल रहा है। भीषण गर्मी की वजह से तीन सौ बेड अस्पताल में नेत्र व त्वचा रोगियों की संख्या भी बढ़ रही है। शनिवार को 227 मरीजों को देखा गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय के मुताबिक गर्मियों में तेज धूप और धूल भरी हवा के चलते आंखों में लाली, दर्द, सूजन की समस्या बढ़ती है। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल के मुताबिक अब खुजली के मरीज बढ़े हैं। इसकी वजह स्वच्छता का अभाव, पसीने से भीगे कपड़े पहने रहना है। अस्पतालों में सबसे ज्यादा मरीज पेट संबंधी रोग और डिहाइड्रेशन के आए। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. सतीश चंद्रा के मुताबिक गर्मी में बच्चों और बुजुर्गों को बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने और गर्मी से पाचन क्रिया प्रभावित होने से हालत ज्यादा खराब हो रही है।

बीते सप्ताह तापमान के उतार-चढ़ाव पर गौर करें अधिकतम पारा 37 से 41 डिग्री तक जा पहुंचा। शनिवार को भी यह 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है। 20 अप्रैल की रात पारा 25 डिग्री पहुंचा था, जो बीच में चार डिग्री लुढ़का। अब फिर यह 24.6 डिग्री पहुंच गया है।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह को हाईकोर्ट से राहत, पर नहीं लड़ सकेंगे चुनाव, सजा के निलंबन के लिए जा सकते हैं सुको

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल का अपहरण कराने, रंगदारी मांगने, गालियां और धमकी देने के आरोपी जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत मंजूर कर ली है, लेकिन उनको ट्रायल में कोर्ट से मिली सात साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इससे पूर्व सांसद के राजनीतिक भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

हालांकि उनकी पत्नी को बसपा ने जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व सांसद धनंजय के अधिवक्ता कार्तिकेय सरन ने बताया कि जमानत के बावजूद धनंजय चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। क्योंकि हाईकोर्ट ने जमानत तो दी है लेकिन सजा पर रोक नहीं

लगाई है। संभव है कि विशेष अदालत से मिली सजा के निलंबन को लेकर धनंजय सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को दोनो पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद उनकी जमानत पर फैसला सुरक्षित कर लिया था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ कर रही थी। गौरतलब है कि अपहरण मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने जौनपुर की विशेष अदालत से मिली सात साल की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल कर अंतिम फैसला आने तक सजा पर रोक लगाए जाने और जमानत पर जेल से रिहा किए जाने के लिए हाईकोर्ट में मांग की थी।

जेल से बाहर आने के बाद दिलचस्प होगा मुकाबला

सात साल की सजा के कारण पूर्व सांसद धनंजय सिंह का राजनैतिक भविष्य भले ही अधर में हो, लेकिन पत्नी श्रीकला रेड्डी का चुनाव दिलचस्प होगा। अब यह तय है कि धनंजय की राजनैतिक जमीन पर उनकी पत्नी भाजपा के कृपा शंकर सिंह और सपा कांग्रेस के इंडिया गठबंधन के बाबू सिंह कुशवाहा से मुकाबला करेंगी। फैसले आने के बाद जौनपुर में 29 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

कासिमपुर में मिला फिशिंग कैट का बच्चा, तेंदुआ समझ कर दहशत में ग्रामीण

अलीगढ़ , एजेंसी। तेंदुआ की प्रजाति में शामिल फिशिंग कैट के एक बच्चे को 27 अप्रैल को पावर हाउस के ऐश ड्रम इलाके से पकड़ा गया। वन विभाग की टीम उसे पिंजड़े में ले गई है, जिसे किसी सुरक्षित वन में छोड़ा जाएगा। 27 अप्रैल की सुबह करीब आठ बजे ग्रामीणों ने ऐश ड्रम वाले क्षेत्र में फिशिंग कैट के बच्चे को देखा। यह दिखने में तेंदुआ की तरह लगता है, लेकिन तेंदुआ से छोटा और बिल्ली से बड़ा होता है। फिशिंग कैट के बच्चे को लोगों ने तेंदुआ का बच्चा ही समझा और दहशत में आ गए। सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस की सूचना पर वन विभाग की टीम जाल लेकर मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से वन कर्मियों ने फिशिंग कैट के बच्चे को जाल में फंसा लिया। इसके बाद पिंजड़ा मंगवाकर उसमें रखकर ले जाया गया।

यातायात नियंत्रण के लिए ई रिक्शा पंजीकरण पर रोक नहीं, कोर्ट ने कहा- आरटीओ को रोक लगाने का अधिकार नहीं

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि यातायात नियंत्रण के लिए यातायात प्रतिबंधित किया जा सकता है, लेकिन ई-रिक्शा के पंजीकरण पर रोक नहीं लगाई जा सकती। न्यायमूर्ति अंजनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने आगरा तथा मथुरा में ई-रिक्शा के पंजीकरण पर रोक लगाने वाली अधिसूचना को रद्द कर दिया है।

मथुरा के श्री वृंदावन आटो सेल्स समेत छह आटो एजेंसियों की ओर से अधिसूचना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को स्वीकार करते कोर्ट ने यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने की दलील को सिरे से खारिज कर दिया। कहा, यातायात अनियंत्रित होने के आधार पर ट्रांसपोर्ट अधिकारी को पंजीकरण पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है।

याची के अधिवक्ता ने बताया कि मथुरा व आगरा के सहायक रीजनल ट्रांसपोर्ट अधिकारी ने सात नवंबर 2023 व आठ जनवरी 2024 की अधिसूचना से ई-आटो , ई-रिक्शा के पंजीकरण पर रोक लगा दी थी। जबकि नियमावली के तहत सरकार को नियम 178 में पंजीकरण प्रतिबंधित करने का अधिकार नहीं है। ऐसी रोक संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(जी) के विपरीत है।

राज्य सरकार की ओर से दाखिल हलफनामा में बताया गया कि ई रिक्शा व ई आटो सहित सीएनजी आटो यातायात नियमों का पालन नहीं करते। इनकी दिन प्रति दिन बढ़ती संख्या यातायात नियंत्रण में मुश्किल पैदा कर रही है। अकेले मथुरा शहर में 14,748 ई रिक्शा,12346 सीएनजी, थ्री व्हीलर रिक्शा, 695 ई आटो संचालित हैं। जबकि 105 से अधिक ई रिक्शा डीलरशिप हैं। मथुरा-आगरा की यातायात नियंत्रण की समस्या के मद्देनजर यह प्रतिबंध जनहित में लगाया गया है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन –महंगाई बढ़ने की आशंका

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है। यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा। अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया। इस तरह बहुत सारा अनाज सड़ कर बर्बाद हो जाएगा। यह अब जैसे हर वर्ष का सिलसिला हो गया है। बेमौसम बारिश हजारों टन अनाज बर्बाद कर डालती है। खुदरा महंगाई में सबसे अधिक चिंता खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को लेकर है। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले अनाज और सब्जियों की कीमतें सामान्य आयवर्ग की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। इसकी एक वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भी है, जिससे ढुलाई पर खर्च बढ़ गया है। अभी जिस तरह की वैश्विक स्थितियां हैं उसमें आपूर्ति श्रृंखला गड़बड़ होने से कच्चे तेल की कीमतें अनिश्चित बनी हुई हैं। इससे भी रिजर्व बैंक की महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते दुनिया भर में मुश्किलें पैदा हुई थीं, अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में ईरान के कूद पड़ने और उस पर अमेरिका की सख्त व्यापारिक पाबंदियों से संकट और गहरा हो गया है। भारत चूंकि कच्चे तेल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, ऐसी स्थिति में उसे तेल की कीमतें नीचे ला पाना कठिन होगा। मगर मौसम की मार से पार पाने का कोई रास्ता किसी के पास नजर नहीं आता। सर्दी, गर्मी, बरसात की अवधि असंतुलित हो गई है। एक ही वक्त में कहीं तेज बारिश और बाढ़ की वजह से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कहीं सूखे की वजह से। सर्दी की अवधि सिकुड़ने के चलते खासकर गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी का मौसम जल्दी शुरू हो जाने से गेहूं का उत्पादन कम हो रहा है। हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। अभी तक का आकलन है कि मौसम का मिजाज गड़बड़ होने से सकल घरेलू उत्पाद में करीब डेढ़ फीसद तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जैसी कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं, कृषि क्षेत्र उनमें सबसे अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में महंगाई पर काबू पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा।

विकास के दावों के बीच भूख की त्रासदी झेलने के लिए लोग मजबूर

(विश्वनाथ झा)

संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को 'ग्लोबल रिपोर्ट आन फूड क्राइसिस' यानी खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा किया कि विश्व के उनसठ देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग सन 2023 में भूख से तड़पने को लाचार हुए। यह अपने आप में एक बड़ा विरोधाभास है कि जिस दौर में दुनिया भर में अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों के जरिए लगातार विकास का हवाला दिया जाता है, उसमें करोड़ों लोगों को पेट भरने के लिए खाना तक नहीं मिलता है। यह अफसोसनाक हकीकत एक तरह से विकास के दावों के सामने आईना है, जो इस बात पर विचार करने जरूरत को रेखांकित करता है कि इसकी दिशा क्या है और आखिर यह किसके लिए है।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को 'ग्लोबल रिपोर्ट आन फूड क्राइसिस' यानी खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा किया कि विश्व के उनसठ देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग सन 2023 में भूख से तड़पने को लाचार हुए। भूख का सामना करने वाले लोगों की तादाद 2022 के मुकाबले 2.4 करोड़ ज्यादा रही।रिपोर्ट के मुताबिक, भूखे रहने वालों में बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा, बत्तीस देशों में पांच वर्ष से कम उम्र के 3.6 करोड़ अधिक बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। साथ ही युद्ध और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की वजह से बढ़ते विस्थापन के बीच पिछले वर्ष कुपोषण की समस्या और ज्यादा गहरी हो गई।

सवाल है कि दुनिया भर में और खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अगर भूख सहित कई बड़ी समस्याओं से लड़ने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की बात की जाती है तो इस त्रासदी के लिए किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि बीस देशों में भूख की मुख्य वजह वहां चल रहे हिंसक संघर्ष थे।

दूसरा बड़ा कारण यह था कि बढ़ते तापमान या मौसम से संबंधित आपदाओं, कीटों के हमले और महामारी के बीच करीब सात करोड़ सत्तर लाख से ज्यादा लोगों को उच्च स्तर की गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। इसी तरह, खाने-पीने की चीजों की महंगाई, आयातित खाद्य वस्तुओं पर निर्भरता, उच्च ऋण स्तर आदि वजहों से भी लोगों को भूख की समस्या से रूबरू होना पड़ा। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से या वैश्विक स्तर पर भुखमरी के लिए जिन कारणों को चिह्नित किया गया है, उसका हल निकालने की कोशिश किसे करनी है और वह कब होगा ! यह एक जगजाहिर तथ्य है कि संयुक्त राष्ट्र या फिर अन्य संस्थाओं की ओर से विश्व भर में भूख के संकट पर अक्सर अध्ययन रपटें जारी की जाती हैं। उसमें कारण भी बताए जाते हैं। मगर उन्हें दूर करने को लेकर बात औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ पाती। अन्यथा क्या वजह है कि वर्षों से भुखमरी के हालात कायम रहने के बावजूद इस दिशा में अब तक कोई ठोस हल सामने नहीं आ सका है। उल्टे आर्थिक और सामरिक स्तर पर दुनिया के ताकतवर देश भुखमरी की त्रासदी की ओर ध्यान दिलाए जाने पर भी उसके समाधान को लेकर शायद ही कोई रुचि दिखाते हैं। गरीबी, जलवायु परिवर्तन आदि से उपजी समस्याओं से अगर कोई देश ज्यादा प्रभावित होता है तो सक्षम देश उनकी मदद के लिए क्या करते हैं?संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि युद्धग्रस्त गाजा में सबसे ज्यादा लोगों ने अकाल की गंभीर स्थिति का सामना किया। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था के होते हुए भी युद्धग्रस्त इलाकों में ऐसे हालात कैसे लंबे समय तक बने रहते हैं और युद्ध को खत्म कराने के प्रयास महज दिखावे के क्यों साबित होते हैं कि लोगों के सामने भूख से तड़पने की नौबत आती है !

वैज्ञानिकों की सलाह- 100वां जन्मदिन मनाना है तो सुबह ये 2 काम जरूर करें

(उस्मान खान)

सौ साल जीने के लिए कोई जादुई टॉनिक नहीं बना है लेकिन अगर आप रोजाना की अपनी कई आदतों में सुधार कर लेंगे तो शायद आप इस उम्र तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं, नीचे बताई आदतों को अपना साथी बना लें। सौ साल जीने के तरीके क्या हैं, लंबा जीवन जीने के क्या उपाय हैं? इन सवालों का यही जवाब है कि अगर पृथ्वी पर 100 साल बिताना है तो स्वस्थ और तंदुरुस्त रहना बहुत ज़रूरी है। पर आजकल हर उम्र के लोगों को होने वाली तरह-तरह की बीमारियों की वजह से स्वस्थ रहना मुश्किल हो गया है। लेकिन, अगर आप सही लाइफस्टाइल अपनाएं तो आप अपनी सेहत का ख्याल रख सकते हैं और लंबी, खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं। अगर आप स्वस्थ और लंबा जीवन जीना चाहते हैं, तो कुछ आदतें हैं, जिन्हें आपको जीवन का हिस्सा बना लेना चाहिए।

प्राणायाम करें : प्राणायाम न सिर्फ फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और तनाव की वजह से होने वाली बीमारियों को कम करता है, बल्कि ये आपकी उम्र भी बढ़ा सकता है। प्राणायाम, व्यायाम और ध्यान की मदद से आप अपने फेफड़ों के कामकाज को बेहतर बना सकते हैं।

नियमित ध्यान करें: ध्यान के अनगिनत फायदे हैं और इनमें से एक फायदा है लंबी उम्र। ध्यान करने से टेलोमेयर की लंबाई बढती है। टेलोमेयर डीएनए के अंत में पाए जाने वाले ढक्कननुमा संरचना होते हैं, जो उम्र बढ़ने और दीर्घायु का एक बहुत ही महत्वपूर्ण सूचक है।

अपनी आंतों का ख्याल रखें : आपकी आंतों में खरबों बैक्टीरिया और दूसरे सूक्ष्मजीव रहते हैं, जिन्हें माइक्रोबायोम कहते हैं। ये माइक्रोबायोम आपके पाचन, इम्यूनिटी सिस्टम और त्वचा के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। अब जब आप जंक फूड, शुगर और फैट का अधिक सेवन करते हैं, तो अपने माइक्रोबायोम को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे आपका पाचन खराब हो सकता है। इनके बजाय कोम्बुचा, दही, टेम्पे, किमची और केफिर जैसी चीजें खाने से आंत स्वस्थ रहती हैं।

उत्तराखंड की 'हर की दून' घाटी, जहां होती थी दुर्योधन की पूजा

'हर की दून' हिमालय के खूबसूरत परिवेश के बीच समुद्र तल से लगभग 11700 फुट की ऊंचाई पर बसा एक महत्वपूर्ण पौराणिक क्षेत्र है। हर की दून का शाब्दिक अर्थ है 'ईश्वर की घाटी'। यह घाटी गोविंद पशुपति नैशनल पार्क के पास स्थित है।यहां की दो प्रथाओं -दुर्योधन की पूजा और बहु पति प्रथा- के बारे में काफी सुन रखा था। सच जानने की इच्छा और यहां की प्राकृतिक सुंदरता को देखने की ललक हमें अपने साथी विशाल मोहला और ओबेरॉय सदन की नौवीं कक्षा के 20 छात्रों (ट्यूटीज) के साथ मिड टर्म के दौरान 'हर की दून ट्रेक' पर ले आई।

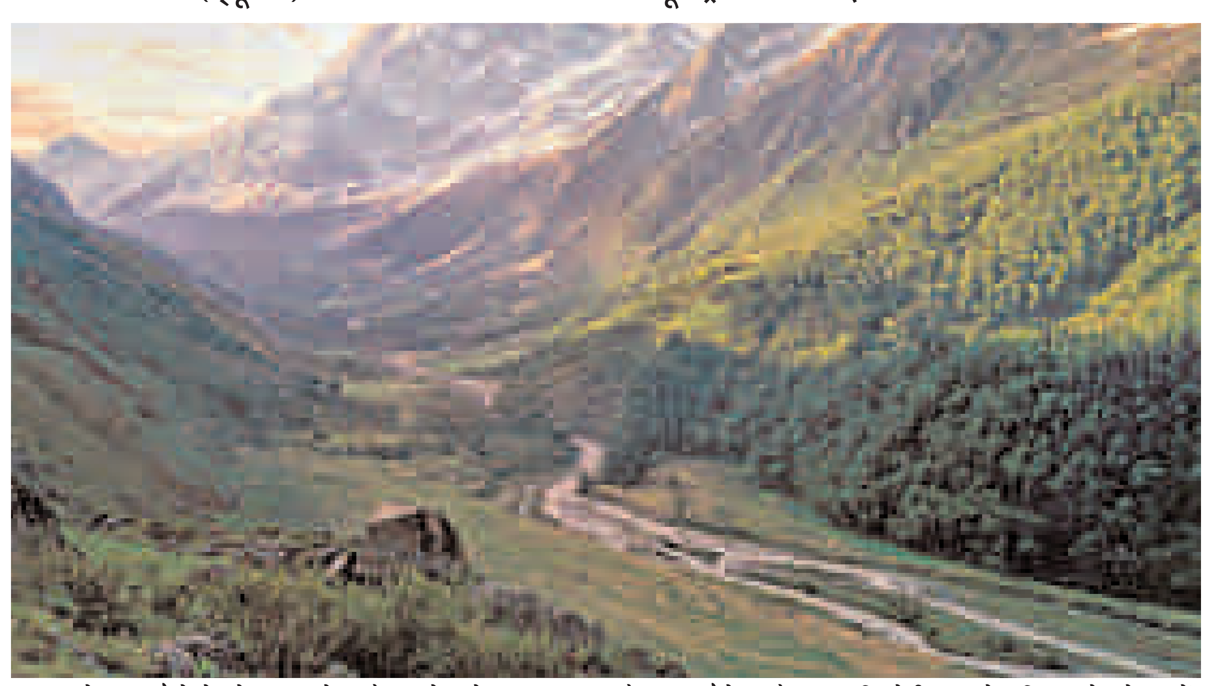

(चन्दन घुघत्याल)

ओसला गांव के नीचे सुपिन नदी में बने पुल को पार कर खड़ी चढ़ाई चढ़ते हुए अपने बेस कैंप कलकत्तिधार पहुंचे। अगले दिन करीब 5 घंटे में 14 किलोमीटर चलकर हम हर की दून पहुंचे। चारों ओर हिमाच्छादित चोटियां और ग्लेशियर देखकर व अपने को बर्फ के बीच पाकर मन प्रफुल्लित हुआ। बच्चे बर्फ में जी भर खेले। करीब एक-डेढ़ घंटा वहां रुकने के बाद हमने वापसी का ट्रेक शुरू किया। वापसी में बर्फबारी भी शुरू हो गई। खैर अपने-अपने रेनकोट में सभी सुरक्षित बेस कैंप पहुंचे। हर की दून से पांडवों और कौरवों का भी इतिहास जुड़ा है। कहते हैं, अज्ञातवास के दिनों में पांडवों की शरण स्थली लाखामंडल भी इस क्षेत्र से काफी नजदीक है। युधिष्ठिर जिस स्वर्ग रोहिणी से स्वर्ग गए बताए जाते हैं, वह पर्वतमाला भी हर की दून से बिल्कुल सामने दिख जाती है।

अभी तक मन का यह सवाल जस का तस था कि क्या वाकई यहां दुर्योधन को पूजा जाता है। हमने इसकी सचाई जानने की कोशिश की। नैटवाड़ में महान योद्धा कर्ण का मंदिर भी बना है। लोग कर्ण मंदिर में पूजा-अर्चना आज भी करते हैं। दुर्योधन को देवता मानने वाले भी यहां अच्छी-खासी संख्या में हैं।

जब मैंने इस ट्रेक के अंतिम गांव ओसला के बुजुर्गों से वहां स्थित मंदिर के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि गांव में स्थित मंदिर सोमेश्वर भगवान का है और वे सभी शिव की पूजा करते हैं। उन्होंने बताया कि 22 गांवों में सोमेश्वर भगवान की डोली जाती है, और वही उनके आराध्य हैं। जब मैंने पूछा कि दुर्योधन मंदिर कहां है, तो उन्होंने दबी जुबान से बताया कि दुर्योधन का मंदिर भी सोमेश्वर मंदिर के पास ही था। अब वह इसी में समाहित हो गया है। दुर्योधन की अब कोई मूर्ति नहीं है। जब यही प्रश्न नवयुवकों से पूछा तो उन्होंने दुर्योधन की पूजा और उसके मंदिर वाली बात को नकार दिया। उनका कहना था कि ट्रेकर्स ने यहां के इतिहास को गलत ढंग से पेश किया है। लेकिन हर की दून में ट्रेक गाइड जसपाल सिंह राणा ने बताया कि दुर्योधन को उनके बुजुर्ग सुयोधन कहते और उसकी वीरता का बखान भी करते थे। राणा जोर देकर कहते हैं, 'दुर्योधन की पूजा अवश्य होती थी, भले ही आज की पीढ़ी इस बात को नकार रही है।' चाय की दुकान चलाने वाले कालू जुवांठा ने बताया कि सुयोधन को देवता का रूप अवश्य मिला हुआ था, लेकिन समय के साथ यह मान्यता कम हो गई है।

जब हम ओसला गांव में स्थित सोमेश्वर भगवान के मंदिर में दर्शन के लिए गए तो लोगों ने बताया कि आजकल भगवान सोमेश्वर भगवन जखोल गांव में विराजमान हैं। मुख्य मंदिर के पास दो और मंदिर थे, जिन्हें लोगों ने स्टोर रूम बताया। हो सकता है वे दो स्टोर रूम सुयोधन के मंदिर हों।

गांव के ही बुजुर्ग राजू पंवार से जब यही प्रश्न बच्चों ने पूछा तो उन्होंने बताया कि राजाओं की पूजा तो सभी करते थे, राजा में ईश्वरीय अंश होता है। दुर्योधन भी तो राजा ही थे। यानी उन्होंने दुर्योधन की पूजा होने वाली बात को स्वीकार किया।

सूचना क्रांति के इस युग में महाभारत के किरदारों में दुर्योधन की भूमिका अत्यधिक नकारात्मक देखने को मिली। हो सकता है नई पीढ़ी के लोगों ने जनमानस की भावना के अनुरूप ही अपनी सोच को रखना उचित समझते हुए अपने बुजुर्गों की मान्यता को तिलांजलि दे दी हो।

अब बारी थी दूसरे प्रश्न का उत्तर खोजने की। क्या आज भी यहां बहु पति प्रथा है? हमने गंगगवाड़ से ओसला को जा रहे ग्रामवासी चतुर सिंह रावत से यह प्रश्न पूछा। उन्होंने बताया कि यदि दो या तीन भाइयों में उम्र का अंतर कम हो तो एक भाई द्वारा ब्याही गई दुल्हन सभी भाइयों की पत्नी होती है। इसका मुख्य कारण उन्होंने बताया कि इससे जानवरों और खेती-बाड़ी में बंटवारा नहीं होता है। गाइड जसपाल सिंह राणा ने भी हमें उनके गांव के खच्चर पालक दो भाइयों से मिलवाया। दोनों भाई अपनी पत्नी के साथ मिलजुल कर रह रहे हैं। हमने गांव की ही एक बुजुर्ग महिला से पूछा तो उन्होंने बताया कि गृहशांति का यह अचूक बाण था।

बकरी चरा रहे रोशन ने बताया कि करीब 20-30 साल पहले तक शादी के लिए वर पक्ष को बहुत पैसा देना पड़ता था। आमदनी कम थी। जोड़-तोड़कर एक दुल्हन के लायक पैसे लड़के के परिवार वाले जुटा लेते थे, बाकी बेटों की दुल्हन के लिए पैसा नहीं जुटा पाते थे। इसलिए पहु पति प्रथा थी। अब यह प्रथा गिने-चुने परिवारों में ही है।महिला सशक्तीकरण और शिक्षा क्रांति के इस युग में बहु पति प्रथा का चलन हर सुनने वाले को गलत लगता है। इस क्षेत्र के लोग भी इस प्रथा को नकार रहे हैं।इस तरह तीन दिन में हमने कुल 46 किलोमीटर का ट्रेक किया। हरे-भरे पहाड़ों, पीले सरसों के फूलों से रंगमयी घाटी, कलकल बहती सुपिन, मोनाल की चहचहाहट, हिमनद, बकरियों का मिमियाना, खच्चरों की घंटिका- ये सब और दर्जनों अन्य अनुभव जहन में इस तरह से दर्ज हुए हैं कि शायद ही कभी मिटें या धुंधले पड़ें।(लेखक दी दून स्कूल में टीचर हैं) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पैरों में लगा आलता या महावर

(राहुल पाण्डेय)

घर में शादी हो या कथा, नवरात्र हो या वसंत, अगर पैरों में आलता नहीं लगा है तो माना जाता है कि संपूर्ण शुभता नहीं आ सकती। वैसे तो आलता या महावर बहुत छोटी सी चीज है। गाढ़ा गुलाबी रंग ही तो, जिससे पैरों में तरह-तरह की डिजाइन बनाई जाती है। इसके बगैर स्त्री का सोलह श्रृंगार पूरा नहीं होता है। यूपी हो या बिहार, बंगाल हो या ओडिशा या फिर असम, आलता लगाए बगैर न तो दुल्हन पूरी मानी जाती है और न ही दूल्हा। आलता तो दोनों को लगाना होता है, चाहे कम लगाएं, चाहे ज्यादा। आलता संस्कृत का शब्द है, पर यह संस्कृत से सीधे हिंदी में नहीं आया। संस्कृत में इसे लक्ष्य रस भी कहा जाता है तो अलक्तक भी। इसी अलक्तक से आलता सबसे पहले बंगाली जमीन पर उतरा। वहां से इसने असम, ओडिशा होते हुए लगभग संपूर्ण उत्तर भारत में लोगों चरण कमल बनाए। लक्ष्य रस इसे इसलिए कहा जाता था क्योंकि पहले यह लाख से तैयार किया जाता था।

बाद में यह चुकंदर के पत्ते, सिंदूर और कुमकुम पाउडर से बनाया जाने लगा, और अब तो अक्सर सब जगह केमिकल वाला रंग ही मिलता है। जानकार लोग बंगाल और ओडिशा का बना आलता ही लेते हैं, क्योंकि वहां अभी भी इसे परंपरागत रूप से तैयार किया जाता है। आलता कोई आज का नहीं है। ऐसी कई पुरानी तस्वीरें हैं, जिसमें श्रीकृष्ण राधा के पैरों में आलता लगाते दिखते हैं। कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मणिपुरी से लेकर असम का बिहू डांस भी बगैर आलता के अधूरा माना जाता है। आलता के इंग्लिश में रेड कलर के अलावा और कुछ नहीं है। आलता शुभ है, इसलिए यह हम भारतीयों के लिए रंग और धर्म से भी कहीं ज्यादा है। हिंदू हों या मुसलमान- शुभ कर्मों में आलता तो दोनों ही लगाते हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

नक्सली कार्रवाई पर विपक्ष का हमदर्दी भरा दृष्टिकोण क्यों?

ये तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। कांकेर (छत्तीसगढ) में पिछले सप्ताह केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑपरेशन के तहत बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिया। सूचनाएं थी कि नक्सली चुनाव में गड़बड़ी करने वाले थे। उनका निशाना पोलिंग बूथ थे, उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुए।

(डॉ. रमेश ठाकुर)

नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफे फिर कांग्रेस ने प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षा बलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई है। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी।

ये तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। पर, नक्सलवाद की समस्या चुनाव तक ही सीमित नहीं रहने वाली? क्योंकि देश विगत 70 वर्षों से नक्सल आतंकवाद झेलता आया है। अब समय की मांग इसे जड़ से खत्म किया जाए। केंद्र की योजना फिलहाल इसी ओर अग्रसर भी है। अभी तक हजारों नक्सली मारे गए हैं जिनमें बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए हैं। इसलिए इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से देखने कतई औचित्य नहीं? इस समस्या को जड़ से मिटाने की राष्ट्रीय नीति के प्रति सभी को एक समान विचार रखना चाहिए। केंद्र सरकार ने गत दस वर्षों में नक्सल उन्मूलन की नीति पर एक निरंतरता बनाया हुआ है जिसके बेहतरीन परिणाम भी मिले हैं।

नक्सल आंकड़ों पर गौर करें तो 2004-14 के यूपीए के दस सालों के नक्सली हमलों या मुठभेड़ों में 1,750 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई थी, लेकिन 2014-23 में करीब 72 फीसदी तक कमी आई। इस दौरान 485 सुरक्षा बलों के जवानों की जाने गई। इसी अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या भी 68 प्रतिशत घटकर 4,285 से 1,383 हुई। कांग्रेस सरकार अपने वक्त में ये तय नहीं कर पाई थी कि वह आर्मड वाम विद्रोह के खिलाफ केंद्रीय नीति किस तरह की रखे। कांग्रेस के नेताओं में इस पर एकमत था ही नहीं। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह उच्च-स्तरीय सुरक्षा सम्मेलनों में तो यह कहते रहे कि नक्सलवाद देश के लिए खतरा हैं। पर, गृहमंत्री के रूप में चिदंबरम ने सशस्त्र विद्रोह के प्रति कोई आक्रामक नीति कभी बनाई ही नहीं? मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह नक्सलवाद के मूल कारणों को ढूंढने के अपने सिद्धांत बना लिए और उसी की वकालत करते रहे।

सन–2009 में यूपीए सरकार ने ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' शुरू किया था। तब कहा गया था कि सरकार नक्सलियों को पूरी तरह खत्म कर देगी। सीआरपीएफ को इसके लिए खास तरह के टास्क दिए गए, यहां तक की भारतीय सेना को भी लगाया गया। लेकिन, ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' सुरक्षा बलों के लिए ही काल बन गया। अप्रैल-2010 में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में एक ही दिन 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी। घरेलू मोर्चे पर यह ऑपरेशन 'ब्लूस्टार' के बाद सुरक्षा बलों की सबसे ज्यादा मौतों की यह घटना बन गई। यूपीए में तीन तीन गृह मंत्री बनाए गए, शिवराज पाटिल, चिदंबरम और सुशील शिंदे। नक्सलवाद को लेकर तीनों की अपनी अलग-अलग राय थी। यूपीए सरकार में ही हिंसक नक्सलियों को गुमराह और नेक इरादे वाले लोगों के रूप में वर्णन किया गया। यूपीए सरकार ने ही मलकानगिरी के कलेक्टर विनील कृष्णा के बदले में आठ माओवादियों को रिहा किया। उसी दौरान माओवादी समर्थकों का एक पढ़ा लिखा वर्ग भी तैयार हुआ, जिन्हें आज अर्बन नक्सली कहा जाता है।

फिलहाल केंद्र सरकार अब ये दावा करती है कि उसने हिंसक वाम आंदोलन और उग्रवाद खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ा है। नक्सली वामपंथी उग्रवाद को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। 2015 में मोदी सरकार ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ 'राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' शुरू की थी जिसमें हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही गई थी। सरकार ने उसी समय से किसी भी तरह की हिंसा से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण करना शुरू कर दिया। प्रशिक्षण के लिए विशेष तौर पर फंड जारी किए। इसके साथ ही सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्यों की सहायता के लिए विशेष बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया। सुरक्षा जरूरतों में आने वाले खर्चों के लिए अलग से धनराशि जारी की। इतना ही नहीं इस पूरे काम की निगरानी करने के लिए सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय में एक अलग डिवीजन बना दिया है। इसे वामपंथी उग्रवाद प्रभाग का नाम दिया गया।

वामपंथी उग्रवादियों का मुकाबला करने और राज्य पुलिस बलों की क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों में इंडिया रिजर्व बटालियन का भी गठन किया गया। लगातार ऑपरेशन से माओवादियों और नक्सलियों के पांव उखर गए हैं। हिंसा और अपराधों के आकड़े में लगातार कमी आई है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस तरह कुल मौतों में भी 69 फीसदी की कमी आई है। सुरक्षा बलों के हताहतों की संख्या इस समय काफी कम है। यह एक बड़ी उपलब्धि रही है। ये तभी संभव हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्र और राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके चलते ही विगत वर्षों में उग्रवादी गुटों के कई सदस्य सरकार के सामने आत्मसमर्पण करने को भी मजबूर हुए।

केंद्र सरकार मोदी ने कई मर्तबा वामपंथी उग्रवादियों को हिंसा छोड़ने और बातचीत करने का प्रस्ताव दिया था। उनके लिए केंद्र ने कई विकास परियोजनाएं भी शुरू करने की बात कही। जिनमें वामपंथी उग्रवाद से ग्रस्त क्षेत्रों में 17,600 किमी सड़कों को मंजूरी देना। केंद्र ने राज्यों को नियमित निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहन उपलब्ध करवाना। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए स्पेशल फंड्स जारी किए। इस मद में करीब 971 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूरी भी हुईं। इन परियोजनाओं में 250 किलेबंद पुलिस स्टेशन स्थापित करने का काम शुरू भी हुआ। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क आवश्यकता योजना को केंद्र सरकार ने आठ राज्यों आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के 34 जिलों में लागू किया है। इस योजना में 5,362 किमी सड़कों का निर्माण हो भी चुका है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार ने अगस्त 2014 में इन क्षेत्रों में मोबाइल टावरों की स्थापना को भी मंजूरी दी। अब तक 4885 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। दूसरे चरण में 2,542 मोबाइल टावर और लगाए जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे को 2017 में 5 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दिए हैं और अब इसमें बढ़ोतरी करके 40 लाख कर दिए हैं। लेकिन नक्सली फिर भी नहीं मान रहे। तभी हार कर अब उनके खिलाफ 'पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन' शुरू हुआ है। ताकी इनपर अंतिम प्रहार किया जाए। कांकेर मुठभेड़ उसी का हिस्सा है। (सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) भारत सरकार !

कम लागत में लगायें मसूर

भूमि का चुनाव एवं तैयारी

मसूर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। किन्तु दोमट और भारी भूमि इसके लिये अधिक उपयुक्त है। भूमि का पी.एच. मान 6.5 से 7.0 के बीच होना चाहये तथा जल निकास का अच्छा प्रबंध होना चाहये। खाली खेतों में 3–4 जुताई कर खेत अच्छी तरह तैयार करें एवं खरीफ के खेत खाली होने के बाद 2–3 जुताई कर पाटा चलायें जिससे नमी संचित हो सके। खरपतवार होने पर उन्हें निकाल दें ।

जलवायु

इसकी वानस्पतिक वृद्धि के लिये ठंडी जलवायु तथा पकते समय गर्म वातावरण की आवश्यकता होती है। 20 से 30 डिग्री से तापक्रम में इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

बीज एवं बीजोपचार

मसूर की समय से बुआई के लिये 16–24 किलो बीज प्रति एकड़ में लगता है। देर से बुआई करने पर बीज की मात्रा बढ़ा दें। बीज को प्रारंभिक अवस्था में फफूंद जनित रोगों से बचाने के लिये बुआई के पूर्व थायरम/कार्बेन्डाजिम 2:1 की 3 ग्राम मात्रा से प्रति किलो बीज उपचारित करें। इसके बाद राइयजोबियम तथा पी.एस.बी. कल्चर प्रत्येक की 5 ग्राम मात्रा से प्रति किलो बीज उपचारित करें ।

बुआई का समय एवं तरीका

अक्टूबर के मध्य बुआई के लिए उपयुक्त समय है । बुआई में देरी होना उपज में कमी लाती है। 15 नवम्बर तक का समय मसूर फसल की बुआई देरी की अवस्था में की जा सकती है। मसूर की कतार से कतार की दूरी 25–30 से.मी. एवं 5–7 से.मी. गहरा बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

खेत तैयार करते समय गोबर खाद या कम्पोस्ट` 2–2.5 टन प्रति एकड़ डालें। मसूर की फसल ज्यादातर असिंचित क्षेत्रों में ली जाती है। जिसमें 6–8 किलो नत्रजन 16–20 किलो स्फुर तथा 6–8 किलो गंधक प्रति एकड़ के मान से दें। सिंचित अवस्था में 10 किलो नत्रजन और 20 किलो फास्फोरस प्रति एकड़ के हिसाब से देना चाहिए । अच्छी पैदावार के लिए 6–8 किलो गंधक देना उपयुक्त है। भूमि में पोटाश की कमी हो तो 8–10 कि.ग्रा. पोटाश प्रति एकड़ देना चाहिये।

सिंचाई

सामान्यत: मसूर असिंचित क्षेत्रों में ली जाती है। परन्तु सिंचाई उपलब्ध होने पर पलेवा देकर बुवाई करना चाहिये। इससे अंकुरण अच्छा होता है। सामान्यत: बाद में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है। सिंचाई उपलब्ध होने पर फूल आने के पूर्व हल्की सिंचाई करना चाहिये। इससे भरपूर पैदावार ली जा सकती है।

खरपतवार प्रबंधन

मसूर की फसल में 50 दिनों तक खरपतवारों को नियंत्रित रखना चाहिये। खेत में नींदा उगने पर हेन्ड हो या डोरा चलाना चाहिये, इससे खरपतवार नियंत्रण होगा तथा वायुसंचार के लिये गुड़ाई भी हो जाती है। रसायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिये बुवाई पूर्व फ्लूक्लोरोलिन 300 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

कटाई-गहाई एवं भंडारण

फसल को पूर्ण रूप से पक जाने पर उसकी कटाई करें एवं कटाई पश्चात गहाई कर बीजों को सुखाकर बोरों या बण्डों में 0.05 मेलोथियॉन का घोल छिड़ककर सूखने पर भण्डारण करें ।

पौध संरक्षण

कीट

मसूर में माहो, थ्रिप्स तथा फली छेदक इल्ली कीटों का प्रकोप होता है। माहो एवं थ्रिप्स के नियंत्रण के लिये मोनोक्रोटोफॉस एक मि.ली. या आक्सीडेमेटान मिथाइल 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फल छेदक इल्ली के लिये क्विनालफास एक मि.ली. प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करने से कीट नियंत्रित हो जाते हैं। खेत में छिड़काव एक समान होना चाहिये।

बीमारियां

मसूर में मुख्य रुप से उकटा तथा गेरुआ रोगों का प्रकोप रहता है। उकटा रोग की उग्रता को कम करने के लये थायरम 3 ग्राम या 1–5 ग्राम थायरम /1.5 ग्राम कार्बोन्डाइजिम का मिश्रण प्रति किलो बीज को उपचारित करके बोयें। उकटा निरोधक जाति जैसे जे.एल.–3 आदि बोयें। कभी–कभी गेरुआ रोग का भी प्रकोप होता है। इसके नियंत्रण के लिये डायथेन एम 45, 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर खड़ी फसल में छिड़काव करना चाहये। गेरुआ प्रभावित क्षेत्रों में एल. 4076 आदि गेरुआ निरोधक जातियां बोयें।

उन्नत किस्में

किस्म	पकने की अवधि	औसत पैदावार क्विं/एकड़	अन्य
जवाहर–1	110–115 दिन	10 –14	दाना मध्यम आकार का होता है।
जवाहर– 3	110–115 दिन	10 –15	उकटा अवरोधी दाना बड़ा, दाना मध्यम आकार का होता है।
एल 4076	115–125 दिन	10 –15	गेरूआ तथा उकटा अवरोधी, दाना मध्यम।
के–75 मलिका	115–120 दिन	10 –12	दाना छोटा होता है।
आई.पी.एल–81	110–15 दिन	10 –12	दाना मध्यम आकार का होता है।

रबी मक्का लाभकारी क्यों?

रबी मौसम कृषि कार्य योजना बनाकर सभी कार्य समय पर कर सकते हैं। जिसमें बुआई, सिंचाई, जल निकास, खरपतवार प्रबंधन, अन्तरशस्य क्रियायें, मिट्टी चढ़ाना, खाद/उर्वरक देना तथा सूर्य प्रकाश की उपलब्धता का होना, जिससे पौधों के बढ़वार में पूरी अनुकूलता मिलने से बीमारी एवं हानिकारक कीटों से होने वाले पौधों को नुकसान कम होता है, परिणामस्वरूप अधिक उत्पादन की प्राप्ति की जा सकती है।

रबी मौसम में अनुकूल वातावरण (तापमान)

रबी मौसम में दिन छोटे परंतु कम तापमान के साथ ही साथ पूर्ण सूर्य ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इसी कारण रबी मौसम में पौधा अपनी क्षमता का उत्पादन देने में सक्षम हो जाता है। जिससे फसल की अवधि बढ़कर उत्पादन का स्तर बढ़ाने में सहायक होता है। इसके विपरीत खरीफ मौसम में अधिक तापमान, बादल वाले दिन एवं धूप छांव वाली परिस्थिति के कारण पौधों की बढ़वार अच्छी तरह नहीं हो पाती। फलस्वरूप उत्पादन में कमी आती है और फसल अवधि भी कम हो जाती है।

आवश्यक पौध संख्या की प्राप्ति

उचित समय पर कृषि कार्य होने के कारण एवं कीट एवं रोगों की कमी में उचित पौध संख्या बनी रहती है क्योंकि पोषक तत्वों की अधिक उपलब्धता एवं सिंचाई व्यवस्था अच्छी होने से पौधे कम नहीं होते तथा उचित पौध संख्या के कारण पौधों को बढ़वार का पूरा अवसर मिलता है। जिससे उत्पादन अधिक प्राप्त होता है।

कीट एवं बीमारियों की कमी

रबी मौसम में खरीफ की तुलना में कम कीट एवं बीमारियाँ आती हैं, जिसका मुख्य कारण है कम तापमान, उचित नमी खरपतवारों की कमी एवं अच्छा फसल प्रबंधन के कारण फसलों की कम हानि होती है तथा उत्पादन पूरा मिलता है।

अत: उसकी शंका के समाधान या मार्गदर्शन में निम्न तथ्य प्रस्तुत हैं–

● गेहूं फसल के समय ही, अनाज मक्का फसल लेकर अनाज एवं चारा दोनों प्राप्त कर सकते हैं। ● गेहूं की तुलना में बीज की लागत कम लगती है जबकि खाद एवं बुआई कार्य का समय एक ही है। ● जहां वर्षों से गेहूं उगाया जा रहा है वहां जंगली जई (एव्हिना फाटूवा) एवं गेहूं का मामा (फेलरिस माइनर) जैसे खरपतवार एक समस्या मूलक बन जाते हैं जिनको 1–2 वर्षों में मक्का लेने पर समस्या का समाधान हो पाता है। गेहूं फसल में प्रारंभिक अवस्था में खरपतवार पहचानना संभव नहीं है तथा बीज बनने पर किसान उसको उखाड़ नहीं पाता है जबकि मक्का फसल में पहचानकर हाथ से उखाड़ सकते हैं जबकि चौड़ी कतार होने से बखर डोरा से नियंत्रण कर सकते हैं।

● मक्का फसल 100 प्रतिशत लेकर उसमें 50 प्रतिशत सब्जी, फूल के पौधे, मटर , प्याज या आलू आदि ले सकते हैं जबकि गेहूं फसल में अंतरवर्तीय फसल लेने पर मुख्य फसल गेहूं 100 प्रतिशत नहीं ले पाते हैं।

● सब्जी लगाने वाले किसान मक्का में 50 प्रतिशत भाग में सब्जी ले सकते हैं जबकि मक्का का उत्पाद 100 प्रतिशत प्राप्त होता है।

● आर्थिक विश्लेषण करने पर पाया गया है कि सिंचाई के साधन उपलब्ध होने पर गेहूं की फसल की तुलना में मक्का फसल से अधिक लाभ है।

● पानी की कमी की दशा में मक्का को 35–55 दिन पर हरा चारा प्राप्त कर सकते हैं। 85–90 दिन पर बेबीकार्न के साथ हरा चारा प्राप्त कर सकते हैं एवं 120–125 दिन पर हरे भुट्टे के साथ हरा चारा प्राप्त कर सकते हैं।

● विशेष परिस्थिति में जब तेज हवा, तूफान या ओले गिरने की दशा में मक्का फसल में न के बराबर हानि होती है जबकि गेहूं फसल गिर जाती है, जिससे दानों की गुणवत्ता खराब हो जाती है।

● सिंचाई की कमी की दशा में एक कतार छोड़ पद्धति से सिंचाई कर 40–60 प्रतिशत तक जल की बचत कर सकते हैं जो कि गेहूं में संभव नहीं है।

● गेहूं फसल समान ही मक्का फसल की गहाई थ्रेसर से कर सकते हैं। मात्र थोड़ा सा सुधार करना पड़ता है। थ्रेसर में दाने निकालते समय मक्का के भुट्टे के छिलके निकालने की आवश्यकता नहीं रहती है अत: इसमें श्रम की बचत भी होती है एवं दाने टूटते नहीं है।

खरपतवार समस्या में कमी

रबी मौसम में खरीफ की अपेक्षा खरपतवार कम निकलते हैं। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार को रसायनिक विधि से नींदा नियंत्रण आसानी से किया जा सकता है। नियंत्रित सिंचाई के होने से , समय पर निंदाई कार्य आसानी से कर सकते हैं जिससे परोक्ष रूप से होने वाले पोषक तत्वों का सद्पयोग प्रभावी रूप से होता है।

उचित जल प्रबंधन

आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं जल निकास का उचित प्रबंध होने से पानी का भराव पौधों के पास न होने के कारण पौधों का नुकसान नहीं हो पाता जबकि खरीफ में अतिवर्षा या असमय वर्षा फसल को काफी प्रभावित करते हैं। नियंत्रित सिंचाई एवं जल निकास की व्यवस्था से फसल को बढ़ने के लिये अच्छा वातावरण प्रदाय किया जा सकता है।

पोषक तत्वों का फसल द्वारा समुचित उपयोग

सिंचाई एवं जल निकास नियंत्रित होने से पोषक तत्वों का ह्रास नहीं होता है एवं सही उपयुक्त समय पर पोषक तत्वों को फसल को देने की कार्ययोजना बनाई जा सकती है। इसलिये रबी में नत्रजन एवं अन्य पोषक तत्वों के परिणाम अच्छे मिलते हैं। वर्षाकाल में सूखे की अवस्था के कारण कई बार खाद देने का समय निकल जाता है। वहीं अतिवृष्टि में जलमग्नता के कारण भूमि तथा उर्वरकों, पोषक तत्वों का ह्रास होता है, परिणाम में प्रति इकाई खाद उपयोग फसल नहीं कर पाती है।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल-ईरान में टेंशन के बीच इराक के गैस फील्ड पर ड्रोन हमला, चार की मौत

बगदाद। इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में स्थित खोर मोर गैस फील्ड पर हुए ड्रोन हमले में चार प्रवासी कर्मचारी मारे गए हैं। हमले के चलते कुंए से गैस निकालने का काम रोक दिया गया है। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। अभी इस हमले की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है। क्षेत्र की कुर्द सरकार द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि हमले में मारे गए लोग मूल रूप से यमन के नागरिक थे और वे गैस फील्ड में काम करने के लिए इराक आए थे। इराक के राष्ट्रपति अब्दुल लतीफ राशिद ने इस हमले की निंदा की है। कहा है कि हमले में कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। साथ ही बिजलीघरों की गैस आपूर्ति बाधित होने से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति में बाधा आई है।

अलास्का की दुर्गम चढ़ाई दौरान पर्वतारोही की 1000 फुट की ऊंचाई से गिरकर मौत

न्यूयार्क, एजेंसी। अलास्का के 'डेनाली नेशनल पार्क एंड प्रिजर्व में एक दुर्गम मार्ग पर चढ़ाई करते वक्त करीब 300 मीटर करीब 1000 फुट की ऊंचाई से नीचे गिरे एक पर्वतारोही का शव शनिवार को बरामद कर लिया गया। पार्क के अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि न्यूयॉर्क निवासी रॉबी मेकस (52) बृहस्पतिवार को 2,560 मीटर ऊंचे माउंट जॉनसन पर्वत पर चढ़ाई करते वक्त गिर गया था जिसके बाद चोटें आने के कारण उसकी मौत हो गई। इस हादसे में उसके साथ चढ़ाई कर रही कैलिफोर्निया की 30 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी और उसे शुक्रवार को विमान से एंकरेज के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बयान के अनुसार, पर्वत पर चढ़ाई कर रहे एक अन्य दल ने दोनों को गिरते हुए देखा था और बृहस्पतिवार रात को इसकी सूचना दी थी। वे उस जगह पर उतरे जहां पर्वतारोही गिरे थे और उन्होंने एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की। इसमें बताया गया है कि शुक्रवार सुबह एक हेलीकॉप्टर और दो पर्वतारोहण रेंजरों ने घायल पर्वतारोही को बचाया। उन्होंने शनिवार सुबह मेकस का शव बरामद किया।

बांग्लादेश में चुनाव के बाद हिंदुओं पर हमले बढ़े

ढाका, एजेंसी। 7 जनवरी 2024 को बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में वहां रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय ने प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को वोट किया था, ताकि वे सुरक्षित और शांति से रह सकें। लेकिन, चुनावों के बाद जारी हमलों से सामने आया है कि शेख हसीना सरकार अल्पसंख्यकों पर कट्टरपंथी हमले रोकने में नाकाम रही है। चुनावों के बाद नई सरकार के बावजूद हिंदुओं पर हमले बंद नहीं हुए हैं। अल्पसंख्यक संगठनों का दावा है कि हर माह कम से कम 3 हमले हो रहे हैं। शेख हसीना के 5वीं बार बांग्लादेश के पीएम की शपथ लेने के बाद बांग्लादेश के 6 जिलों (कुश्तिया, बागेरहाट, जैनेदाह, गैबांधा, चटगांव और सिलहट) में हिंदुओं पर हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इनमें 35 लोग घायल हुए हैं, इनमें एक की मौत हुई है। हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद के सदस्य रंजन-करमाकर का कहना है कि चुनावों के बाद अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर होने वाले हमले चिंताजनक है।

इराक में अब समलैंगिक संबंध बनाना होगा अपराध, 15 साल की सजा का बना कानून

वॉशिंगटन , एजेंसी। इराक की संसद में शनिवार को समलैंगिक संबंधों को लेकर एक कानून पारित किया गया। इराक के संसद ने समलैंगिक संबंधों को अपराध माना है। वहीं, कानून के मुताबिक, समलैंगिक संबंध बनाने वालों को 15 साल की सजा का ऐलान भी कर दिया गया। धार्मिक मूल्यों के आधार पर इराक के संसद ने यह कानून पारित किया है। बता दें वैश्यावृति के खिलाफ भी इराक की संसद ने सख्त कदम उठाया है। इराक के इस कानून को लेकर एलजीबीटी समुदाय और पश्चिमी देशों ने कड़ी आलोचना जताई है। अमेरिका और यूरोपीय संघ ने भी इराक के इस फैसले पर आपत्ति जाहिर की है।

दो साल बाद भी हमले नहीं रोक रहा रूस, पुतिन की सेना ने यूक्रेन पर दागीं 32 मिसाइलें; चार बिजली संयंत्र क्षतिग्रस्त

कीव। रूस ने एक बार फिर से यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। रात भर किए गए हमलों में 32 मिसाइलें दागी गईं। हमले में चार बिजली संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि उन्होंने 21 मिसाइलों को नष्ट कर दिया। बिजली संयंत्र से जुड़ी कंपनी डीटीईके ने कहा कि ऊर्जा संयंत्रों में कई लोग घायल हुए हैं। दक्षिण-पूर्वी निप्रोपेट्रोस क्षेत्र में दो बिजली संयंत्र प्रभावित हुए हैं।

पश्चिमी लवीव और इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्रों से भी हमलों की सूचना है। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव में मिसाइल हमले में एक मनोरोग अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गया और एक व्यक्ति घायल हो गया। घटनास्थल की तस्वीरों में अस्पताल के पास एक बड़ा गड्ढा और गलियारों में शरण लेते मरीज दिखाई दे रहे हैं। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि 53 वर्षीय एक महिला को चोट लगी है।

इस बीच, यूक्रेन ने रूस पर ड्रोन से हमला बोला है। रूस ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में 60 से अधिक ड्रोनों को रोका है। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रतयेव ने कहा कि यूक्रेनी बलों ने एक तेल रिफाइनरी और बुनियादी सुविधाओं को निशाना बनाया, लेकिन कोई हताहत या गंभीर क्षति नहीं हुई है।

हमले के दौरान स्लावयांस्क तेल रिफाइनरी में आग लग गई। यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में इलस्की और स्लावयांस्क तेल रिफाइनरियों पर हमला किया गया था। यूक्रेनी ड्रोन ने रात को कुशचेवस्क सैन्य हवाई क्षेत्र को भी निशाना बनाया।

रूस ने पूर्वी यूक्रेन के ओचेरेटिन में और अधिक सैनिक भेजे हैं, ताकि वहां कार्रवाई तेज की जा सके। लेकिन, कीव की सेना ने बड़े पैमाने पर गांव पर कब्जा कर लिया है और उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति से माहौल उनके पक्ष में हो जाएगा। फरवरी में अवदीवका के गढ़ शहर पर कब्जा करने के बाद से रूसी सेना धीरे-धीरे पूर्वी मोर्चे पर कम से कम आधा दर्जन गांवों में आगे बढ़ी है। पूर्वी कमान के प्रवक्ता नजर वोलोशिन ने कहा कि शनिवार को ओचेरेटिन में भयंकर लड़ाई हुई, लेकिन यूक्रेनी बलों ने स्थिति नियंत्रण में कर ली है और गांव के दो-तिहाई हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है।

हमास ने जारी किया नया वीडियो, बंधक बनाकर रखे गए अमेरिकी-इस्राइली नागरिकों के जिंदा होने का दिया सबूत

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की ओर से गाजा में जारी हमलों के बीच हमास ने एक नया वीडियो जारी किया है। इस वीडियो के जरिए उसने बंधक बनाकर रखे गए दो इस्राइली-अमेरिकियों के जिंदा होने का सबूत दिया है। दोनों बंधकों की पहचान 64 वर्षीय कीथ सीगल और 46 वर्षीय ओमरी मिरान के तौर पर की गई है। तीन मिनट के इस वीडियो में बंधक अपने परिजनों को संदेश देते देखे जा सकते हैं। बता दें कि वीडियो तब जारी किया गया, जब हमास ने कहा है कि वह संघर्षविराम के लिए इस्राइल के ताजा प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। वीडियो को कब रिकॉर्ड किया गया है, इसका खुलासा फिलहाल नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि इसे हाल ही में रिकॉर्ड किया गया है, क्योंकि वीडियो में मिरान ने 202 दिनों से बंधक बनाकर रखने का जिक्र किया है। वहीं, सीगल ने एक यहूदी त्योहार- पासओवर का जिक्र किया। अमेरिकी नागरिक सीगल और उनकी पत्नी को हमास पिछले साल सात अक्तूबर को म्यूजिक फेस्टिवल पर हमले के बाद बंधक बनाकर गाजा लाया था।

ड्राइवर ने खोया नियंत्रण, हवा में 20 फुट उछलकर पेड़ से टकराई कार...अमेरिका में तीन भारतीय महिलाओं की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। मूल रूप से गुजरात के आणंद जिले की रहने वाली और अमेरिका में बस चुकीं तीन महिलाओं की अमेरिकी राज्य दक्षिण कैरोलिना में एक भीषण कार दुर्घटना में मौत हो गई। उनके रिश्तेदारों ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी। मीडिया की एक खबर में कहा गया है कि दक्षिण कैरोलिना राजमार्ग गश्ती दल के मुताबिक, दुर्घटना शुक्रवार को लेकसाइड रोड के पास इंटरस्टेट 85 से लगे स्टॉन्टन ब्रिज रोड पर हुई। इसमें कहा गया कि पेड़ों से टकराने से पहले तेज रफ्तार कार हवा में कम से कम 20 फुट ऊपर उछली।

गुजरात में रिश्तेदारों ने तीनों की पहचान रेखा दिलीप पटेल, संगीता भवनेश पटेल और मनीषा राजेंद्र पटेल के रूप में की है। वे राज्य के आणंद जिले के बोरसाद तालुका के वसना (बोरसाद) और कविता गांवों की थीं। उन्होंने कहा कि महिलाएं आपस में रिश्तेदार थीं। रेखा और संगीता के पति - क्रमशः दिलीप पटेल और भवनेश पटेल - भाई हैं, जबकि मनीषा के पति राजेंद्र दोनों के चचेरे भाई हैं। कविता गांव के पास रहने वाले संगीता के पिता विट्ठलभाई को छोड़कर, तीनों महिलाओं के परिवार के अन्य सभी सदस्य और उनके पति बहुत पहले ही अमेरिका चले गए थे।

विट्ठलभाई पटेल ने बताया, मुझे पता चला है कि मेरी बेटी और दो अन्य महिलाओं की शुक्रवार को अमेरिका में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। चौथी महिला, जो एक रिश्तेदार है, को वहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे सभी घूमने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि लगभग 20 साल पहले वहां जाने के बाद संगीता कभी भारत नहीं लौटीं।

विट्ठलभाई ने कहा, उसका (संगीता का) बेटा कुछ महीने पहले अपनी शादी से जुड़ी खरीदारी के लिए यहां आया था। वसना (बोरसाद) के निवासी निरंजन पटेल ने कहा कि उनके गांव में तीन महिलाओं के लिए, एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। निरंजन पटेल ने कहा, रेखाबेन और संगीताबेन अपने पतियों के साथ अटलांटा, जॉर्जिया में रहती थीं और साउथ कैरोलिना की ओर जा रही थीं, तभी यह हादसा हुआ। प्रार्थना सभा के दौरान ग्रामीणों ने दुख व्यक्त किया। 'फॉक्स कैरोलिना की खबर के मुताबिक, ग्रीनविले काउंटी कोरोनर कार्यालय के अधिकारी माइक एलिस ने बताया कि कथित तौर पर भारतीय महिलाएं इंटरस्टेट 85 के उत्तर की ओर जाने वाली सड़क पर एसयूवी में यात्रा कर रही थीं।

टाइटैनिक के सबसे अमीर यात्री की सोने की घड़ी हुई नीलाम

लंदन, एजेंसी। टाइटैनिक से जुड़ी जब भी कोई जानकारी सामने आती है तो हर कोई उसे जानने को उत्सुक हो जाता है। अब इस जहाज के सबसे अमीर यात्री की मिली एक सोने की घड़ी से जुड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, घड़ी को नीलाम किया गया है, जिसकी कीमत जानकार आपको भरोसा नहीं होगा। इंग्लैंड में घड़ी को 11.7 लाख पाउंड यानी 14.6 लाख डॉलर में नीलाम की गई। नीलामीकर्ता हेनरी एल्ड्रिज एंड सन ने कहा कि 1912 के जहाज आपदा से जुड़ी किसी वस्तु के लिए यह एक रिकॉर्ड राशि थी।

अंदाजा लगाया जा रहा था कि घड़ी करीब एक लाख से 150,000 पाउंड के बीच बिक जाएगी। हालांकि, इन अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका के एक शख्स ने बोली जीती है। घड़ी पर जेजेए लिखा हुआ है। दरअसल, यह घड़ी अमेरिका के सबसे अमीर व्यक्ति जॉन जैकब एस्टोर की थी। बताया जाता है कि जब 15 अप्रैल 1912 में टाईटैनिक डूबी थी, तब जहाज के डूबने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी मेडेलीन को एक लाइफबोट पर चढ़ा दिया था, जिससे उनकी जान बच गई थी। हालांकि एस्टोर की मौत हो गई थी। उस समय वह मात्र 47 वर्ष के थे। दुर्घटना के एक सप्ताह बाद एस्टोर का शव मिला था। इस दौरान ही उनके सामानों में घड़ी भी मिली थी। नीलामी करने वाले कार्यालय का कहना है, घड़ी को कर्नल एस्टोर के परिवार को लौटा दिया गया था, उसके बाद उनके बेटे ने इसे पहना था

चीन ने पाकिस्तान के लिए लॉन्च कर दी खतरनाक पनडुब्बी, 8 को लेकर हुआ सौदा

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अपने सदाबहार सहयोगी पाकिस्तान को अत्याधुनिक युद्धपोत उपलब्ध कराने के लिए आठ हैंगर श्रेणी की पनडुब्बियों में से पहली को लॉन्च कर दिया है। चीन ये 8 आधुनिक पनडुब्बियां पाकिस्तान के लिए ही बना रहा है। इस पनडुब्बी डील से चीन और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के शुआंगलियु बेस पर वुचांग शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री ग्रुप (डब्ल्यूएसआईजी) ने शुक्रवार को इन पनडुब्बियों के निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत की। शुआंगलिउ बेस पर आयोजित लॉन्च समारोह में पाकिस्तान नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने भाग लिया। बता दें कि चीन और पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों समझौता हुआ था जिसके तहत चीन इस्लामाबाद को आठ अत्याधुनिक एडवांस पनडुब्बियों को प्रदान करने पर सहमत हुआ था। निर्माण डब्ल्यूएसआईजी द्वारा किया जाना है, जबकि बाकी की चार पनडुब्बियों का निर्माण टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (टीओटी) समझौते के तहत केएस एंड डब्ल्यू (कराची शिपयार्ड एंड इंजीनियरिंग वर्क्स) में किया जा रहा है। ये पनडुब्बियां अत्याधुनिक स्टील्थ तकनीक से लैस हैं, जिसमें आधुनिक हथियार, सेंसर्स लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एडवांस स्टील्थ फीचर्स वाली पनडुब्बियां को हर तरह के खतरे वाले वातावरण में ऑपरेट करने के लिए अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों से सुसज्जित किया जाना है।

पाकिस्तान में देर रात घर लौट रहे जज का अपहरण, हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को बुलाई पड़ी आपाकालीन बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। आतंकवादियों के गढ़ पाकिस्तान में आम जनता कितनी सुरक्षित है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शनिवार देर अदालत की कार्यवाही से घर लौट रहे सीनियर जज का हथियारबंद बदमाशों ने अपहरण कर लिया। घटना के बाद से पुलिस भी सकते में हैं। मामला पाकिस्तान के सबसे अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा की बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जज की कार बरामद कर दी गई है, जज का ड्राइवर भी सुरक्षित है। उसे किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। किडनैपर्स जज को अपनी गाड़ी में ले गए। उधर, जज के अपहरण की खबर सुनने के बाद पेशावर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने इलाके में जजों की सुरक्षा को लेकर आपातकालीन बैठक भी बुलाई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी जज शकीरुल्लाह मारवात का अफगानिस्तान की सीमा से लगे टैंक और डेरा इस्माइल (डीआई) खान जिले के पास अपहरण कर लिया गया था। डीआई खान पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) मोहम्मद अदनान ने कहा कि घटना बग्वाल नामक गांव में हुई। जज का अपहरण तब किया गया जब वह ड्यूटी से लौटकर डीआई खान के पास जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि जज के अपहरण की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के केंद्रीय सूचना सचिव फैसल करीम कुंडी ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर को बुलाकर प्रांत में इस तरह की घटना को जघन्य करार दिया है।

इंडोनेशिया के जकार्ता से 143 किलोमीटर दूर भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर मापी गई 6.2 तीव्रता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से 143 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी पुष्टि की। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, जकार्ता और पास के बाडुंग में रात 9 बजकर 59 मिनट पर 6.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। बाडुंग निवासी इमान कृष्णवन ने एएफपी को बताया, मैं अपनी पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकालने के लिए चिल्लाया। आमतौर पर भूकंप करीब पांच सेकंड रहता था, लेकिन इस बार 10-15 सेकंड तक था।

द्वीप राष्ट्र इंडोनेशिया को रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। धरती के सबसे संवेदनशील हिस्सों में से होने के कारण यहां लगातार भूकंप आते रहते हैं। यह ऐसी जगह पर मौजूद है, जहां धरती की कई टेक्टोनिक प्लेट टकराती हैं। जनवरी 2021 में सुलावेसी द्वीप समूह में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था। जिसने 100 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी और हजारों लोग बेघर हो गए थे। इसी तरह 2018 में सुलावेसी के पालू में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया था और उसके बाद सुनामी आई थी, जिसमें 2,200 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इससे पहले 2004 में इंडोनेशिया के आचे प्रांत में 9.1 तीव्रता का भूकंप आया था और 1,70,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

इससे पहले शनिवार की दोपहर जापान के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएसजीएस ने बताया कि देश के बोनिन द्वीप समूह में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल 6.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र 503.2 किलोमीटर की गहराई में रहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र द्वीपों के पश्चिमी तट पर, टोक्यो से लगभग 875 किमी दक्षिण में पाया गया। मध्य टोक्यो में भी हल्के झटके महसूस किये गये। खबरों के मुताबिक फिलहाल सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती है, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

मिस्र के मकबरे की खुदाई करने वालों की चली जाती है जान!

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के राजाओं की घाटी में एक ऐसा मकबरा है जो कि रहस्यों से भरा हुआ है। यह मकबरा राजा तूतेनखामने का है जिसे टुट के नाम से भी जाना जाता है। बताया जाता है कि राजा टुट की मौत के 3 हजार साल बाद तक इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। 100 साल पहले ही यह मकबरा नजर आया और इसके बाद इसकी खुदाई शुरू हुई। राजा टुट के साथ इतना खजाना दफन किया गया था कि इसे निकालने में ही 10 साल का वक्त लग गया। वहीं खुदाई करने वाले ज्यादातर वैज्ञानिकों की कुछ ही समय में गंभीर बीमारियों की वजह से मौत हो गई। कुछ की बीमारियों का तो पता भी नहीं चला। ऐसे में कहा जाता है कि इस मकबरे को राजा टुट का शाप है कि इसे हाथ लगाने वाले की जान चली जाएगी।

बता दें कि मिस्र के राजा को फेराओ कहा जाता था। 1922 में जो लोग खुदाई में शामिल थे उनमें से ज्यादातर की मौत रहस्यमय तरीके से हो गई। अब एक वैज्ञानिक ने दावा किया है कि उसने फेराओ के शाप के राज का पता लगा लिया है। रॉस फेलोज नाम के वैज्ञानिक ने जर्नल ऑफ साइंटिफिक एक्सप्लोरेशन में लिखा है, इस इलाके में यूरेनियम और जहरीले वेस्ट से रैडिएशन निकलता है जिसकी वजह से लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो जाती हैं और उनकी मौत हो जाती है।

उन्होंने दावा किया कि फेराओ टुट के मकबरे के पास रैडिएशन का स्तर बहुत ज्यादा है। ऐसे में कैंसर होने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है। इसके संपर्क में आने वाले ज्यादातर लोगों को हड्डी, खून या फिर लिंफ का कैंसर हो गया। फेलोज ने अपनी स्टडी में कहा कि केवल मकबरे में ही रैडिएशन नहीं है बल्कि एजिप्ट के इस पूरे इलाके में ये चीजें हैं। उन्होंने कहा कि बहुत सारे अंडरग्राउंड मकबरों के पास रेडियोऐक्टिव गैस पाई गई है। उन्होंने कहा कि आधुनिक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि एजिप्ट में ममियों के पास से रैडिएशन निकलता है।

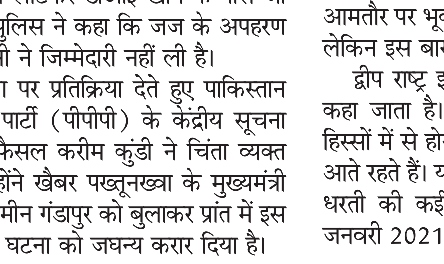

इसी में यह भी थ्योरी सामने आती है कि क्या उस समय के लोगों को भी इस तरह के रैडिएशन का बारे में पता था। इसीलिए वे ममी रखने के बाद उसके चारों तरफ मोटी और मजबूत दीवारें बनाते थे। फेलोज ने लिखा, पहले के लोग जाहते थे कि जो भी ये दीवार तोड़े उसकी मौत हो जाए और किसी डॉक्टर को भी पता ना चले की आखिर बीमारी क्या हुई थी। वहीं इन जगहों से संबंधित कई तरह के अंधविश्वास हैं। लोग कहते हैं कि यहां कई आत्माएं रहती हैं और वे लोगों को शाप दे देती हैं जिनकी वजह से लोगों की मौत हो जाती है।

1922 में इस मकबरे की खुदाई शुरू करने वाले लॉर्ड कार्नावन की मौत के बाद यह डर और बढ़ गया है। कार्नावन के खून में जहर पाया गया था। दावा किया गया था कि इस मकबरे में घुसने के छह सप्ताह बाद ही कार्नावन की मौत हो गई थी। वहीं कार्नावन के साथ इस तहखाने में घुसने वाले कार्टर की भी मौत गंभीर बीमारी की वजह से हो गई थी। 1934 में 54 साल की उम्र में कैंसर की वजह से उनकी मौत हुई थी। जब यह तहखाना खुला था तब वहां कुल 26 लोग मौजूद थे जिनमें से 20 की मौत बहुत जल्द हो गई। इसमें दिल का दौरान पड़ने, स्ट्रोक, निमोनिया, पॉइजनिंग और मलेरिया की वजह से लोगों की जान गई थी। कहा गया था कि कार्नावन की मौत मच्छर के काटने की वजह से हुई।

नवलनी ग्रुप के लिए काम करने के आरोपी दो रूसी पत्रकार गिरफ्तार

मास्को, एजेंसी। रूस सरकार ने विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी द्वारा स्थापित एक समूह के लिए काम करने के आरोप में दो पत्रकारों को गिरफ्तार कर लिया और रूसी अदालतों ने जांच पूरी होने एवं मुकदमा चलने तक उन्हें हिरासत में रखने का शनिवार को आदेश दिया। विपक्षी नेता नवलनी की फरवरी में मौत हो गई थी। इन पत्रकारों को ''अतिवाद के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कॉन्स्टेंटिन गैबोव और सर्गेई कार्लिन दोनों ने इन आरोपों से इनकार किया है।

दोनों को मामले में कोई सुनवाई शुरू होने से पहले कम से कम दो महीने तक हिरासत में रखा जाएगा। रूसी अदालतों के अनुसार ''चरमपंथी संगठन में भागीदारी के आरोप साबित होने पर उन्हें कम से कम दो साल और अधिकतम छह साल कारावास की सजा हो सकती है। रूस में सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों और स्वतंत्र मीडिया पर सरकारी कार्रवाई पिछले कुछ वक्त में तेज हुई है और इन कार्रवाई में यूक्रेन पर रूस के हमला करने के बाद से और तेजी आई है। इसी क्रम में इन पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

'कृष्णा मोहिनी' भाई के लिए उसकी सारथी की भूमिका निभाती है

मुंबई, एजेंसी। जीवन के उथलपुथल भरे हालातों से निकलना दूभर लग सकता है, जिसमें बाधाएं और अनिश्चितताएं हर उस कदम पर चुनौती देती हैं जो कोई व्यक्ति चुने हुए रास्ते पर उठाना चाहता है। ऐसे समय में, जीवन में किसी 'सारथी' का होना से समंदर के घोर अंधियारे में जहाजों को मार्गदर्शन देने वाले प्रकाशस्तंभ के समान बल मिलता है। 'कृष्णा मोहिनी' कृष्णा के जीवनयात्रा को प्रदर्शित करता है, जो सिस्टरहुड के भाव को दर्शाते हुए अपने भाई मोहन की 'सारथी' के रूप में हर तूफान का सामना करके उसे बचाती है। रूढ़ियों को तोड़ते हुए, उनका रिश्ता पारंपरिक भूमिकाओं से परे है, क्योंकि यह शो 'कृष्णा बहन का फर्ज़ ऐसे निभाएगी...कि दुनिया में, राखी की परिभाषा बदल जाएगी' के अपने विश्वास के साथ भाई-बहन के रिश्ते के मूल को पुनः परिभाषित करने का वादा करता है। भाई और बहन के बीच इस प्यारे रिश्ते को प्रदर्शित करते हुए, कलर्स द्वारका की खूबसूरत भूमि और तटीय आकर्षण में सेट किए गए 'कृष्णा मोहिनी' को पेश करने के लिए तैयार है। कृष्णा के रूप में देबत्तमा साहा, मोहन के रूप में केतकी कुलकर्णी, और आर्यमन के रूप में फहमान खान अभिनीत, और सुशांत दास व निसपाल सिंह के बॉयहुड प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, कृष्णा मोहिनी का प्रीमियर 29 अप्रैल को होगा और यह हर शाम 70 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा।वायकॉम18 के जनरल एंटरटेनमेंट के अध्यक्ष आलोक जैन कहते हैं, कलर्स में, हम उन महत्वपूर्ण कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे दर्शकों की भावनाओं से गहराई से जुड़ती हैं।

सागर के वेदांत असाटी 98.53 परसेंटाइल हासिल कर बने सिटी टॉपर

सागर। परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने सागर से अपने स्टूडेंट वेदांत असाटी की असाधारण उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस किया, जिन्होंने ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) मेन 2024 के दूसरे सत्र में 98.53 परसेंटाइल हासिल कर सागर में सिटी टॉप किया है।उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट वेदांत असाटी ने 98.53 परसेंटाइल हासिल किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को दिया। उनकी उपलब्धि में उनके परिवार, शिक्षक और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के समर्थन का बड़ा हाथ है। स्टूडेंट्स का शानदार प्रदर्शन न केवल उनकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक में परीक्षण किए गए विषयों पर उनकी गहरी पकड़ को भी सामने लाता है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 24 अप्रैल, 2024 की देर रात दूसरे सत्र के परिणामों का अनावरण कर उत्कृष्टता का एक नया मानदंड स्थापित किया है.आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित, इन छात्रों ने विश्व स्तर पर सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित आईआईटी जेईई के लिए एक कठिन यात्रा शुरू की। जिसका उद्देश्य विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त आईआईटी जेईई को क्रैक करना था। उनकी उन्नति उनके अथक समर्पण का प्रमाण है, जो मूल सिद्धांतों को मास्टर करने और अनुशासित अध्ययन व्यवस्था का पालन करने में किया गया। अपनी गहरी कृतज्ञता का अभिव्यक्त करते हुए, उन्होंने स्वीकार किया,, हम आकाश के विषेशज्ञ शिक्षकों की ओर से तैयार की गई सामग्री और कोचिंग के लिए ऋणी है, जो हमारी यात्रा में महत्वपूर्ण साबित हुई। उनके अटूट मार्गदर्शन के बिना, एक सक्षिप्त समय सीमा के भीतर कई विषयों में महारत हासिल करना एक बड़ी चुनौती होती। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के रीजनल डायरेक्टर, डॉ. एच. आर. राव ने छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए जोर दिया, उनका उल्लेखनीय प्रदर्शन छात्रों को व्यापक कोचिंग और नवीन शिक्षण समाधान प्रदान करने, उन्हें सशक्त बनाने के लिए एईएसएल की प्रतिबद्धता और प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उनके दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

टॉप-10 कंपनियों में 6 की वैल्यू 1.30 लाख करोड़ बढ़ी

मुंबई एजेंसी। बीते कारोबारी हफ्ते मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 का मार्केट कैप कंबाइंड रूप से 1,30,734.57 करोड़ (1.30 लाख करोड़) बढ़ा है। इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मार्केट का टॉप गेनर रहा है। कंपनी का मार्केट कैप 45,158 करोड़ बढ़कर 7.15 लाख करोड़ हो गया है। इसके अलावा, आईसीआईसीआइ बैंक और भारती एयरटेल का मार्केट कैप भी 28,726.33 करोड़ और 20,747.99 करोड़ बढ़कर 7.78 लाख करोड़ और 7.51 लाख करोड़ हो गया है। वहीं, टॉप-10 में 4 कंपनियों के मार्केट वैल्यू में कंबाइंड रूप से 50,295 करोड़ की गिरावट देखने को मिली है। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की मार्केट वैल्यू 26,115.56 करोड़ गिरकर 19.64 लाख करोड़ रह गई है। रिलायंस के साथ एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट वैल्यू में गिरावट रही है।

सिर्फ 21 साल की उम्र में शुरू की कंपनी, 4 साल में करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको ऐसी लड़की से मिलाते हैं जिसने सिर्फ 21 साल की उम्र में कंपनी शुरू कर दी थी। वह यूपी के आगरा से ताल्लुक रखती हैं। उनका नाम है हरितिमा मिश्रा। महज 18 साल की उम्र में उन्होंने बिजनेसवुमन बनने का सपना देखना शुरू कर दिया था। हरितिमा ने अपने भाई शिवम मिश्रा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से ग्रेजुएट स्नेह वर्मा के साथ 2020 में एटीट्यूडिस्ट की नींव रखी थी। यह कंपनी ऐसे जूते बनाती है जिसमें जानवरों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है। इस कंपनी का मकसद फैशन इंडस्ट्री में टिकाऊ और क्रूरता-मुक्त प्रथाओं को बढ़ावा देना है। एटीट्यूडिस्ट वेगन लेदर फुटवियर ब्रांड है।

क्या बनाता है कंपनी को अलग

हरितिमा मिश्रा ने अपने भाई शिवम मिश्रा और भाभी स्नेह वर्मा के साथ 2020 में वेगन लेदर शू कंपनी की शुरुआत की थी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से ग्रेजुएट स्नेह वर्मा की विशेषज्ञता ने कंपनी की सफलता में अहम भूमिका निभाई। वेगन लेदर शूज के कॉन्सेप्ट ने कारीगरों और ग्राहकों दोनों को समान रूप से प्रभावित किया। इसमें जानवरों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है। न ही जानवरों के चमड़े का इस्तेमाल होता है। एटीट्यूडिस्ट को अलग करने वाले प्रमुख फैक्टर्स में से एक लोगों को सशक्त बनाने और पूरी सप्लाई चेन में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता है।

पहले मेडिकल में करियर बनाना चाहती थीं

हरितिमा ने शुरुआत में मेडिकल फील्ड में करियर बनाने की सोची थी। लेकिन, उन्हें जानवरों के चमड़े से जुड़ी नैतिक चिंताओं के साथ इंडस्ट्री में कारीगरों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनकी कंपनी बिना किसी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के ऑपरेट करती है। उत्पादों को तैयार करने और ग्राहकों तक भेजने में लगभग 20 दिन लगते हैं। रिटर्न रेट लगभग 3-5 फीसदी होता है।

कारीगरों के साथ गठजोड़

कंपनी का 100 से ज्यादा कारीगरों के साथ कोलैबोरेशन है। सीईओ के रूप में हरितिमा मिश्रा ने सप्लाई चेन में टिकाऊ प्रथाओं को शामिल किया है। एटीट्यूडिस्ट ने सफलतापूर्वक तीन लाख से ज्यादा ग्राहकों को सेवा प्रदान की है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 25 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया है।

आगे क्या है टारगेट

हरितिमा मिश्रा के आगे के भी टारगेट साफ हैं। उनका लक्ष्य वर्ष 2025 तक 50 करोड़ रुपये की बिक्री हासिल करने का है। आगे विस्तार की भी योजना है। एटीट्यूडिस्ट की सीईओ ऐसे भविष्य की कल्पना करती हैं जहां हाई क्वालिटी शूज पर्यावरण के प्रति जागरूक मूल्यों के साथ अडजस्ट हों। साथ ही ये किफायती दामों पर मलिें।

80 तक जाएगा कंस्ट्रक्शन कंपनी पटेल इंजीनियरिंग का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर सुस्त नजर आ रहे हैं लेकिन एक्सपर्ट इसको लेकर बुलिश हैं। बीते शुक्रवार को यह शेयर 64.55 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, एक्सपर्ट का अनुमान है कि शेयर की कीमत 80 रुपये तक जा सकती है। बता दें कि पटेल इंजीनियरिंग ने हाल ही में एक योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) इश्यू भी लॉन्च किया है। योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) इश्यू के लिए प्रति शेयर 59.50 रुपये का न्यूनतम मूल्य निर्धारित किया गया है। बीते दिनों एक नियामक फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि बोर्ड की आवंटन समिति ने 22 अप्रैल को हुई बैठक में इश्यू खोलने की मंजूरी दी। कंपनी ने फरवरी में एक बोर्ड बैठक में योग्य संस्थागत खरीदारों को इक्विटी शेयर जारी करके पैसे जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। प्रस्ताव को 8 मार्च, 2024 को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई।

क्या है ब्रोकरेज का अनुमान

ब्रोकरेज आईसीआईसीआइ डायरेक्ट और हेम सिक्योरिटीज, दोनों का अनुमान है कि पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 80 रुपये तक जा सकते हैं। इन दोनों ब्रोकरेज ने शेयर को खरीदने की सलाह दी है। आइसीआईसीआइ डायरेक्ट ने कहा कि कंपनी को दिसंबर तिमाही तक 19134 करोड़ (रा ऑर्डर सहित) की ऑर्डर बुक मिला है। हमें उम्मीद है कि चुनाव नतीजे के बाद कंपनी के ऑर्डर की स्पीड बढ़ेगी। आपको बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का हाई 79 रुपये है। यह भाव फरवरी 2024 में गया था। वहीं, शेयर अप्रैल 2023 में 19.50 रुपये के भाव तक लुढ़क गया था।

सालभर में आईटी सेक्टर ने की 72000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज से कुछ साल पहले भारत में आईटी सेक्टर बहुत ही तेजी से बढ़ रहा था। इस वजह से आईटी सेक्टर हर साल हजारों की संख्या में कर्मचारियों की हायरिंग करती थी। हालांकि, बीते फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में आईटी सेक्टर में धीमी राजस्व वृद्धि के कारण भारत की प्रमुख आईटी कंपनियों ने 72,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। इन कंपनियों में इंफोसिस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, विप्रो, टेक महिंद्रा जैसी कंपनियां शामिल है। आइए जानते हैं इन कंपनियों की छंटनी के बारे में विस्तार से। बता दें कि 31 मार्च को समाप्त हुए फाइनेंशियल ईयर 2023-24 तक देश की टॉप-6 आईटी कंपनियों में 72,063 कर्मचारियों की गिरावट आई। इस गिरावट का बड़ा कारण तकनीकी खर्च में वैश्विक मंदी और मांग के माहौल में अनिश्चितता रही। ऐसी परिस्थिति ने ख़र्च 2023-24 में भारत के 254 बिलियन डॉलर के आईटी सेक्टर इंडस्ट्री को प्रभावित किया जिससे व्यापार वृद्धि धीमी हो गई। इस वजह से कंपनियों को नौकरियों में कटौती करने और नियुक्तियां काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। अगर अलग-अलग कंपनियों की बात करें तो इस दौरान मार्केट लीडर टीसीएस ने 13,249 और इन्फोसिस ने 25,994 कर्मचारियों की छंटनी की।

एक ही पॉलिसी में मिलेगा लाइफ, हेल्थ और प्रॉपर्टी का बीमा!

नई दिल्ली, एजेंसी। जल्द ही कई तरह के इंश्योरेंस यानी बीमा का लाभ एक ही पॉलिसी में मिलेगा। इसे 'बीमा विस्तार' नाम दिया जा सकता है। इस एक ही पॉलिसी में लाइफ, हेल्थ, प्रॉपर्टी और पर्सनल एक्सिडेंट कवर मिलेगा। फैमिली फ्लोटर यानी एक पॉलिसी में सभी घरवालों को बीमा कवर का फायदा भी होगा। बीमा रेगुलेटर इरडा ने हाल में हैदराबाद में इस पॉलिसी पर बीमा कंपनियों के साथ मंथन किया है। इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक, इसका प्रीमियम 1500 रुपये प्रति पॉलिसी के आसपास तय किया जा सकता है। इस 'बीमा विस्तार' पॉलिसी का मकसद गांवों समेत देश की ज्यादा से ज्यादा आबादी तक बीमा मुहैया कराना है।

हैदराबाद में इरडा चीफ देबाशीष पंडा की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'बीमा विस्तार' की डिटेल्स सामने रखी गई। सूत्रों ने बताया कि लाइफ, प्रॉपर्टी और पर्सनल एक्सिडेंट के मामले में 2-2 लाख रुपये का बीमा कवर मिल सकता है। 'हॉस्पिटल कैश' के नाम से हेल्थ कवर भी होगा। इसमें 10 दिनों के लिए अधिकतम 5000 रुपये तक के बिल का कैशलेस भुगतान बिना दस्तावेज जमा किए क्लेम किया जा सकेगा। लाइफ कवर का प्रीमियम 800 रुपये के करीब हो सकता है। वहीं, 500 रुपये में हेल्थ कवर और 100 रुपये के प्रीमियम में पर्सनल एक्सिडेंट कवर मिल सकता है। प्रॉपर्टी कवर का प्रीमियम 100 रुपये से कम रखा जा सकता है।

हर बीमा के लिए क्लेम सेटलमेंट अलग-अलग

बीमा विस्तार पॉलिसी में अलग-अलग सेगमेंट्स के लिए क्लेम सेटलमेंट का तरीका अलग हो सकता है, जिसे बीमा कंपनियां तय करेंगी। इस पॉलिसी को बेचने वाले एजेंटों को 10 प्रतिशत कमिशन दिया जा सकता है। इरडा काफी समय से बीमा सुगम, बीमा विस्तार और बीमा वाहक के रूप में बीमा त्रयी पेश करने की तैयारी में है। डिजिटल प्लैटफॉर्म 'बीमा सुगम' को इरडा ने पिछले महीने मंजूरी दी थी। यह हर तरह की बीमा पॉलिसी खरीदने, बेचने और क्लेम सेटल करने के लिए ऑनलाइन इंश्योरेंस मार्केटप्लेस की तरह काम करेगा।

घाटे में अडानी समूह की सांघी इंडस्ट्रीज, सुस्त पड़ा है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की सीमेंट कंपनी सांघी इंडस्ट्रीज ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में इस कंपनी का नेट लॉस 19.02 करोड़ रुपये था। एक साल पहले इसी अवधि में 104.56 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में बिक्री एक साल पहले की तिमाही के 225 रुपये के मुकाबले 26.66 प्रतिशत बढ़कर 284.78 करोड़ रुपये हो गई।

समूचे वित्त वर्ष का हाल

मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी ने 448.79 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया तो मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान 325.70 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में बिक्री 11.29 प्रतिशत घटकर 820.17 करोड़ रुपये हो गई। मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान 924.50 करोड़ रुपये थी।

शेयर का हाल

बीते शुक्रवार को सांघी इंडस्ट्रीज के शेयर की बात करें तो 92.99 रुपये पर था। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 0.21 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ। शेयर जनवरी 2024 में 156.20 रुपये तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। हालांकि, इसके बाद से शेयर में बिकवाली आई और भाव 100 रुपये से भी नीचे आ गया। हाल ही में सांघी इंडस्ट्रीज के बोर्ड ने नॉन-कन्वर्टिबल रिडीम प्रेफरेंशियल शेयर (आरपीएस) जारी करके 2,200 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि यह शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। पिछले साल ही अडानी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट ने गुजरात की सांघी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण किया था। सीमेंट कारोबार से जुड़ी सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 78.52 फीसदी हिस्सेदारी है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास कंपनी की 21.48 फीसदी शेयर है। बता दें कि सांघी से पहले साल 2022 में अडानी समूह ने अंबुजा और एसीसी का अधिग्रहण किया था।

2030 तक ई-कॉमर्स का तीसरा सबसे बड़ा बाजार होगा भारत, इसका सबसे बड़ा कारण है किफायती इंटरनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। 2030 तक चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-कॉमर्स बाजार बन जाएगा और डिजिटल अर्थव्यवस्था का आकार बढ़कर 8,000 करोड़ डॉलर हो जाएगा। वहीं, इसी साल तक भारत का ई-कॉमर्स बाजार बढ़कर करीब 3,250 करोड़ डॉलर होने की उम्मीद है।

एक अनुमान के मुताबिक, 2030 तक भारत में 50 करोड़ से ज्यादा लोग ऑनलाइन खरीदारी कर रहे होंगे। फिलहाल, भारत का ई-कॉमर्स बाजार करीब 1,130 करोड़ डॉलर का है, जो करीब 21 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रहा है। इसके बढ़ने का सबसे बड़ा कारक 13.5 रुपये प्रति जीबी की दर से किफायती इंटरनेट है। मोबाइल से इंटरनेट तक पहुंच में 2019 की तुलना में 2023-24 में 21 फीसदी की वृद्धि हुई है। 2025 तक 87 प्रतिशत घरों में इंटरनेट कनेक्शन होगा। इंटरनेट उपभोक्ताओं के साथ ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों की संख्या में वृद्धि का अनुमान है। 2019 से 2026 के बीच ग्रामीण भारत में 22 फीसदी की वार्षिक दर से सक्रिय इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 88 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी।

यूपीआई सबसे अहम

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था व ई-कॉमर्स बाजार में वृद्धि के कारणों में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सबसे अहम है। 2022 में इसके जरिये 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का लेन-देन किया गया। 2026 तक जब भारत की 81 फीसदी आबादी के पास स्मार्टफोन होगा, तो यह आबादी भी यूपीआई जैसे माध्यमों का उपयोग कर रही होगी।

एनसीएस पोर्टल पर पिछले साल एक करोड़ नौकरियां सृजित

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी नौकरियों के लिए भले ही कम आवेदन मांगे जा रहे हैं, लेकिन निजी सेक्टर में युवाओं के लिए भरपूर अवसर दिख रहे हैं। श्रम व रोजगार मंत्रालय के नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल पर पंजीकृत होने वाली नौकरियों की संख्या इस बात का संकेत दे रही है।

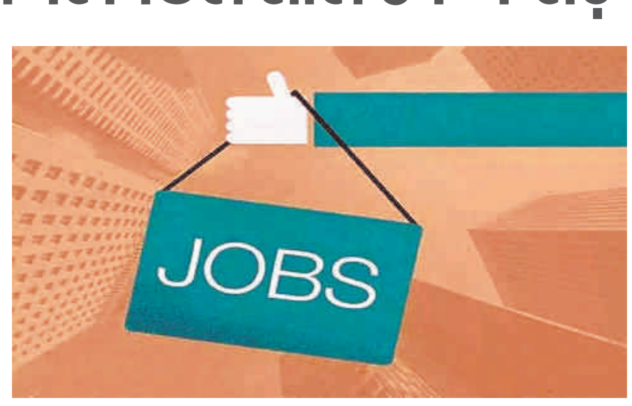

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल अप्रैल से लेकर इस साल 31 मार्च तक (वित्त वर्ष 2023-24) एनसीएस पोर्टल पर कंपनियों ने एक करोड़ नौकरियों के लिए आवेदन मांगे हैं। नौकरियों की यह संख्या वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले 214 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान एनसीएस पोर्टल पर कंपनियों ने 35 लाख नौकरियों के लिए आवेदन मांगे थे। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 87.27 लाख आवेदकों ने एनसीएस पोर्टल पर पंजीकरण कराया। पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक, निजी सेक्टर में सबसे अधिक नौकरियों की मांग वित्त एवं बीमा सेक्टर में हो रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में वित्त व इंश्योरेंस सेक्टर की कंपनियों ने एनसीएस पोर्टल के जरिये 19.98 लाख नौकरियों के लिए आवेदन मांगे थी। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान इन सेक्टर की कंपनियों ने 46.69 लाख नौकरियों के लिए आवेदन मांगे हैं। मैन्युफैक्चरिंग, शिक्षा, आईटी एवं संचार व अन्य प्रकार के प्रोफेशनल्स सेक्टर के लिए भी बड़ी संख्या में नौकरियों की मांग आई है। आईटीआई और डिप्लोमा होल्डर्स के लिए सबसे अधिक नौकरियों की मांग हो रही है। केंद्र सरकार ने निजी क्षेत्र में नौकरियों के अवसरों को युवाओं तक पहुंचाने के लिए एनसीएस पोर्टल की शुरुआत की थी। इस पोर्टल पर दसवीं पास से लेकर पीएचडी डिग्रीधारक तक नौकरी के लिए आवेदन कर सकता है। पोर्टल पर इस साल 31 मार्च तक 25.58 लाख नियोक्ता मौजूद थे। हालांकि, इस पोर्टल पर यह डाटा उपलब्ध नहीं होता है कि रिक्त नौकरियों में से कितनी नौकरियां भर गई हैं। इस बारे में श्रम मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि कई बार जिन युवाओं को रोजगार मिल जाता है, वे भी अपने बायोडाटा को पोर्टल से नहीं हटाते हैं क्योंकि वे अगली अच्छी नौकरी की तलाश में रहते हैं। इसलिए नौकरी मिलने वालों की संख्या का सटीक आकलन नहीं किया जा सकता है। मंत्रालय एनसीएस पोर्टल 2.0 लांच करने जा रहा है जहां नौकरी खोजने वाले और देने वाले दोनों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) व मशीन लर्निंग (एमएल) की मदद दी जाएगी।

ग्रे मार्केट में तूफान मचा यह आईपीओ, छह मई से दांव लगाने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) पर दांव लगाकर कमाई करते हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, इंडेजीन कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। बता दें कि यह कंपनी प्राइवेट इक्विटी फर्म- कार्लाइल और नादाशुर फोरेस्ट समर्थित है। फार्मा से जुड़ी डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर कंपनी इंडेजीन का आईपीओ 6 मई 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। 8 मई 2024 तक बोली लगाने के लिए खुला रहेगा। इंडेजीन आईपीओ में 760 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 2.39 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

इंडेजीन आईपीओ का अलॉटमेंट 9 मई, 2024 को होने की उम्मीद है। यह आईपीओ बीएसई, एनएसई पर लिस्टेड होगा। इसकी लिस्टिंग की तारीख 13 मई 2024 को होने की उम्मीद है। हालांकि, आईपीओ के प्राइस बैंड का ऐलान अभी नहीं हुआ है लेकिन ग्रे मार्केट में यह ट्रेड कर रहा है। कंपनी का ग्रे मार्केट प्रीमियम 160 रुपये है।

'हनुमान' के निर्देशक प्रशांत के साथ बनी रणवीर की जोड़ी

फिल्म 'हनुमान' की सफलता के बाद एक इंटरव्यू के हिसाब से निर्देशक प्रशांत वर्मा इस फिल्म की सीक्वल से पहले प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की दो और फिल्मों की तैयारियां करीब करीब पूरी कर चुके हैं। बताते हैं कि इस बीच उनकी फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह से हुई बातचीत के बाद इस यूनिवर्स से इतर एक और फिल्म की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके चलते फिल्म 'हनुमान' की सीक्वल 'जय हनुमान' की शूटिंग में विलंब होने जा रहा है और अब इस फिल्म की शूटिंग अब अगले साल शुरू नहीं होगी। इसी साल की शुरुआत में बात करते हुए प्रशांत वर्मा ने कहा, फिल्म 'जय हनुमान' से पहले प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की दो फिल्में और रिलीज होगी। एक तो 'अधीरा' होगी ही, दूसरी फिल्म जिसके बारे में मैं सबसे पहले वह फिल्म होगी 'महाकाली'।

ये शक्ति का समाज से सामंजस्य बिठाती फिल्म है और इसका निर्देशन मैं एक महिला निर्देशक से करा रहा हूं। अब तक माना यही जा रहा था कि फिल्म 'जय हनुमान' की शूटिंग साल 2025 में शुरू हो जाएगी लेकिन बताते हैं कि फिल्म 'पुष्पा' और 'पुष्पा 2' बनाने वाली कंपनी मैत्री मूवीज ने इस बीच निर्देशक प्रशांत वर्मा को अपने लिए एक मेगा बजट फिल्म बनाने के लिए राजी कर लिया है।

अभिनेत्री ने की पुष्टि

बिग बॉस से बाहर आते ही हो गया था ईशा -समर्थ का ब्रेकअप

अभिनेत्री ईशा मालविया का निजी जीवन बिग बॉस 17 में उनके पूर्व प्रेमी, अभिनेता अभिषेक कुमार और तत्कालीन प्रेमी, अभिनेता समर्थ जुरेल दोनों के साथ घर के अंदर सार्वजनिक प्रदर्शन पर आया था। शो के दौरान मालवीय और जूरेल के रिश्ते का खुलासा हुआ और वे एक जोड़े के रूप में बाहर भी हो गए। हालांकि, हाल ही में खबर सामने आई कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है।

इस बारे में पूछे जाने पर ईशा ने बताया कि यह खबर सच है, लेकिन यह एक महीने देर से आई है। 20 वर्षीय ईशा मालवीय ने समर्थ जुरेल से ब्रेकअप पर कहा, बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद ब्रेकअप हो गया। मुझे अभी भी याद है कि होली पार्टी में समर्थ और मैं यह दिखावा करने की कोशिश कर रहे थे कि हमारे बीच अभी भी अच्छे संबंध हैं। हम बात कर रहे थे और डांस कर रहे थे, लेकिन उसके बाद ऐसा नहीं हो पा रहा था। इसलिए, हमने खुद को अलग किया और हम आगे बढ़ गए। अब नहीं जम रहा तो जबरदस्ती घसीटने का क्या फायदा।

उडारियां अभिनेत्री इस बात पर जोर देती हैं कि निजी जिंदगी के मामले में उन्होंने हमेशा अपने दिल की सुनी है, लेकिन अब वह अपने माता-पिता की बात सुन रही हैं। ईशा ने जोड़ा, मुझे जो पसंद है मैं वही करती हूं और आगे भी मैं वही करूंगी, लेकिन मुझे अपने माता-पिता की बात सुननी होगी।

अभी उनका ये टेक है मेरी पर्सनल जिंदगी पर कि ये सब चीजें होती रहेंगी, इसलिए आप इस पर बाद में ध्यान दें। ईशा यहीं नहीं रुकीं और उन्होंने आगे कहा, अभी, मेरे लिए अपने पेशेवर जीवन पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह समय वापस नहीं आएगा, और मैं बाद में पछतावा नहीं करना चाहती कि जब मेरे पास काम करने का समय था, तो मैं अन्य चीजों में शामिल थी। अभी मैं अपने माता-पिता की बात सुन रही हूं और जो हो गया सो हो गया। ईशा से पूछा गया कि क्या उन्हें बिग बॉस करने के कारण अपनी निजी जिंदगी के सवालों के घेरे में आने का अफसोस है?

इस पर उन्होंने कहा, मुझे किसी बात का अफसोस नहीं है। मैंने फैसला लिया था जाने का और जो चीजें मेरे रास्ते में आ रही हैं, वो मैं अपने हिसाब से संभाल रही हूं। मैं अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और मैं खुश हूं।

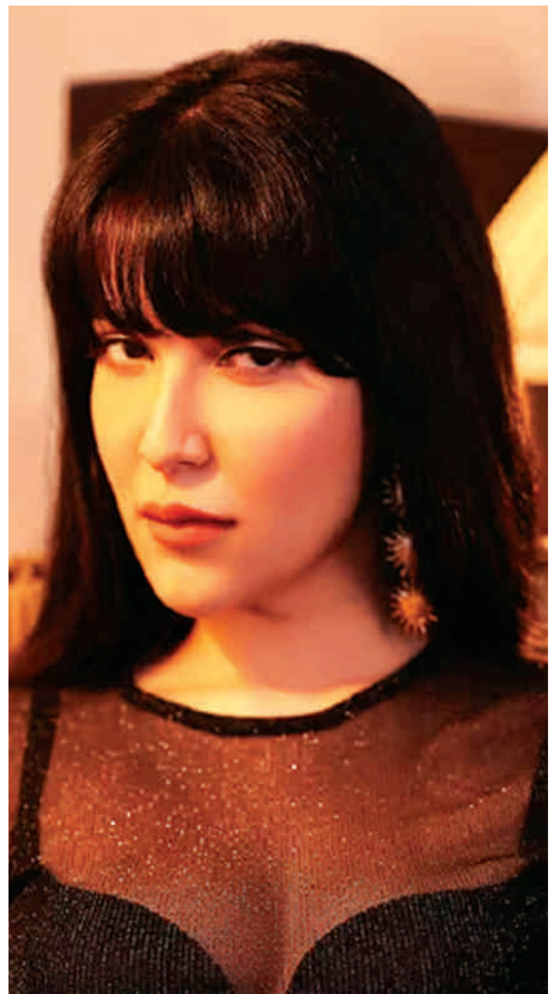

बिग बॉस 17 की प्रतिभागी खानजादी का पहला एल्बम ज्वालामुखी रिलीज के लिए तैयार

कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस के 17वें सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आई रैपर खानजादी अपना पहला एल्बम ज्वालामुखी रिलीज करने के लिए तैयार हैं। एल्बम में जोशीले बीट्स और शानदार लिरिक्स है, जो खानजादी के एटीट्यूड और बोल्ड पर्सनालिटी को दर्शाते हैं। पर्सनल एक्सपीरियंस और बिग बॉस में उनकी जर्नी से प्रेरित एल्बम खानजादी के आर्टिस्टिक विजन और क्रिएटिविटी को उजागर करेगा।

मूल रूप से असम की रहने वाली खानजादी, जिनका असली नाम फिरोजा खान है, को पहली बार एमटीवी पर हिप-हॉप शो हसल 2.0 में एक कंटेस्टेंट के रूप में पहचान मिली। उन्होंने आजादी, नो बाउंड्रीज और तराजू जैसे ट्रैक से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उनका ब्रेकआउट मोमेंट 2023 में आया, जब उन्होंने बिग बॉस 17 में हिस्सा लिया, लेकिन इस सीजन के विजेता स्टैंड अप कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी रहे।

अच्छे कपड़े पहनना आत्मसम्मान को दर्शाता है: सुनील शेट्टी

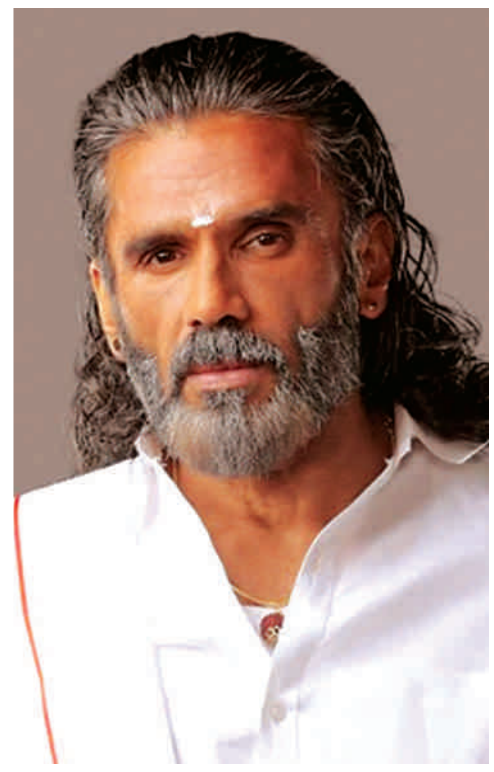

एक्टर सुनील शेट्टी ने फैशन और स्टाइल पर बात करते हुए कहा कि अच्छे कपड़े पहनना आपका आत्मसम्मान दिखाता है। 62 वर्षीय एक्टर ने फोटोशूट का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। इस वीडियो में वह आइवरी सूट में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। उन्होंने अपने लुक को सनग्लासेस से पूरा किया। सुनील ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, अच्छे कपड़े पहनना सेल्फ-इंपोर्टेंस नहीं, बल्कि सेल्फ रिस्पेक्ट है।

एक्टर इन दिनों रियलिटी शो डांस दीवाने में एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित नेने के साथ जज के तौर पर नजर आ रहे हैं। फिल्मों की बात करें तो, सुनील वेलकम टू द जंगल में नजर आने वाले हैं, जिसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, दिशा पाटनी, अनिल कपूर, रवीना टंडन और जैकलीन फर्नांडीस जैसे कलाकार शामिल हैं। कथित तौर पर यह फिल्म क्रिसमस 2024 में रिलीज होगी।

अर्जुन रेड्डी मोड में लौटे विजय देवराकोंडा, अगली फिल्म में होगा सिर्फ एक्शन

साउथ सिनेमा के स्टार अभिनेता विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म के लिए हीरोइन की तलाश पूरी नहीं हुई है। अभिनेत्री श्रीलीला के इस फिल्म से निकल जाने ने विजय देवरकोंडा का दिल ऐसा तोड़ा है कि अब उन्होंने इस फिल्म का पूरा रोमांटिक ट्रैक ही उड़ाने का फैसला किया है। निर्देशक गौतम तिन्नौरी ने भी विजय की ये बात मान ली है। गौरतलब है कि इस फिल्म के संगीतकार वही अनिरुद्ध रविचंदर हैं जिन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' के गाने बनाए थे।

विजय देवरकोंडा की लव स्टोरी भले अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से उनकी करीबी दोस्ती के चलते सुपरहिट हो रही हो लेकिन फिल्म 'डियर कॉमरेड' के बाद से उनकी एक भी फिल्म हिट नहीं हुई है।

महीने की शुरुआत में रिलीज विजय और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'द फैमिली स्टार' भी फ्लॉप हो चुकी है और ये अब शुक्रवार से ओटीटी पर उपलब्ध रहेगी। इस बीच खबर ये भी आई थी कि गौतम तिन्नौरी के निर्देशन में बनने वाली उनकी अगली फिल्म के लिए हीरोइन ही नहीं मिल रही है। इस फिल्म में पहली अभिनेत्री श्रीलीला काम करने वाली थीं। फिल्म की हीरोइन के लिए तमाम विकल्पों पर चर्चा चल ही रही है कि सुनते हैं इस फिल्म को लेकर विजय देवरकोंडा ने अब अपना मन ही बदल दिया है। अब ये फिल्म आउट एंड आउट एक्शन फिल्म होने जा रही है और विजय देवरकोंडा ने फिल्म में एक भी गाना नहीं रखने का फैसला किया है। साउथ सिनेमा के अभिनेता विजय देवरकोंडा की एक बेहतरीन फिल्म देखने का इंतजार हिंदी पट्टी के दर्शकों को भी अरसे से है।

निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा की तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' ने ओटीटी पर आने के बाद उनके प्रशंसक पूरे देश में बनाए हैं। और, इसी फिल्म को देखकर निर्माता करण जौहर ने उन्हें फिल्म 'लाइगर' के लिए साइन कर किया था। फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे हीरोइन थीं और कहते हैं कि यही फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी रही। फिल्म 'लाइगर' के बाद विजय की पिछले साल रिलीज फिल्म 'खुशी' और अब 'द फैमिली स्टार' भी फ्लॉप हो चुकी है। विजय के करीबियों ने बताते हैं कि उन्हें वापस 'अर्जुन रेड्डी' वाले तेवरों में परदे पर लौटने की सलाह दी है। विजय ने इस बाबत निर्देशक गौतम तिन्नौरी के लंबी चर्चा की है और गौतम ने विजय की ये बात मान ली है कि अब उनकी इस फिल्म में कोई गाना नहीं होगा।

मृणाल ने करीना कपूर को क्यों दिया अपनी सफलता का श्रेय?

मृणाल ठाकुर ने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे तक का सफर किया और अपनी पहचान बनाई। उन्होंने सफलता के लिए अपनी प्रेरणा के रूप में इम्तियाज अली जब वी मेट से करीना कपूर खान के किरदार गीत को श्रेय दिया। मृणाल ने कहा कि गीत एक पंथ है, मैं जो हूं, उसे आकार देने में गीत ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

है। हर बार जब मैं कोई निर्णय लेती हूं तो मैं गीत के रूप में सोचती हूं, इम्तियाज सर ने मेरे साथ यही किया है। मैं इम्तियाज सर का बहुत आभारी हूं, क्योंकि उन्हीं की वजह से मुझे लगता है कि मैं इस इंडस्ट्री में हूं। अगर मैंने गीत नहीं देखी होती या जब वी मेट नहीं देखी होती तो मैंने इसे अपना करियर नहीं माना होता, यह बहुत जबर्दस्त है.

बॉलीवुड में अपनी बेइज्जती झेल चुकी हैं परिणीति

परिणीति चोपड़ा चोपड़ा अपनी हालिया रिलीज फिल्म अमर सिंह चमकीला को लेकर खूब चर्चा में चल रही हैं। अमर सिंह चमकीला के बाद से परिणीति का स्टारडम सातवें आसमान पर पहुंच गया है और एक बार लोगों के बीच उनकी चर्चा भी तेज हो गई है। अभिनेत्री ने अपने संघर्ष के दौर को याद करते हुए कहा कि मैं मीडिल क्लास फैमिली से आती हूं और ज्यादा उम्मीदें नहीं रखती हूं। परी ने आगे बताया कि उन्हें एक को-स्टार ने भी खूब जलील किया था और कहा था कि अगर पैसे नहीं थे तो इस प्रोफेशन में नहीं आना चाहिए था। परी ने यह भी बताया कि लोगों ने कपड़ों से लेकर उनकी बॉडी तक को लेकर भी काफी जज किया था। अभिनेत्री ने बताया कि बॉलीवुड में आना उनके लिए बहुत आसान नहीं रहा है।

क्या जॉली एलएलबी 3 का आगामी शेड्यूल साथ शूट करेंगे अक्षय-अरशद?

जॉली एलएलबी फ्रेंचाइजी की फिल्मों के लाखों दीवाने हैं। पहले भाग में अरशद वारसी ने अपने अभिनय का जलवा दिखाया था। वहीं, दूसरे भाग में अक्षय कुमार की अदाकारी लोगों को काफी पसंद आई थी। अब फिल्म की तीसरी किस्त का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म में दोनों सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

नवीनतम रिपोर्ट्स की मानें तो जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग इसी गर्मी के मौसम में शुरू होने जा रही है। फिल्म में अक्षय और अरशद अपनी-अपनी भूमिकाएं दोहराते नजर आएंगे। एक सूत्र के मुताबिक अरशद जल्द ही इस फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग राजस्थान में शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस शेड्यूल में अक्षय के शामिल होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है ।एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि अरशद वारसी जल्द ही राजस्थान में एक महीने का शेड्यूल शुरू करेंगे। इसके लिए लोकेशन पर प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। कहा जा रहा है कि सुभाष कपूर के निर्देशन में बन रही यह फिल्म मई में शुरू हो जाएगी।

2017 में अक्षय कुमार ने जॉली एलएलबी 2 में अरशद को रिप्लेस कर दिया था। पहली फिल्म में अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में थे, जॉली एलएलबी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। वहीं, इसके दूसरे भाग ने भी टिकट खिड़की पर जमकर कमाई की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि तीसरी किस्त में दोनों जॉली आमने-सामने होंगे, इसमें भी जज की भूमिका में सौरभ शुक्ला नजर आएंगे।

फिल्म को दोनों अभिनेताओं का बारे में जानकारी आ गई है, लेकिन इसकी अभिनेत्री को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग पूरे 2024 में की जाएगी और यह 2025 में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

सालार 2 में कियारा आडवाणी के काम करने पर आया बड़ा अपडेट

प्रभास की फिल्म सालार 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसके पहले भाग को फैंस ने खूब पसंद किया था। आए दिन फिल्म से जुड़ा कोई-न-कोई नया अपडेट सामने आ रहा है। हाल ही में, इस बात की अफवाह उड़ी कि फिल्म में कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। इस अफवाह को सुनते ही कियारा के फैंस उत्साहित हो गए। इसी बीच इस अफवाह को लेकर बड़ा खुलासा हो चुका है।

यह है अफवाह की हकीकत

वेबसाइट 123 तेलुगु की एक रिपोर्ट के अनुसार, कियारा आडवाणी के सालार 2 में काम करने की अफवाह में कोई सच्चाई नहीं है। यह एक झूठी खबर है। कुछ दिनों से यह अफवाह फैली हुई थी कि कियारा इस फिल्म में एक गाने में नजर आएंगी, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होने जा रहा। बेशक, इस बात को जानकर कियारा के फैंस को झटका लगने वाला है। अफवाह के खंडन के साथ ही फिल्म के सीक्वल में कियारा को देखने की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया है।

-साभार एजेंसी

टी20 विश्व कप 2024

हार्दिक को लेकर संशय बरकरार

टी20 विश्व कप के लिए 01 मई को हो सकता है भारतीय टीम का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा के बीच वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए संभावित 15 सदस्यीय टीम को लेकर दिल्ली में अनौपचारिक बैठक होने की उम्मीद है। विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की आखिरी तारीख एक मई है।

दिल्ली-मुंबई मैच देखने पहुंचे थे अगरकर

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अगरकर शनिवार को मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए आईपीएल मैच को देखने के लिए विशेष रूप से स्पेन से दिल्ली आए थे, ताकि उन्हें कप्तान रोहित के साथ बातचीत करने का मौका मिल सके और अंतिम टीम चुनने के लिए अपने सहयोगियों के साथ बैठक से पहले उनके लिए चीजें स्पष्ट हों।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के बीच मैच के बाद मुलाकात हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक मई को डेडलाइन खत्म होने के दिन भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। टीम के एलान से पहले भी अगरकर और रोहित के बीच एक और बार मीटिंग हो सकती है। उस मीटिंग में जरूर फैसले लिए जाएंगे। यह मीटिंग सोमवार को हो सकती है। मुंबई का अगला मैच 30 अप्रैल को लखनऊ से इकाना स्टेडियम में है।

हार्दिक की गेंदबाजी और फिटनेस पर संशय जारी

टीम में कुछ स्थानों और खिलाड़ियों को लेकर चर्चा की जरूरत है। इसमें सबसे अहम हार्दिक पांड्या की गेंदबाजी फिटनेस है। अगर हार्दिक को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिलती है तो शिवम दुबे और रिंकू सिंह में से केवल एक को ही जगह दी जा सकती है। हार्दिक ने अब तक नौ मैचों में 36 ओवर की बजाय सिर्फ 19 ओवर गेंदबाजी की है। वहीं, फिनिशर के तौर पर वह इतने मैचों में सिर्फ 10 छक्के लगा पाए हैं, जो कि बेहद खराब है।

उन्होंने इस सीजन 142 के स्ट्राइक रेट से नौ पारियों में 196 रन बनाए हैं। हालांकि, हार्दिक को इस बात की तरजीह मिल सकती है कि दुबे ने इस आईपीएल में गेंदबाजी की ही नहीं है। वहीं, स्किल और पेस में भी दुबे हार्दिक के आसपास नहीं हैं। हालांकि, बल्ले से दुबे हार्दिक से कहीं आगे हैं। सीएसके के बल्लेबाज ने आठ मैचों में 22 छक्के जड़े हैं। विकेटकीपर के लिए ऋषभ पंत के साथ संजू सैमसन और लोकेश राहुल के नामों को लेकर भी संशय है। पंत का चयन तय माना जा रहा है। वहीं, दूसरे विकेटकीपर को लेकर चर्चा जारी है।

चहल पर अक्षर को दी जा सकती है तरजीह

तेज गेंदबाजी और स्पिनरों को लेकर भी चीजें स्पष्ट नहीं है। जसप्रीत बुमराह शानदार लय में है तो वहीं अनुभवी मोहम्मद सिराज का आईपीएल में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई और युजवेंद्र चहल में टीम के तीसरे स्पिनर के लिए मुकाबला होगा। बेहतर बल्लेबाजी स्किल के कारण अक्षर का दावा ज्यादा मजबूत है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चहल कुछ शीर्ष कोचिंग स्टाफ की पहली पसंद नहीं हैं।

सैमसन पर राहुल को दी जा सकती है तरजीह

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, अच्छे प्रदर्शन के बावजूद संजू सैमसन के चुने जाने पर संशय बरकरार है। ऋषभ पंत का चयन होना तय है, जबकि केएल राहुल दूसरे विकेटकीपर के तौर पर शामिल किए जा सकते हैं। शिवम दुबे का भी चुना जाना लगभग तय है। पंत इस सीजन शानदार फॉर्म में दिखे हैं। कार दुर्घटना के बाद से वापसी करते हुए अपने पहले ही टूर्नामेंट में बल्ले से कमाल दिखाया है। वह अब तक 10 मैचों में 46.38 की औसत और 160.60 के स्ट्राइक रेट से 371 रन बना चुके हैं। ऑरेंज कैप की रेस में वह फिलहाल चौथे स्थान पर हैं।

दुबे की पावर हिटिंग ने सबका ध्यान खींचा

वहीं, लखनऊ के कप्तान राहुल इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। वह नौ मैचों में 42 की औसत और 144.27 के स्ट्राइक रेट से 378 रन बना चुके हैं। शिवम दुबे की पावर हिटिंग ने इस सीजन सबका ध्यान खींचा है। वह अब तक आठ मैचों में 51.83 की औसत और 169.94 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 311 रन बना चुके हैं।

इनमें तीन अर्धशतक शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 66 रन का रहा है। दुबे सीएसके से दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। ऋतुराज गायकवाड़ लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। उन्होंने सीएसके के लिए अब तक आठ मैचों में 58.17 की औसत से 349 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक शामिल है।

जून में शुरू होगा टी20 विश्व कप

आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 इस साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की सहमेजबानी में खेला जाएगा। एक जून से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी।

भारतीय टीम अपना पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क में महामुकाबला खेला जाएगा। यह मैच न्यूयॉर्क के नसऊ काउंटी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

फिर दौड़ेगी रावलपिंडी एक्सप्रेस, शोएब अख्तर ने रिटायरमेंट से वापसी का किया एलान!

लाहौर, एजेंसी। अप्रैल को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पांच टी20 मैचों की सीरीज का अंतिम मैच खेला गया. पाकिस्तान ने यह मैच 9 रनों से जीत लिया. मैच के दौरान शोएब अख्तर भी मैदान पर थे. स्टेडियम में मौजूद दर्शक शाओब के नारे लगाने लगे, जिसके बाद शोएब अख्तर ने कुछ ऐसा ट्वीट किया, जिससे फैंस बेताब हो गए.

रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर बना रहें रिटायरमेंट से वापसी का प्लान?

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए आखिरी टी20 मैच के दौरान शोएब वहां मौजूद थे. वहां उन्होंने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जश्न मना रही भीड़ को सौंपी. मैदान का माहौल हुआ इतना जबरदस्त कि रावलपिंडी एक्सप्रेस वापसी का सोचने लगे. इसके बाद उन्होंने ट्वीट के जरिए संन्यास से वापसी की ओर इशारा किया.

शोएब अख्तर ने ट्विटर पर क्या लिखा?

शोएब अख्तर ने ट्वीट में लिखा, वो शाओब शाओब के नारे बहुत दिल को छू लेने वाले थे. मैं फिर से आप सभी के लिए गेंदबाजी करने के लिए मैदान पर जाना चाहता था. रोंगटे खड़े हो गए! ! इस इमोशनल मैसेज को देख फैंस भी कमेंट में उन्होंने दोबारा देखने की बातें कहने लगे.

कब होगा इंडिया वर्सेस पाक टी20 वर्ल्ड कप 2024 मैच?

टी20 वर्ल्ड कप 2024, 2 जून से शुरू होने जा रहा है. इस टूर्नामेंट का आयोजन अमेरिका और वेस्टइंडीज में किया जाएगा. भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 रविवार, 9 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा.

इंडिया वर्सेस पाकटी20 वर्ल्ड कप हेड टू हेड

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान अब तक 7 बार भिड़ चुके हैं. इनमें से भारत ने 5 मैच जीते हैं. तो वहीं पाकिस्तान सिर्फ 1 मैच जीत सका है. एक मैच टाई हुआ था.

टिम डेविड के छक्के से घायल हुआ फैन, मुंह पर लगी गेंद

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 257 रन बनाए और मुंबई को जीत के लिए 258 रनों का मुश्किल सा टारगेट दिया। मैच की दूसरी पारी में मुंबई इंडियंस के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं था उन्हें बस तेजी से रन बनाने थे और उन्होंने ऐसा ही किया, लेकिन इस दौरान मुंबई इंडियंस के स्टार खिलाड़ी टिम डेविड ने एक झन्नाटेदार शॉट खेला जिसके बाद गेंद सीधे स्टैंड में जा गिरी। इसी बीच उनके इस शॉट ने स्टैंड में बैठे एक फैन को घायल कर दिया।

फैन को लगी चोट

टिम डेविड ने जैसे ही शॉट खेला, वैसे ही गेंद को स्टेंड में बैठे फैंस कैच करना चाह रहे थे, लेकिन इसी भाग-दौड़ में गेंद एक फैन के चेहरे पर जाकर लग गई। जिसके बाद उस फैन को तुरंत मेडिकल रूम की ओर ले जाया गया। कई बार क्रिकेट के मैदान पर ऐसा देखने को मिल जाता है। इस मैच में भी कुछ ऐसा ही हुआ। फैन की हालत को लेकर अभी कोई अपडेट नहीं दिया गया है। इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

कैसा रहा मैच का हाल

दिल्ली कैपटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2024 का 43वां मुकाबला खेला गया। इस मैच का आयोजन दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में हुआ। जहां मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 257 रन बनाए। टीम के लिए जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 84 रनों और ट्रिस्टन स्टब्स ने 47 रनों की पारियां खेली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने इस मुकाबले को 10 रनों से जीत लिया है। मुंबई इंडियंस की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाए।

पाकिस्तान ने 5वें टी-20 में न्यूजीलैंड को हराया

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को टी-20 सीरीज के 5वें और आखिरी मैच में 9 रन से हरा दिया। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो गई। सीरीज का पहला मैच बारिश की वजह से बेनतीजा रहा था।

शनिवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। पाक टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 278 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 179 रन का टारगेट दिया। जवाब में कीवी टीम 19.2 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई। शाहीन शाह अफरीदी प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज दोनों रहें। उन्होंने सीरीज में कुल 8 विकेट लिए।

पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर का 34वां अर्धशतक लगाया। बाबर ने उस्मान खान (31) के साथ दूसरे विकेट के लिए 73 और फखर जमान (43) के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी की। बाबर अपनी पारी में 44 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 69 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए जाकारी फॉल्क्स, विलियम ओरूर्के, बेन सियर्स, ईश सोढ़ी और जेम्स नीशम ने एक-एक विकेट झटके।

न्यूजीलैंड के लिए टारगेट का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। यह उनके टी-20 इंटरनेशनल करियर का 9वां अर्धशतक रहा। उन्होंने माइकल ब्रेसवेल (23) के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की पार्टनरशिप की। लेकिन, टीम को जीत नहीं दिला सके।

सिफर्ट ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। पाकिस्तान से तेज गेंदबाज अफरीदी ने 4 विकेट झटके। उसामा मीर ने दो विकेट लिए। शादाब खान और इमाद वसीम को एक-एक विकेट मिला। विलियम ओ%रूर्के और बेन सियर्स रन आउट हुए। पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज अफरीदी ने 4 विकेट झटके।

आईपीएल 2024

16 अंक होने के बाद भी अब तक प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई राजस्थान की टीम

आईपीएल 2024 अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान रॉयल्स	9	8	1	16	+0.694
कोलकाता नाइट राइडर्स	8	5	3	10	+0.972
सनराइजर्स हैदराबाद	8	5	3	10	+0.577
लखनऊ सुपर जाएंट्स	9	5	4	10	+0.059
दिल्ली कैपिटल्स	10	5	5	10	-0.276
चेन्नई सुपर किंग्स	8	4	4	8	+0.415
गुजरात टाइटंस	9	4	5	8	-0.974
पंजाब किंग्स	9	3	6	6	-0.187
मुंबई इंडियंस	9	3	6	6	-0.261
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	2	7	4	-0.721

नई दिल्ली, एजेंसी। 16 अंक आम तौर पर प्लेऑफ के लिए डायरेक्ट क्वालिफिकेशन सुनिश्चित करता है, लेकिन अभी तक राजस्थान की टीम क्वालिफाई नहीं कर सकी है। एक और जीत से आरआर की टीम जरूर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

आईपीएल 2024 के 44वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स पर सात विकेट से जीत हासिल की। 197 रन के लक्ष्य को राजस्थान ने 19 ओवर में तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ राजस्थान के नौ मैचों में आठ जीत के साथ 16 अंक हो गए हैं। आरआर की टीम सिर्फ एक मैच हारी है। वहीं, लखनऊ की टीम नौ मैचों में पांच जीत और 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। जब से 10 टीमों के बीच आईपीएल में मुकाबले हो रहे हैं, 16 अंकों को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने का बेस माना जाता है। हालांकि, राजस्थान की टीम के 16 अंक होने के बावजूद उनके नाम के आगे क्वालिफाई नहीं लिखा गया है।

अंक तालिका का मौजूदा हाल

16 अंक आम तौर पर प्लेऑफ के लिए डायरेक्ट क्वालिफिकेशन सुनिश्चित करता है, लेकिन अभी तक राजस्थान की टीम क्वालिफाई नहीं कर सकी है। एक और जीत से आरआर की टीम जरूर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। हालांकि, अब तक ऐसा इसलिए नहीं हुआ है क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु समेत सभी टीमें अभी भी क्वालिफिकेशन के दौड़ में हैं। राजस्थान की टीम 16 अंक प्राप्त कर चुकी है और आरसीबी को छोड़कर बाकी टीमें अभी भी 16 अंक प्राप्त कर सकती हैं। ऐसे में राजस्थान के आगे क्वालिफाई नहीं लिखा गया है।

मुंबई और पंजाब के लिए करो या मरो की स्थिति

मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के लिए अब यहां से सभी मुकाबले करो या मरो वाले हैं। उन्हें अपने बाकी बचे पांच मैचों में से पांचों में जीत दर्ज करनी होगी।

दोनों के पास नौ मैचों के बाद छह-छह अंक हैं। पांच जीत से वह 16 अंक तक पहुंच पाएंगे। वहीं, गुजरात टाइटंस एक से ज्यादा मैच गंवाने का रिस्क नहीं उठा सकती है। उसके नौ मैचों में चार जीत और पांच हार के साथ आठ अंक हैं। 16 अंक तक पहुंचने के लिए उन्हें कम से कम चार मैच जीतने होंगे।

आईपीएल-2024 ऋषभ पंत ने इस नियम को लेकर जाहिर की चिंता, बताया कैसे खड़ी कर रहा है परेशानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हराया था। दिल्ली ने मुंबई के खिलाफ चार विकेट पर 257 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया था, लेकिन उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही थी और एक समय मुंबई इंडियंस जीत के करीब पहुंच गई थी।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत भी उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्हें इंपैक्ट प्लेयर नियम कुछ रास नहीं आ रहा है। पंत ने इस नियम को लेकर चिंता जाहिर की है। दिल्ली की टीम लगातार दो मैचों में बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद भी बहुत कम अंतर से जीत दर्ज कर सकी है। दिल्ली ने शनिवार को खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस को 10 रन से हराया।

दिल्ली ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हराया था। दिल्ली ने मुंबई के खिलाफ चार विकेट पर 257 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया था, लेकिन उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही थी और एक समय मुंबई इंडियंस जीत के करीब पहुंच गई थी। मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने 32 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेली थी।

केएल राहुल ने बताया राजस्थान के खिलाफ मैच में कहां पर हुई उनकी टीम से चूक, कहा - इतने रन पड़ गए क

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स टीम का प्रदर्शन अब तक सबसे बेहतरीन देखने को मिला है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान की टीम ने 7 विकेट से जीत हासिल करने के साथ प्लेऑफ के लिए अपनी जगह को लगभग पक्का कर लिया है।

इस मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान केएल राहुल 76 और दीपक हुडा के 50 रनों के दम पर 20 ओवरों में 196 रनों का स्कोर बनाया था। वहीं टारगेट का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की टीम ने एक समय 78 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल ने चौथे विकेट के लिए 100 से अधिक रनों की साझेदारी करते हुए इस मैच में टीम को एक आसान जीत दिलाकर वापस लौटे। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में हार के बाद लखनऊ टीम के कप्तान केएल राहुल ने इस बात को माना कि उनकी टीम ने मुकाबले में 20 से 25 रन कम बनाए।

सैमसन, जुरेल की नाबाद शतकीय साझेदारी, आरआर ने एलएसजी को सात विकेट से हराया

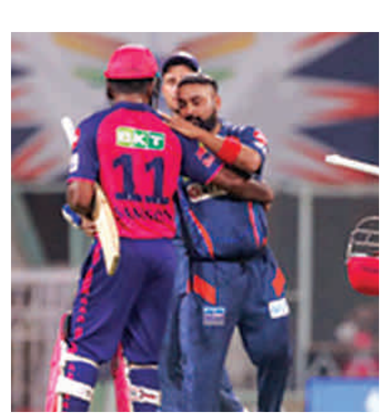

लखनऊ, एजेंसी। कप्तान संजू सैमसन की 33 गेंदों में नाबाद 71 रन और ध्रुव जुरेल के पहले आईपीएल अर्धशतक (34 गेंद में नाबाद 52 रन) की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से हरा दिया।

राजस्थान ने 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय 60 के स्कोर पर तीन गेंदों में दो विकेट गंवा दिये थे। दूसरा विकेट सातवें ओवर की पहली गेंद पर गिरा था। नवें ओवर में 78 के स्कोर पर जब तीसरा विकेट गिरा तो राजस्थान के सामने कुछ मुश्किलें दिखने लगीं। लेकिन सैमसन ने एक और शानदार पारी खेली। उन्होंने सात चौके और चार छक्के लगाए। जुरेल ने भी कप्तान का अंत तक साथ दिया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 62 गेंदों में 121 रनों की अविजित साझेदारी की। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे एलएसजी के कप्तान केएल राहुल ने 48 गेंदों में 76 रन बनाए और दीपक हुडा ने 31 गेंदों में 50 रन बनाकर घरेलू टीम का स्कोर 196/5 पर पहुंचाया। इस जीत के साथ, टेबल टॉपर राजस्थान रॉयल्स के नौ मैचों में आठ जीत से 16 अंक हो गए हैं। एलएसजी 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है।

संक्षिप्त समाचार

जंगली हाथी का आतंक, दो वनरक्षकों समेत तीन लोगों को कुचलकर मार डाला

तेजपुर। असम के सोनितपुर जिले में शनिवार को एक जंगली हाथी के हमले में दो वन रक्षकों सहित तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। एक वन अधिकारी ने यह जानकारी दी। पश्चिम तेजपुर प्रभागीय वन अधिकारी निपेन कलिता ने कहा कि जब वनकर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे, तब एक जंगली हाथी पास के ढेकियाजुली जंगल से भटककर धीराई माजुली गांव में घुस गया और तीन लोगों को कुचलकर मौके पर ही मार डाला, जबकि? वन विभाग के एक अन्य कर्मचारी को घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान वनरक्षक कोलेश्वर बोरो और बीरेन रावा और स्थानीय व्यक्ति की पहचान जतिन तांती के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति दिबाकर मालाकार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि हाथी को वापस जंगल में धकेलने के प्रयास जारी हैं।

अनुचित टिप्पणियां करने और राज्य की महिलाओं का अपमान करने वाले शहजादों के गिरोह को सबक सिखाएंगे: कंगना रनौत

मंडी, एजेंसी। मंडी उन कुछ सीटों में शामिल है जिसके मुकाबले पर पूरे देश की नजर है। कंगना रनौत और विक्रमादित्य सिंह के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिल रही है। दोनों ओर से वार-पलटवार चल रहा है। भाजपा उम्मीदवार और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने शनिवार को विक्रमादित्य को जवाब दिया और कहा कि क्षेत्र के लोग अनुचित टिप्पणियां करने और राज्य की महिलाओं का अपमान करने वाले शहजादों के गिरोह को सबक सिखाएंगे। मंडी संसदीय क्षेत्र के झाकरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कंगना ने कांग्रेस नेता विक्रमादित्य सिंह पर निशाना साधा और उन्हें रामपुर का शहजादा कहा। उन्होंने बॉलीवुड से उनके जुड़ाव का सिंह द्वारा जिक्र करने पर आपत्ति भी जताई। कंगना का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा था, मैं भगवान राम से उन्हें सद्बुद्धि देने की प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि वह देवभूमि हिमाचल से शुद्ध होकर बॉलीवुड में वापस जाएंगी क्योंकि वह चुनाव नहीं जीत पाएंगी और इसकी वजह यह है कि वह हिमाचल के लोगों के बारे में कुछ नहीं जानती हैं। अपनी रैली में, कंगना ने कहा, अब वे कह रहे हैं कि मैं अशुद्ध हूं क्योंकि मैं फिल्म उद्योग में काम करने के बाद यहां आई हूं और मुझे पहले जाकर खुद को शुद्ध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें यह टिप्पणी अपमानजनक लगीं क्योंकि फिल्मों में काम करके ही उन्होंने अपने परिवार का साथ दिया, अपने भाई-बहनों को पढ़ाया-लिखाया , तेजाब हमले की शिकार बहन का इलाज कराया और राज्य का सिर ऊंचा किया। अभिनेत्री ने कहा कि क्षेत्र के लोग अनुचित टिप्पणियां करने और राज्य की महिलाओं का अपमान करने वाले 'शहजादों' के गिरोह को सबक सिखाएंगे।

नामी-गिरामी, कद्दावर नेताओं की दर्जनों पार्टियां खो गई गुमनामी में

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश ही नहीं राष्ट्रीय स्तर के नामी-गिरामी और कद्दावर नेताओं ने अलगांव का रास्ता अपनाकर प्रदेश में दर्जनों पार्टियां बनाई। ये पार्टियां जोर-शोर से मैदान में भी आई और चुनाव भी लड़ा लेकिन बाद में वे या तो गुनामी के अंधेरे में खो गई या फिर किसी अन्य पार्टी में उसका विलय हो गया। इनमें कई ऐसी राजनीतिक पार्टियां रहीं हैं जिन्हें चुनावों में अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों के अलावा और किसी ने वोट तक नहीं दिया। आजादी के बाद से अब तक प्रदेश में तमाम ऐसे अवसर आये जब बड़े नेताओं ने अपनी मूल पार्टी को त्यागकर नया दल बना लिया और बाद में उनकी पार्टियां अपना स्वयं का अस्तित्व समाप्त कर दी। ये ऐसे राजनेता या राजनीतिक हस्तियां रहीं हैं जिनका न सिर्फ प्रदेश में बल्कि देश की राजनीति में भी बड़ी धाक रही है।

2014 और 2019 की तरह भाजपा की राह इस बार उतनी आसान नहीं: छगन भुजबल

मुंबई, एजेंसी।
अजीत पवार गुट के कद्दावर नेता छगन भुजबल का कहना है कि 2014 और 2019 की तरह भाजपा की राह इस बार उतनी आसान नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टी टूटी है, दोनों नेताओं के साथ लोगों की सहानुभूति है, जिसका फायदा उन्हें इस बार लोकसभा चुनाव में मिल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार एनडीए के लिए राह काफी मुश्किल है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षमता पर लोगों को यकीन है और लोग चाहते हैं कि वे देश में फिर से मजबूत सरकार बनाएं। भुजबल ने नासिक सीट से अपनी दावेदारी वापस लेने पर कहा कि वह कभी अपने लिए किसी से सीट नहीं मांगते हैं। इसलिए जब उनका नाम तीन हसे तक अनाउंस नहीं हुआ तो उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया।

एनसीपी के कद्दावर नेता छगन भुजबल, शरद पवार से अलग होने के दौरान अजीत पवार के साथ फ्रंटफुट पर थे। उन्होंने शनिवार को एनडीटीवी के साथ इंटरव्यू में कहा कि महाराष्ट्र में इस बार भाजपा गठबंधन के लिए उतनी आसान राह नहीं है, जो 2014 और 1019 के वक्त थी। वह इसलिए क्योंकि पिछले दो सालों में महाराष्ट्र की राजनीति में दिलचस्प घटनाक्रम हुए हैं। पहले 2022 में एकनाथ शिंदे ने उद्धव गुट से अलग होकर अपने पाले के नेताओं के साथ उद्धव की सरकार गिराई। फिर भाजपा गठबंधन के साथ महाराष्ट्र में सरकार बना ली। अगले साल ठीक ऐसा ही हुआ। शरद पवार की एनसीपी से अलग होकर अजीत पवार ने भी ऐसा ही किया, वो इस वक्त महाराष्ट्र में डिप्टी सीएम हैं और महायुति गठबंधन के साथ सरकार में हैं। छगन भुदबल ने कहा, मेरा मानना है कि यह एक सिम्पैथी लहर हो सकती है। जिस तरह से उद्धव ठाकरे की शिवसेना विभाजित हो गई और एनसीपी के एक गुट ने पाला बदल लिया। ऐसा चुनावी रैलियों में भी दिख रहा है। पिछले दोनों लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 में, भाजपा ने अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था और पार्टियों ने क्रमशः 23 और 18 सीटों में जीत हासिल की थी।

भुजबल ने कहा कि उन्होंने नासिक से टिकट नहीं मांगा था लेकिन होली के दौरान एनसीपी के अन्य नेताओं ने उन्हें बताया था कि वह नासिक से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, यह बात उन्हें दिल्ली में सहयोगियों के बीच देर रात हुई बैठक के बाद बताई गई, जहां प्रत्येक पार्टी के लिए एक-एक करके सीटों पर चर्चा की जा रही थी।

बता दें कि महाराष्ट्र की नासिक लोकसभा सीट पर प्रत्याशी को लेकर सबसे ज्यादा बवाल देखा गया। क्योंकि भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी में सीट-बंटवारे को लेकर चल रही चर्चा के बीच भुजबल ने खुद ही ऐलान कर दिया था कि वे नासिक सीट से चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। हालांकि इस सीट पर उम्मीदवार की घोषणा अभी होनी बाकी है और महायुति के बीच खींचतान चल रही है।

तमिलनाडु में लू और गर्मी का भीषण प्रकोप, स्टालिन ने अधिकारियों को निर्बाध पानी आपूर्ति के दिए निर्देश

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को अधिकारियों को इस भीषण गर्मी में लोगों को निर्बाध पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। दरअसल, राज्य के कई हिस्सों में चल रही लू की स्थिति के मद्देनजर चेन्नई में मुख्यमंत्री स्टालिन ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि गर्मी अपने साथ दो तरह के संकट लेकर आई है। सीएम स्टालिन ने कहा, एक तो अत्यधिक गर्मी और दूसरा पीने के पानी की बढ़ती मांग। उन्होंने कहा, हालांकि पिछले मॉनसून सीजन के दौरान तमिलनाडु के तटीय इलाकों में भारी बारिश हुई थी, जिससे उस इलाके में बाढ़ आ गई। मगर राज्य के अन्य हिस्सों में खासकर पश्चिमी जिलों में कम बारिश हुई। हाई लेवल बैठक में राज्य के मुख्य सचिव और अन्य विभागीय सचिवों ने मुख्यमंत्री को पेयजल की कमी के बारे में बताया। इसके अलावा, भारतीय मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए बताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान पहले या दो महीनों में बारिश की मात्रा उम्मीद से कम हो सकती है। सीएम स्टालिन कहा, हम एक मुश्किल दौर में हैं जहां हमें बांधों में पानी का संयम से इस्तेमाल करना होगा और अगले दो महीनों के लिए पीने के पानी की आवश्यकता को पूरा करना होगा। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों से पीने के पानी की समस्या से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेने और समस्याओं का तुरंत समाधान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य के 22 जिलों को पहले ही सूखाग्रस्त जिले घोषित किया जा चुका है और जल आपूर्ति कार्यों के लिए राज्य आपदा राहत कोष से 150 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

ओवैसी धर्म और गोमांस के बारे में करते हैं बात, नहीं चाहते समाज आगे बढ़े; माधवी लता ने लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद।
हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने चुनाव आयोग से एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। माधवी लता ने आरोप लगाया है कि ओवैसी बाबरी मस्जिद के नाम पर वोट मांग रहे हैं, धर्म और गोमांस पर चर्चा करके लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। उन्होंने ओवैसी पर लोगों से गौहत्या करने और गोमांस खाने के लिए कहने का आरोप लगाया और सवाल किया कि क्या मुसलमानों के पास गोमांस खाने के अलावा जीवन में कुछ और करने के लिए नहीं है।

उन्होंने कहा कि ओवैसी आदर्श आचार संहिता के खिलाफ जा रहे हैं और चुनाव आयोग को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। वे सार्वजनिक रूप से लोगों से गाय काटने और गोमांस खाने के लिए कह रहे हैं। माधवी ने आगे कहा कि आश्चर्य की बात है कि असदुद्दीन ओवैसी जैसा पढ़ा-लिखा बैरिस्टर ऐसा कह रहा है।

मुसलमानों के जीवन में गोमांस के अलावा और कुछ नहीं है?

चिंता की बात यह है कि वह चाहते हैं कि मुसलमान गोमांस खाने तक ही सीमित रहें, वह नहीं चाहते कि वे इन सब से आगे बढ़ें। पसमांदा मुसलमानों को इस बारे में सोचना चाहिए कि उनके जीवन में गोमांस के अलावा और कुछ नहीं है? उन्होंने सुझाव दिया कि मुसलमानों को यह सोचने की जरूरत है कि क्या वे चाहते हैं कि अल्पसंख्यकों की स्थिति अगले 40 वर्षों तक ऐसी ही बनी रहे।

अब रेलवे में हाफ टिकट पर नहीं मिलेगा यह लाभ, बदल गया नियम

नईदिल्ली, एजेंसी।
रेल यात्रा के दौरान बच्चे का हाफ टिकट लेने पर उसे वैकल्पिक बीमा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। आईआरसीटीसी के अनुसार, पूरा किराया देकर सीट बुक कराने पर ही बीमा का लाभ मिलेगा। साथ ही आईआरसीटीसी ने एक अप्रैल से रेल यात्री वैकल्पिक बीमा का प्रति यात्री प्रीमियम बढ़ाकर 45 पैसे कर दिया है। पहले यह 35 पैसे था। आईआरसीटीसी दस्तावेज के अनुसार, रेल यात्री वैकल्पिक बीमा योजना का लाभ सिर्फ ई-टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को मिलेगा। यानी रेलवे के टिकट काउंटर, निजी रेल बुकिंग काउंटर अथवा दलाल से खरीदे गए टिकट पर बीमा योजना लागू नहीं होगी। ट्रेन की सभी श्रेणियों एसी-1,2,3, स्लीपर, बर्थ आदि के कन्फर्म, आरएसी टिकट पर यह सुविधा लागू होगी। प्रतीक्षा सूची के रेल यात्री बीमा योजना के पात्र नहीं होंगे। ऑनलाइन टिकट बुक कराते समय रेल यात्री को बीमा योजना के विकल्प को चुनना होता है। इसके बाद बीमा कंपनी की ओर से रेल यात्री के मोबाइल और ई-मेल आईडी पर मैसेज आता है। किसी कारण से ट्रेन

बदले हुए रेलमार्ग पर चलाई जाती है तब भी यात्री को बीमा कवर मिलेगा। वैकल्पिक ट्रेन बुकिंग में भी यात्री को बीमा लाभ मिलेगा। अपरिहार्य कारणों से रेलवे सड़क मार्ग से यात्रियों को गतंव्य तक पहुंचाती है तो, ऐसी स्थिति में भी यात्री बीमा लाभ के पात्र होंगे। बीमा कवर का उत्तराधिकारी नहीं होने पर दावा करने पर अदालत से बीमा का दावा दिया जाएगा। मालूम हो कि रेल यात्री की मृत्यु होने पर 10 लाख रुपये, आंशिक विकलांग होने पर 7.5 लाख और अस्पताल में घायलों का इलाज कराने पर दो लाख रुपये आश्रित को दिए जाते हैं। इसके अलावा, 10 हजार रुपये सड़क परिहवन के लिए भुगतान किया जाता है। रेलवे की संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 में 34.40 करोड़ रेल यात्रियों ने बीमा कराया और बीमा कंपनियों को इसका प्रीमियम मद में 8.53 करोड़ रुपये मिला। वर्ष 2019-20 में 27.30 करोड़ यात्रियों ने बीमा के एवज में 13.38 करोड़ रुपये बीमा प्रीमियम का भुगतान किया।

राजस्थान और गुजरात में पकड़ाई अत्याधुनिक ड्रग्स लैब, करीब 300 करोड़ रु की मेफेड्रोन ड्रग बरामद

गांधीनगर, एजेंसी।
गुजरात एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ते) और एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने गांधीनगर और पड़ोसी राज्य राजस्थान में एक साथ चार जगहों पर संयुक्त रूप से छापा मारा और करीब 300 करोड़ रुपए के मेफेड्रोन (एक तरह का मादक पदार्थ) के साथ 13 लोगों को पकड़ा है। यह छापे शुक्रवार को मारे गए थे, जिनकी जानकारी शनिवार को दी गई। इस दौरान दोनों राज्यों में 3 अति आधुनिक मेफेड्रोन मैन्युफैक्चरिंग लैब्स भी मिलीं।

इन छापों को लेकर एक विज्ञप्ति जारी करते हुए एटीएस ने बताया कि, एनानी और राजपुरोहित के साथ-साथ उनके सहयोगियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई, जिसके बाद राजस्थान में सिरोही और जोधपुर के अलावा गांधीनगर के पिपलाज गांव और अमरेली जिले के भक्तिनगर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इकाइयों पर छापे मारे गए। छापे के दौरान एटीएस ने 22.028 किलोग्राम मेफेड्रोन और 124 किलोग्राम तरल मेफेड्रोन बरामद किया।

एटीएस की विज्ञप्ति के मुताबिक छापों के दौरान राजपुरोहित को गांधीनगर से पकड़ा गया, वहीं एनानी को सिरोही से पकड़ा गया। एनानी इससे पहले भी इस मामले में 7 साल जेल में रहकर आ चुका है। राजस्थान में एक औद्योगिक इकाई में मेफेड्रोन के उत्पादन में शामिल रहने के आरोप में साल 2015 में उसे डीआरआई ने पकड़ा था। इसके बाद वह 7 साल जेल में रहा था।

विज्ञप्ति में बताया गया कि सभी आरोपी आपस में जुड़े हुए हैं और वलसाड जिले के वापी औद्योगिक क्षेत्र में एक कंपनी से कच्चा माल खरीद रहे थे। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर ही है कि वे कब से इस ड्रग का उत्पादन कर रहे हैं, उन्होंने इसे किस-किस को बेचा है और इस पूरे ड्रग कार्टेल का हिस्सा कौन था।

उधर एनसीबी ने एक बयान में कहा, एटीएस गुजरात पुलिस को एक गोपनीय स्त्रोत से गुजरात और राजस्थान से संचालित गुप्त मेफेड्रोन मैन्युफैक्चरिंग लैब्स के बारे में जानकारी मिली थी। इन प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ करने के लिए, एटीएस गुजरात पुलिस और एनसीबी हेडक्वार्टर्स ऑपरेशन इकाई की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया था।

एनसीबी के मुताबिक इन छापों के दौरान तीन अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं से कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर व तरल रूप में), 50 किलोग्राम इफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन जब्त हुआ है, जिनकी अनुमानित कीमत 300 करोड़ रुपए है। एजेंसी ने इसे इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि जांच चल रही है और वितरण नेटवर्क की जांच की जा रही है।

नाबालिग प्रेमी जोड़े ने एक-दूसरे के चेहरे पर खुरच कर लिखे नाम

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में नादानी में नाबालिग प्रेमी जोड़े ने एक-दूसरे के चेहरे पर नुकीली चीज से खुरच कर अपना-अपना नाम लिख दिया। किशोरी के चेहरे पर नुकीली चीज से नाम के अक्षर लिखने के आरोपित को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मामले में पॉक्सो एक्ट और दुराचार की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस के मुताबिक, किशोरी का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है। आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान दोनों के बीच प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है।

19 अप्रैल को अवयस्क प्रेमी जोड़े ने एक दूसरे के चेहरे पर किसी नुकीली चीज से एक दूसरे के नाम का अक्षर लिख दिया। तीन दिन बाद जब लड़की के घरवालों ने यह निशान देखा तो पूछताछ की। पूरी बात पता चलने पर वह शुक्रवार को कोतवाली पहुंचे और प्रेमी पर छेड़खानी और जबरदस्ती घर ले जाकर तीन दिन बंधक बनाने का आरोप लगाते हुए बेटी के चेहरे पर चोट आने की बात कही थी। जब पुलिस ने लड़की से पूछताछ की तो पता चला कि दोनों का प्रेम-प्रसंग कई साल पुराना है। दोनों एक ही समुदाय के हैं। लड़की खुद लड़के के घर गई थी और दोनों ने सहमति से एक-दूसरे के चेहरे पर निशान बनाए थे। लड़की के अपने घर लौटने पर उसकी मां ने पुलिस को तहरीर दी।

हम 2 प्रधानमंत्री बनाएं या 4, हमारी मर्जी- संजय राउत

मुंबई, एजेंसी।, एजेंसी। शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विपक्ष वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि इस देश में 10 साल से एक तानाशाह राज कर रहा है, उससे अच्छा है कि देश में एक मिली-जुली सरकार बने। राउत ने कहा, हम 2 प्रधानमंत्री बनाएं या 4 यह हमारी मर्जी है लेकिन इस देश को तानाशाही की ओर हम नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन 300 सीटें पार कर रही है। वहीं, पीएम मोदी ने कहा था कि 2024 का चुनाव विचारधारा की लड़ाई है, जिसमें एक तरफ एनडीए नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करना चाहता है। हम योजनाओं के शत प्रतिशत कार्यान्वयन में यकीन करते हैं। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है जो अपने परिवारों की रक्षा के लिए स्वार्थी उद्देश्यों से काम करता है।

संजय राउत ने महायुति के नेता पर लोगों को वोट देने के लिए धमकी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सोलापुर में ऐसा किया गया है। अगर आपके पास पीएम मोदी हैं और आप जीत को लेकर इतने आश्वस्त हैं तो ये सब क्यों कर रहे हैं। राउत ने दावा किया कि बारामती और शिरूर में अजित पवार खुलेआम व्यवसायियों, व्यापारियों आदि को नोटिस भेज रहे हैं और उन्हें धमका रहे हैं। उन्हें अपनी पत्नी (सुनेत्रा पवार) के लिए काम करने की धमकी दी जा रही है। अगर ऐसा नहीं किया तो वे कह रहे हैं कि उन पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगेगा। आखिर लोकतांत्रिक देश में यह सब कैसे हो सकता है।

कश्मीर में मिठाई की दुकान पर अंधाधुंध गोलीबारी

कश्मीर, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के मीरान साहिब इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने मिठाई की दुकान पर अचानक गोलीबारी कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना शनिवार शाम को हुई। कुछ अज्ञात लोग इलाके में पहुंचे और दुकान पर गोलियां चलाने लगे। इसके बाद अब्बू जट नाम के सोशल मीडिया हैंडल से इस हमले की जिम्मेदारी ली गई। पोस्ट में कहा गया, आज जो कुछ भी हुआ, हम उसकी जिम्मेदारी लेते हैं। मीरासाहिब खजुरिया में मिठाई की दुकान के बाहर गोलियां चलाईं। अगर हमारी बातों पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह और भी बदतर हो सकता है। हम यहां पर हैं मगर हमारे भाई अभी भी वहां हैं। इसलिए गलती मत कीजिए और मान लीजिए। हमने नया मोड़ ले लिया है और शांति के प्रयास में हैं। अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो अगली गोली हवा में नहीं चलेगी।

इससे पहले, बिहार के बांका जिले के रहने वाले राजा शाह की अनंतनाग जिले के जबलीपोरा में आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने कहा, शेष खतरों को खत्म करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियानों को बढ़ाएं और आतंकवादियों के सहयोगियों और राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें। बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया था। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारियों ने चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को बनाए रखते हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रणनीतियों पर चर्चा की। जम्मू-कश्मीर के उप जिला सोपोर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शुक्रवार को 2 आतंकवादी मारे गए। इस दौरान दो सैनिक भी घायल हो गए। पुलिस ऑफिसर बिरदी ने कहा कि पूरी रात जारी मुठभेड़ में आज सुबह दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा, संयुक्त अभियान के दौरान टीम पर आतंकवादियों ने छिपकर अंधाधुंध फायरिंग की और टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की।

भोजपुरी समाज व अखिल भारतीय मिथिला संघ ने की प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित

भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी को जिताने की बनी रणनीति

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव में पूर्वांचल का चेहरा के रूप में मनोज तिवारी को विजयश्री दिलाने हेतु आशीर्वाद देने के लिए दिल्ली में सक्रिय पुरानी संस्था भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत दुबे एवं अखिल भारतीय मिथिला संघ के अध्यक्ष विजय चन्द्र झा की अगुआई में पूर्वांचल की माटी के प्रबुद्धजनों की सभा का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों प्रबुद्ध जन उपस्थित हुए एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए। सभा में सांसद मनोज तिवारी व प्रसिद्ध यूट्यूबर मनीष कश्यप ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में बार कौंसिल ऑफ़ दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष, मुरारी तिवारी, भाजपा पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष नीरज तिवारी,विश्व भोजपुरी सम्मेलन संस्था के विनयमणि त्रिपाठी एवं डॉ मनीष चौधरी, भोजपुरी समाज के डॉ मनीष सिंह आर्य,चंद्रशेखर राय, वीणा वादिनी चौबे,सहित सैकड़ों लोगों का सानिध्य भी मिला।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)